@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 29 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 21 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)



'महिला आरक्षण के रास्ते की हर बाधा दूर करेंगे'

हमारा हौसला बुलंद और इरादा अडिग : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली, 28 नवंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला आरक्षण को संसद और विधानसभाओं में लागू करने के प्रति सरकार का दृढ़ संकल्प दोहराते हुए शनिवार को कहा कि नारी शक्ति को उनका अधिकार और उचित भागीदारी दिलाने के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाली पार्टियां देश की महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने से कभी नहीं रोक पाएंगी, अब केवल समय का इंतजार है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो संदेश में कहा कि महिलाओं को राजनीतिक



भागीदारी दिलाने की लड़ाई कई दशकों से चल रही है और वह स्वयं भी वर्षों से इसके लिए प्रयास करने वालों में शामिल रहे हैं। देश की अनेक महिलाएं उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर और पत्र लिखकर महिला आरक्षण का मुद्दा उठाती रही हैं।उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि देश की 100 प्रतिशत नारी शक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है। मैं देश की हर नारी को विश्वास दिलाता हूं कि हम महिला आरक्षण के रास्ते में आने वाली हर रुकावट को खत्म करके रहेंगे, हटाकर रहेंगे। हमारा हौसला भी बुलंद है, हमारी हिम्मत भी अटूट है और हमारा इरादा भी अडिग है। ' मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाली पार्टियां देश की नारी शक्ति को संसद और विधानसभाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने से कभी नहीं रोक पाएंगी। उन्होंने कहा कि अब केवल वक्त का इंतजार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का विषय लंबे समय से चर्चा और प्रयासों का हिस्सा रहा है। इस दिशा में महिलाओं ने लगातार अपनी आवाज उठाई है और उनसे मिलकर तथा पत्रों के माध्यम से अपनी अपेक्षाएं रखी हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि महिला आरक्षण को लेकर देश की महिलाओं का समर्थन सरकार के साथ है।

उल्लेखनीय है कि-

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार (27 नवंबर) को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में नए विधायी प्रस्तावों को मंजूरी दी। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता तैयार करने के लिए परिसीमन से जुड़े प्रावधानों में बदलाव का प्रस्ताव है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किए दर्शन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहे मौजूद

एजेंसी

वाराणसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन कर देश में सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। उपराष्ट्रपति और मुख्यमंत्री योगी नमोघाट पर आयोजित काशी तमिल संगमम के पांचवें संस्करण के उद्घाटन से पहले मंदिरों में पहुंचे और बाबा का आशीर्वाद लिया। दर्शन-पूजन की शुरुआत काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के मंदिर से हुई। उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री योगी के



साथ बाबा कालभैरव का विधिवत पूजन-अर्चन किया। इस दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर पहुंचने और वहां से रवाना होने के दौरान दोनों नेताओं ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति और मुख्यमंत्री श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने गर्भगृह में बाबा विश्वनाथ के पावन ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया और षोडशोपचार विधि से विधिवत पूजन-अर्चन किया। उन्होंने बाबा से देश की सुख-शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद दोनों नेता नमोघाट के लिए रवाना हो गए, जहां उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन काशी तमिल संगमम के पांचवें संस्करण का शुभारंभ करेंगे।

सार संक्षेप

विकसित भारत के लक्ष्य में डेनमार्क अहम साझेदार, 2026-31 की नई कार्ययोजना पर जोर: जयशंकरे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि डेनमार्क विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण साझेदार साबित होगा। उनके मुताबिक दोनों देश रक्षा एवं सुरक्षा, उभरती प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, शिक्षा, कौशल विकास और लोगों की आवाजाही सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की नई संभावनाओं पर काम कर रहे हैं। भारत और डेनमार्क के बीच 2026-2031 के लिए नई संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला आरक्षण राजनीति का नहीं, देश का विषय : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण राजनीति का नहीं, बल्कि देश का विषय है। उन्होंने कहा कि परिसीमन बिल को लेकर अब सब कुछ पूरी तरह साफ हो गया है और इसमें किसी भी व्यक्ति या किसी भी राज्य के लिए चिंता की कोई बात नहीं है। किरेन रिजिजू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'परिसीमन बिल, लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने और देश में जनप्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने के लिए, अब पूरी तरह स्पष्ट हो गया है, यह दिखाते हुए कि सरकार ने सबका ध्यान रखा है, सबकी परवाह की है, देश के हर राज्य की परवाह की है।

उत्तराखंड के पौड़ी में खाई में गिरा वाहन, कई घायल

देहरादून। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। रिखणीखाल क्षेत्र के कलवाड़ी में एक वाहन अनियंत्रित होकर करीब 200 से 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। प्रारंभिक सूचना के अनुसार वाहन में आठ से नौ लोग सवार थे।

हादसे में पांच घायल

महिलाओं को रेस्क्यू कर लिया गया है, जबकि चार से पांच लोगों के हताहत होने की आशंका जताई गई है। लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, ग्राम प्रहरी से थाना रिखणीखाल को दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कार्य शुरु किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है।

परिसीमन बिल से 2029 में महिला आरक्षण लागू होने का मार्ग प्रशस्त होगा: मुख्यमंत्री

2011 की जनगणना के आधार पर राज्यों की मौजूदा सीटों के अनुपात में होगी 50 फीसदी वृद्धि

प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय कैबिनेट का सीएम योगी ने जताया आभार, उत्तर प्रदेश के सभी 80 सांसदों से विधेयक के समर्थन की अपील

एजेंसी

कोलकाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा परिसीमन विधेयक को मंजूरी दिए जाने का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिमंडल का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2029 के लोकसभा चुनाव में लागू करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इससे



संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था प्रभावी हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही संसद से पारित हो चुका है। अब परिसीमन विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी मिलने से संसद और विधानसभाओं में सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि का रास्ता साफ होगा। इसकी महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि 2011 की जनगणना को आधार बनाकर राज्यों की मौजूदा लोकसभा सीटों का अनुपात यथावत रखा जाएगा और उसी अनुपात में सीटों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इससे किसी भी राज्य की हिस्सेदारी प्रभावित होने की आशंका नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को प्रारंभिक तौर पर 15 वर्षों के लिए लागू करने और रोटेशन की प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के माध्यम से आगे बढ़ाई जाएगी। भारत की आधी आबादी को संसद और विधानसभाओं में कम से कम 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने की यह ऐतिहासिक और स्वागत योग्य पहल है।

इंडी गठबंधन ने परिसीमन विधेयक को लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बताया

एससी-एसटी के अधिकारों की अनदेखी का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडी गठबंधन ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन विधेयक का विरोध करते हुए इसे लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर सत्ता पर स्थायी कब्जा करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हितों का ध्यान नहीं रखा गया है। संसद के विशेष सत्र से पहले शनिवार को खरगे के आवास पर इंडी गठबंधन के फ्लोर लीडर्स की बैठक हुई।



बैठक में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा और समाजवादी पार्टी के रामजीलाल सुमन सहित अन्य नेता शामिल हुए। डीएमके और एनसीपी (एससीपी) का कोई नेता बैठक में नहीं पहुंचा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी परिसीमन विधेयक को लेकर आज शाम 05 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। बैठक के बाद खरगे ने कहा कि गठबंधन के सभी नेताओं ने सामूहिक रूप से तय किया है कि मोदी सरकार का प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। पहले भाजपा ने चुनाव में 400 पार का नारा दिया था, जो पूरा नहीं हुआ। अब लोकसभा सीटों की संख्या 850 तक बढ़ाने की बात हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इसके जरिए सत्ता अपने हाथ में बनाए रखना चाहती है।

यदि नवीनतम जनगणना के आधार पर परिसीमन होता है तो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को उनकी आबादी के अनुपात में अधिक सीटें मिल सकती हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार इन वर्गों को उनका उचित प्रतिनिधित्व देने के बजाय अपने राजनीतिक फायदे को प्राथमिकता दे रही है।

खरगे ने कहा कि परिसीमन विधेयक में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हितों का ध्यान नहीं रखा गया है। संविधान के अनुच्छेद 330 के तहत लोकसभा में इन वर्गों के लिए आरक्षित सीटों की व्यवस्था है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर इन वर्गों की सीटों में वृद्धि होनी चाहिए, लेकिन प्रस्तावित विधेयक में इसका कोई प्रावधान नहीं है।

काशी तमिल संगमम् का आयोजन भारत की सनातन परम्परा का उत्सव बना, जहां भाषाएं अलग-अलग, लेकिन भाव एक: मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका

लखनऊ। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी0पी0 राधाकृष्णन जी ने आज जनपद वाराणसी में काशी तमिल संगमम्-5.0 का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति जी तथा मुख्यमंत्री जी ने आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान द्वारा सन्त तिरुवल्लुवर द्वारा रचित ग्रन्थ तिरुक्कुरल के सभी 1,330 दोहों के अनुवादित ग्रन्थों का डिजिटल विमोचन किया गया। ज्ञातव्य है कि काशी तमिल संगमम्-5.0 का आयोजन 28 नवम्बर से 12 दिसम्बर, 2026 तक किया जा रहा है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपराष्ट्रपति जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच से प्रारम्भ हुआ काशी तमिल संगमम् आज एक महान राष्ट्रीय आन्दोलन का रूप ले चुका है। काशी और तमिलनाडु का सम्बन्ध अत्यन्त प्राचीन और आत्मीय है। तमिल भाषी समाज के मन में काशी विश्वनाथ के दर्शन और काशी यात्रा की विशेष अभिलाषा रहती है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में काशी का स्वरूप अत्यन्त सुन्दर और व्यवस्थित हुआ है। उपराष्ट्रपति जी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का अभूतपूर्व विकास हुआ है। उत्तर प्रदेश पहले पतन की स्थिति में था, आज विकास के शिखर की ओर अग्रसर है। यह प्रदेश देश की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश निर्धारित समय से पहले एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। जिस प्रकार तमिलनाडु में श्री कामराज का स्थान रहा है, उसी प्रकार उत्तर प्रदेश के लिए योगी आदित्यनाथ जी हैं। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में अयोध्या में प्रभु श्रीराम मन्दिर के निर्माण के साथ रामराज्य की भावना को भी साकार किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि काशी तमिल संगमम् का आयोजन भारत की सनातन परम्परा का उत्सव बन गया है, जहां भाषाएं अलग-अलग हैं, लेकिन भाव एक हैं, परम्पराएं विविध हैं, लेकिन संस्कृति एक है। यही प्रधानमंत्री जी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत'



का लक्ष्य है। काशी तमिल संगमम् के पांचवें संस्करण की थीम 'तिरुक्कुरल पयिल्वोम' अर्थात 'तिरुक्कुरल का अभ्यास करें' रखी गई है। पिछली बार तमिल करकलम के माध्यम से उत्तर भारत के लोगों को तमिल सीखने का अवसर मिला था। इस बार तमिल की कालजयी ज्ञान परम्परा तथा उसके जीवन मूल्यों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2022 में काशी तमिल संगमम् का आयोजन एक प्रयोग के रूप में प्रारम्भ हुआ था, लेकिन आज यह एक आन्दोलन बन चुका है। पहले सैकड़ों अतिथि आते थे, आज हजारों विद्यार्थी, शिक्षक और शोधकर्ता इस धारा से जुड़ रहे हैं। यह संगम हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र किसी एक नक्शे से नहीं बनता, बल्कि उन पुलों से बनता है जो हृदय को हृदय से जो ?ते हैं। काशी में गंगा है और तमिलनाडु में कावेरी, लेकिन दोनों के तटों पर बहने वाले संस्कारों की धारा एक ही है। काशी तमिल संगमम् का आयोजन एक प्रयोग के रूप में प्रारम्भ हुआ था, लेकिन आज यह एक आन्दोलन बन चुका है। पहले सैकड़ों अतिथि आते थे, आज हजारों विद्यार्थी, शिक्षक और शोधकर्ता इस धारा से जुड़ रहे हैं। यह संगम हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र किसी एक नक्शे से नहीं बनता, बल्कि उन पुलों से बनता है जो हृदय को हृदय से जो ?ते हैं। काशी में गंगा है और तमिलनाडु में कावेरी, लेकिन दोनों के तटों पर बहने वाले संस्कारों की धारा एक ही दिखाई देता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस वर्ष लगभग 1000 उच्च शिक्षण संस्थानों को जोड़कर राष्ट्रीय छात्र सहभागिता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रत्येक संस्थान से एक-एक विद्यार्थी तिरुक्कुरल का अध्ययन, शोध और शैक्षणिक प्रस्तुति करेगा। तमिलनाडु के लगभग 50 शिक्षक उत्तर प्रदेश के विद्यालयों और महाविद्यालयों में आकर तिरुक्कुरल पढ़ाएंगे। तमिलनाडु से लगभग 1400 अतिथि काशी आएंगे और काशी के साथ प्रयागराज एवं अयोध्या का दर्शन करेंगे। इस प्रकार अतिथियों को एक यात्रा में आस्था, इतिहास और आधुनिक भारत के दर्शन का अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की सभ्यता में संगम का अर्थ केवल दो धाराओं का मिलना नहीं, बल्कि मिलकर एक बड़ी धारा को आगे बढ़ाना है। प्रयागराज में गंगा और यमुना के संगम से तीर्थराज का निर्माण होता है, जहां महाकुम्भ का आयोजन होता है। उसी प्रकार काशी में गंगा की ज्ञान परम्परा जब तमिल की अमृत परम्परा से मिलती है तो भारत राष्ट्र का चैतन्य जागृत होता है। काशी और तमिलनाडु भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की दो प्राचीन और शाश्वत धाराएं हैं। दोनों ने सदियों से एक-दूसरे की परम्पराओं, आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तमिलनाडु में तेन काशी अर्थात दक्षिण की काशी इस आत्मीय सम्बन्ध का जीवन्त प्रमाण हैं। कहा जाता है कि 15वीं शताब्दी में पांड्य नरेश आदि पराक्रम पांड्य ने वहां काशी विश्वनाथ मन्दिर का निर्माण कराकर दक्षिण की धरती पर काशी की आध्यात्मिक चेतना को प्रतिष्ठित किया। महर्षि अगस्त्य, जिन्होंने तमिल व्याकरण के प्रथम ग्रन्थ 'अगतयम' की रचना की, उनकी तपस्या की स्मृति आज भी काशी के अगस्त्य कुण्ड में जीवित है। महर्षि अगस्त्य द्वारा रचित आदित्य हृदय स्तोत्र भगवान सूर्य की स्तुति है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सन्त तिरुवल्लुवर के छन्द सम्पूर्ण मानवता के जीवन दर्शन को प्रस्तुत करते हैं। तिरुक्कुरल के तीन खण्ड अरम, पोरुल और इनबम अर्थात धर्म, अर्थ और काम भारत की सनातन परम्परा के मूल आधार हैं। तिरुक्कुरल का पहला ही सूत्र अक्षरमाला के प्रथम अक्षर 'अ' के माध्यम से सृष्टि के आदि स्रोत की ओर संकेत करता है। यह उपनिषदों और श्रीमद्भगवद्गीता में व्यक्त सनातन चिन्तन से जुड़ने वाला भाव है। तिरुवल्लुवर कहते हैं कि जन्म से सभी समान हैं, भेद केवल कर्म से होता है। यही विचार श्रीमद्भगवद्गीता और भारतीय शास्त्रों में भी व्यक्त किया गया है। 'जन्मना जायते शूद्र: कर्मणा द्विज उच्यते' तथा 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का चिंतन भी इसी भाव को प्रकट करता है। सामाजिक न्याय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के महापुरुषों के दर्शन में भी यही विचार

शेष पृष्ठ 3 पर

एससी-एसटी समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की व्यवस्था करे केन्द्र सरकार : मायावती

इस पर केन्द्र सरकार अभी भी सहानुभूतिपूर्वक विचार कर ले तो यह ज़रूर ही उचित व न्यायपूर्ण भी होगा।



एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के केन्द्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। साथ ही उन्होंने एससी-एसटी समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की व्यवस्था की मांग की है।

बसप प्रमुख मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि बसपा ने शुरू से ही देश में सर्वसमाज की महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा सहित उन्हें राजनीति में भी उचित अवसर दिये जाने की पक्षधर रही है। वह समय-समय पर इसकी मांग भी करती रही है। इस बारे में केन्द्र सरकार के ताजा फैसले का उन्होंने स्वागत किया और कहा है कि अच्छा बल्कि ऐतिहासिक होता अगर सदियों से शोषित-पीड़ित व उपेक्षित रहीं खासकर एससी व एसटी समाज की महिलाओं को इसी में ही अलग से आरक्षण देने की व्यवस्था की जाती। ताकि संकीर्ण, जातिवादी, धन व बाहुबल आदि से ग्रसित यहां की चुनावी राजनीति में उन्हें भी सही से भाग लेकर थोड़ा आगे बढ़ने का मौक़ा मिल जाता तो यह निश्चय ही देश व जनहित की बेहतर बात होती। इस पर केन्द्र सरकार अभी भी सहानुभूतिपूर्वक विचार कर ले तो यह जरूर ही उचित व न्यायपूर्ण भी होगा। मायावती ने आगे कहा कि, वैसे देश की लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभा में मौजूदा सीट संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि आदि से सम्बंधित तीन विधेयकों तथा तत्सम्बंधी परिसीमन निर्धारण करने के दौरान में सीटों की सीमा तय करने में गड़बड़ी करके राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ की पूर्ति करने का आरोप कोई नई बात नहीं है। वास्तव में जो भी पार्टी केन्द्र की सत्ता में रहती है वह ऐसे अधिकतर मामलों में देश व जनहित की परवाह कम तथा पार्टी स्वार्थ को अधिक महत्व देती है, जो किसी से भी छिपा हुआ नहीं है।

दिल्ली के बिंदापुर में तीसरी मंजिल से फेंका गया एलपीजी सिलेंडर एक व्यक्ति पर गिरा, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के बिंदापुर इलाके में एक व्यक्ति और उसकी मां के बीच झगड़े के दौरान कथित तौर पर इमारत की तीसरी मंजिल से फेंका गया भरा हुआ एलपीजी सिलेंडर 30 वर्षीय एक व्यक्ति के सिर पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे तालाब वाला पार्क इलाके में हुई, जब साहिल इमारत के बाहर खड़ा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तीसरी मंजिल की बालकनी से अचानक सिलेंडर गिरा और साहिल के सिर पर जा लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोग उसे पहले पास के एक अस्पताल ले गए और बाद में दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना के सिलसिले में इमारत मालिक के भतीजे शिवम शर्मा को हिरासत में लिया है। आरोप है कि शर्मा ने अपनी मां के साथ बहस के दौरान बालकनी से सिलेंडर फेंका था। पड़ोसियों ने दावा किया कि शर्मा अक्सर शराब पीकर घर में हंगामा करता था, जिसकी शिकायत इमारत के मालिक से भी की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शुक्रवार शाम शर्मा और उसकी मां के बीच बहस हुई, जिसके बाद उसने गुस्से में आकर सिलेंडर नीचे फेंक दिया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि सिलेंडर जानबूझकर फेंका गया या झगड़े के दौरान गलती से गिर गया। साहिल अपनी पत्नी और एक साल के बेटे के साथ इमारत के भूतल पर किरायेदार के रूप में रहता था।

अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, 677 ग्राम ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान हरियाणा के जींद जिले के पिल्लूखेड़ा निवासी यश बिश्नोई (27) के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 656 ग्राम अफीम और 21 ग्राम एमडीएमए बरामद की गई है। बरामद मादक पदार्थों का कुल वजन 677 ग्राम है। क्राइम ब्रांच की एनआर-दो यूनिट को 25 नवंबर की शाम सूचना और गश्त के दौरान रोहिणी सेक्टर-34 स्थित यूईआर-दो सर्विस रोड पर एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। वह बवाना कैनाल ब्रिज की ओर से बैग लेकर आ रहा था। पुलिस टीम को देखकर वह भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके बैग से अफीम और एमडीएमए बरामद हुई। इस संबंध में क्राइम ब्रांच थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह 2016 से ट्रक चालक का काम कर रहा था। इसी दौरान उसे अफीम सेवन की लत लग गई। 2022 से वह बिहार के मुजफ्फरपुर से अफीम और एमडीएमए खरीदकर हरियाणा के जींद, रोहतक और दिल्ली से सटे सोनीपत के गांवों में सप्लाई करने लगा। पुलिस अब उसके ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है।

दिल्ली सरकार की बड़ी कार्रवाई, जनहित में बंद की गईं शराब की 23 दुकानें ; 52 और पर लगेगा ताला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने आम लोगों की सुविधा और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राजधानी के विभिन्न इलाकों में स्थित शराब की 23 खुदरा दुकानों (रिटेल वेंड्स) को बंद कर दिया है। इसके साथ ही प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करने वाली और जनजीवन को प्रभावित करने वाली 52 अन्य दुकानों को भी जल्द बंद करने की योजना तैयार की है।

कार्रवाई के मुख्य कारण

आबकारी विभाग (एक्साइज डिपार्टमेंट) द्वारा यह कदम मुख्य रूप से तीन कारणों से उठाया गया है। वे कारण हैं...

सार्वजनिक उपद्रव (पब्लिक न्यूसेंस)

कई दुकानों के बाहर असामाजिक तत्वों के जमावड़े और अव्यवस्था को लेकर स्थानीय निवासियों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

स्कूलों और धार्मिक स्थलों से नजदीकी

'दिल्ली आबकारी नियम, 2010' के तहत किसी भी शैक्षणिक संस्थान या धार्मिक स्थल के 100 मीटर के दायरे में शराब की दुकान नहीं खोली जा सकती। इन नियमों की अनदेखी करने वाली दुकानों पर गाज गिरी है।

एक ही जगह कई दुकानों की भीड़

एक ही इलाके या बाजार में आसपास कई दुकानें होने के कारण ट्रैफिक जाम और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, लोगों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए राजधानी में शराब की दुकानों के संचालन की समीक्षा की जा रही है। चिह्नित की गई 52 अन्य दुकानों पर भी जल्द ही इसी तरह की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

वक्फ बोर्ड भर्ती मामले में सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित अवैध नियुक्तियों के मामले में आम आदमी पार्टी के ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपियों के खिलाफ शनिवार को सुनवाई टल गई। राउज एवेन्यू जिला अदालत के विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह के अवकाश पर होने के चलते सुनवाई नहीं हो सकी। इस मामले में अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी। अदालत ने सभी 11 आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था। यह मामला 2016 से 2021 के बीच दिल्ली वक्फ बोर्ड में विभिन्न पदों पर हुई कथित अनियमित नियुक्तियों से जुड़ा है। उस समय अमानतुल्लाह खान बोर्ड के अध्यक्ष थे। सीबीआई का आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर निर्धारित भर्ती प्रक्रिया का पालन किए बिना रिश्तेदारों और परिचितों समेत 10 लोगों की नियुक्ति कराई। एजेंसी ने इसे आपराधिक साजिश का हिस्सा बताया है। सह-आरोपी महबूब आलम को बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त कराने का भी आरोप है।

महिला को 7 घंटे हिरासत में रखा और वजह भी नहीं बताई, दिल्ली HC ने पूछा- क्या झूठा कलंदरा बना? जांच का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाने में करीब सात घंटे तक हिरासत में रखे जाने और इसका आधार न बताए जाने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस को संबंधित थाने की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने पुलिस के विशेष आयुक्त से यह जांच करने को भी कहा है कि क्या महिला की हिरासत को सही ठहराने के लिए उसके खिलाफ झूठी निवारक कार्यवाही शुरू की गई थी।

निवारक कार्यवाही रद करने की मांग

याचिकाकर्ता योगिता ने याचिका में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 126 और 170 के तहत शुरू की गई निवारक कार्यवाही (कलंदरा) रद करने की मांग की है। धारा 126 शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा से जुड़ी है, जबकि धारा 170 संज्ञेय अपराध रोकने के लिए निवारक गिरफ्तारी का प्रावधान करती है। उसने हिरासत को गैर-कानूनी घोषित करने, मुआवजा देने और संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने की मांग भी की है। पुलिस के अनुसार, नौ अक्टूबर को गश्त के दौरान दिल्ली के मलका गंज इलाके में भीड़ जमा थी। आरोप है कि महिला पड़ोसियों को अपशब्द कह रही थी और लोगों को विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के लिए उकसा रही थी। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

सात घंटे हिरासत में रखने का आरोप

महिला का दावा है कि सादे कपड़ों में पांच पुलिस अधिकारी उसे यह कहकर थाने ले गए कि थाना प्रभारी शांति व्यवस्था के बारे में बात करना चाहते हैं। उसने आरोप लगाया कि करीब सात घंटे तक थाने में रखने के बावजूद हिरासत का कारण नहीं बताया गया। बाद में उसे विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश किया गया और एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

छह सप्ताह में आवेदन पर निर्णय का आदेश

याचिकाकर्ता के अनुसार, उसके खिलाफ कलंदरा झूठा और मनगढ़ंत है तथा हिरासत को सही ठहराने के लिए तैयार किया गया। एसईएम के समक्ष कार्यवाही लंबित है।

सीएम रेखा गुप्ता की अपील, फोन में सेव कर लें 181 और 112, संकट में यही नंबर आएंगे काम

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे अपने फोन में 181 (महिला हेल्पलाइन) और 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) नंबर सेव करके रखें और इन्हें अपने परिवार के सदस्यों के साथ भी शेयर करें।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके कहा कि इमरजेंसी के दौरान समय पर मदद मिलना सबसे जरूरी है और उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और सुरक्षित दिल्ली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने वीडियो संदेश में कहा, 'दो नंबर बता रही हूं। केवल याद नहीं रखना है, दिमाग में रट लेना है। आपको लगेगा कि आपको मालूम है पर संकट की घड़ी आती है, तो कुछ सूझता नहीं है। दिमाग में कुछ आता नहीं है। तब याद आता है कि 100 नंबर मिलाएं या 101 डायल करें, क्या करें, किसको बुलाएं, पुलिस को कैसे सूचित करें। ऐसे में ये दो नंबर याद कर लीजिए।'

उन्होंने बताया कि एक नंबर है 181, जो केवल महिला सहायता हेल्पलाइन है और दूसरा है 112, जो हर तरह की हेल्पलाइन है, जिसे आप एंबुलेंस के लिए, पुलिस के लिए या किसी भी इमरजेंसी मदद के लिए डायल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संकट में आपको या आप किसी और को देख रहे हो, तो ये नंबर अपने मोबाइल में इमरजेंसी नंबर के तौर पर सेव कर लो। उन्होंने कहा, 'शहर की हर बेटी की, हर महिला की सुरक्षा हमारी सुरक्षा, हमारी साझी जिम्मेदारी है।'

अक्सर लोग 100 या 101 जैसे पुराने नंबरों में उलझ जाते हैं। संकट के समय दिमाग काम करना बंद कर देता है। ऐसे में अगर 181 और 112 पहले से फोन में सेव होंगे, तो एक क्लिक में मदद मिल सकेगी। 181 नंबर खास तौर पर महिलाओं की मदद के लिए है। अगर कोई महिला किसी भी तरह की परेशानी, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा या असुरक्षा महसूस कर रही है, तो इस नंबर पर कॉल कर सकती है। वहीं, 112 एक यूनिवर्सल इमरजेंसी नंबर है। इस पर पुलिस, एंबुलेंस और फायर समेत किसी भी इमरजेंसी मदद के लिए कॉल किया जा सकता है।



दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने उत्तरी रेंज में चार नए ट्रैफिक बूथों का किया उद्घाटन, यातायात प्रबंधन और जनसुविधाओं को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की उत्तरी रेंज ने यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारु बनाने, सड़क सुरक्षा मजबूत करने और आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में 27 नवंबर 2026 को चार नवनिर्मित ट्रैफिक बूथों का उद्घाटन किया गया। इन बूथों का उद्घाटन संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) संजय त्यागी ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक जोन-1 विजयंत गोयल आर्य और डीसीपी ट्रैफिक, उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौजूद रहे।



नवनिर्मित ट्रैफिक बूथ डीटीयू, शाहबाद दौलतपुर, पल्ला रेड लाइट, जिंदपुर और मुकरबा चौक में स्थापित किए गए हैं। इनमें डीटीयू, शाहबाद दौलतपुर स्थित बूथ का निर्माण दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू), पल्ला रेड लाइट का दिल्ली जल बोर्ड तथा जिंदपुर का पाम ग्रीन और कार्निवल रिसॉर्ट्स के सहयोग से किया गया है। वहीं, मुकरबा चौक पर भी यातायात प्रबंधन और पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से बूथ स्थापित किया गया है।

इन बूथों के शुरू होने से संबंधित स्थानों पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्यस्थल और आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। इसके माध्यम से यातायात नियंत्रण, आम नागरिकों की सहायता, विभागीय समन्वय और यातायात संबंधी समस्याओं के समाधान में भी मदद मिलेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की उत्तरी रेंज की यह पहल विभिन्न संस्थानों के सहयोग से यातायात बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सड़कों पर सुरक्षित एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस पहल में सहयोग देने वाले सभी संबंधित संस्थानों का आभार व्यक्त किया है।

दिल्ली: 15 जनवरी से शुरू होने वाले डीडीए के चौथे 'पतंग उत्सव' में दुनिया भर की पतंगें शामिल होंगी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) 15 जनवरी, 2027 से यमुना किनारे 'बांसेरा' में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का आयोजन करेगा। इसमें 20 देशों की पतंगें और प्रतिभागी शामिल होंगे।

अधिकारी ने एक बयान में कहा कि चौथा 'पतंग उत्सव 2027' डीडीए के उस विजन को आगे बढ़ाएगा जिसमें विरासत, संस्कृति और परंपराओं पर जोर दिया गया है। साथ ही, उपराज्यपाल और डीडीए के अध्यक्ष टीएस संधू ने सुझाव के अनुसार इसका उद्देश्य शहर के लोगों को हरे-भरे स्थानों के करीब लाना भी है।

बयान के अनुसार, इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में ऑस्ट्रेलिया, कोलंबिया, फ्रांस, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया और ट्यूनीशिया सहित कई अन्य देशों के पतंगबाज हिस्सा लेंगे।

यह आयोजन मकर संक्रांति के समय होगा। यहां आने वाले लोग 'बांसेरा' के ऊपर विशाल पतंगों को उड़ते हुए देख सकेंगे, विशेषज्ञ पतंगबाजों को कलाबाजी दिखाते हुए देख पाएंगे और खुद भी पतंग उड़ाने का आनंद ले सकेंगे।

डीडीए ने बताया कि इस कार्यक्रम में 100 से अधिक पतंगबाजों के शामिल होने की उम्मीद है। यहां आने वाले लोग विशाल हवा भरने वाली पतंगें, बेहतरीन पतंगबाजी और टीमों द्वारा किए जाने वाले शानदार प्रदर्शन देख सकेंगे।

भारतीय पतंगबाजों में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली और पुडुचेरी के प्रतिभागी शामिल होंगे।

आगंतुक पतंग उड़ाने वालों से मिल सकते हैं और पारंपरिक स्टॉलों से पतंग तथा सुरक्षित डोर खरीदकर पतंगबाजी का आनंद ले सकते हैं।

इस उत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में पतंगों के इतिहास और उनके महत्व को दर्शाने वाला एक मंडप होगा। बयान के अनुसार, यहां प्रदर्शित की जाने वाली चीजें बताएंगी कि कैसे अलग-अलग संस्कृतियों में पतंग बनाने की कला विकसित हुई है, पारंपरिक कागज की पतंगों और लड़ाकू पतंगों से लेकर आज के दौर के कलात्मक और खेल-कूद से जुड़े डिजाइनों तक।

एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी में अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सवों के दृश्य और रिकॉर्ड बनाने वाली पतंगों की तस्वीरें देखने को मिलेंगी।

आगंतुक पारंपरिक पतंग स्टॉलों से पतंग और डोर लेकर, पतंग उड़ाने के लिए तय की गई जगहों पर जा सकते हैं। यहां तीन शामें संगीत के नाम होंगी, जिनमें लाइव गायकों और संगीतकारों की प्रस्तुतियां, सूफी संगीत और कव्वाली तथा भारतीय लोक संगीत और फ्यूजन प्रस्तुतियां शामिल होंगी। उत्सव के दौरान कम से कम छह सांस्कृतिक समूहों द्वारा भी अपनी कला का प्रदर्शन करने की उम्मीद है। बयान में आगे बताया गया है कि परिवार यहां कम से कम 10 स्टॉलों वाले फूड कोर्ट का मजा ले सकते हैं, जबकि बच्चे मिट्टी के बर्तन बनाने, पेंटिंग, कठपुतली शो और टॉय ट्रेन की सवारी का आनंद ले सकते हैं। डीडीए ने अपने 'यमुना फ्लडप्लेन रेस्टोरेशन प्रोग्राम' (यमुना बाढ़ क्षेत्र पुनरुद्धार कार्यक्रम) के तहत 'बांसेरा' विकसित किया है, जो दिल्ली का पहला बांस-थीम वाला पार्क है। बयान के अनुसार, 'पतंग उत्सव' सर्दियों की एक जानी-पहचानी परंपरा को यमुना के किनारे लेकर आया है, जहां परिवार और आगंतुक खुले में अपना दिन बिता सकते हैं और पतंगबाजी में शामिल हो सकते हैं।

बिना नोटिस ढहाया था मकान, कोर्ट का दिल्ली सरकार को 3 लाख मुआवजा देने का आदेश; 15 साल बाद मिला इंसाफ

नई दिल्ली, एजेंसी।
बिना नोटिस और कानूनी प्रक्रिया का पालन किए किसी व्यक्ति को उसके मकान से बेदखल नहीं किया जा सकता। भले ही संबंधित जमीन सरकारी या ग्राम सभा की हो, लेकिन लंबे समय से काबिज व्यक्ति को हटाने के लिए कानून की प्रक्रिया अपनाना जरूरी है।

पटियाला हाउस स्थित जिला अदालत ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए रंगपुरी गांव में 15 वर्ष पहले एक व्यक्ति का मकान ढहाए जाने के मामले में दिल्ली सरकार, ग्राम सभा और एसडीएम को तीन लाख रुपये हर्जाना देने का निर्देश दिया है।

अदालत ने मुआवजे की राशि पर मुकदमा दायर करने की तारीख से भुगतान होने तक छह प्रतिशत सालाना ब्याज देने का भी आदेश दिया है।

बिना कानूनी प्रक्रिया बेदखली मनमानी

जिला न्यायाधीश साक्षी सेजवाल ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता जमीन का मालिकाना हक साबित नहीं कर पाया, लेकिन उसके लंबे समय से वहां रहने और कब्जे में होने के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद थे। ऐसे में उसे बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए बेदखल करना मनमाना था।

ग्राम सभा की जमीन पर भी कब्जे को संरक्षण

अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर माना कि संबंधित जमीन ग्राम सभा की थी और याचिकाकर्ता उसका मालिक नहीं था।

हालांकि, वर्ष 2005 की राजस्व संबंधी रिपोर्ट, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों से यह साबित हुआ कि वह तोड़फोड़ से पहले लंबे समय से जमीन पर काबिज था। अदालत ने कहा कि मकान, आजीविका और पशुओं के आश्रय का नुकसान हुआ है।

नई दिल्ली : पटेल नगर पुलिस की बड़ी कामयाबी, कुख्यात बदमाश बिट्टू कालिया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।
सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के पटेल नगर थाना पुलिस ने आनंद पर्वत थाना क्षेत्र के एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी का होंडा एविएटर स्कूटर, गहने और एक बटन वाला चाकू बरामद किया गया है। इस गिरफ्तारी से चोरी और सेंधमारी के कुल 9 मामलों का खुलासा हुआ है।

पटेल नगर थाना पुलिस की टीम ने रात की गश्त के दौरान शादीपुर फ्लाईओवर, बलजीत नगर के पास से आरोपी गौरव उर्फ बिट्टू कालिया (27 वर्ष) को पकड़ा। वह आनंद पर्वत थाना क्षेत्र का एक कुख्यात अपराधी (बैड कैरेक्टर) है।घटना का विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि 27 नवंबर 2026 को पटेल नगर थाना पुलिस की एक टीम, जिसमें कांस्टेबल संदीप और कांस्टेबल नवीन शामिल थे, इलाके में रात की गश्त कर रही थी।

इसी दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि बलजीत नगर के शादीपुर फ्लाईओवर के पास एक संदिग्ध अपराधी मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और संदिग्ध को पकड़ लिया। उसकी पहचान आनंद पर्वत थाना क्षेत्र के कुख्यात अपराधी गौरव उर्फ बिट्टू कालिया के रूप में हुई।

पकड़े जाने पर उसके पास से एक चाकू, चोरी का एक स्कूटर और गहने बरामद हुए। इसके बाद पटेल नगर थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 368/26 दर्ज की गई और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।

आरोपी की गिरफ्तारी के बारे में पुलिस ने बताया कि गौरव उर्फ बिट्टू कालिया, उम्र 27 वर्ष, निवासी आनंद पर्वत, दिल्ली है। वह आनंद पर्वत पुलिस स्टेशन का हिस्ट्रीशीटर और रिकॉर्डेड अपराधी है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने पटेल नगर थाना क्षेत्र में हुई कई चोरी और सेंधमारी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता कबूल की। आगे की जांच में उसकी गिरफ्तारी के साथ चोरी और सेंधमारी के कुल 9 मामलों का खुलासा हुआ है। मामले में आगे की जांच जारी है।

बरामदगी में चोरी की एक होंडा एविएटर स्कूटर, चोरी के गहने और एक बटन वाला चाकू शामिल है।

आपराधिक इतिहास के बारे में पुलिस ने बताया कि आरोपी गौरव उर्फ बिट्टू कालिया पहले भी चोरी और सेंधमारी के 14 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

यह ऑपरेशन पटेल नगर थाने की एक समर्पित टीम द्वारा चलाया गया। यह कार्रवाई पटेल नगर थाना एसएचओ की देखरेख और पटेल नगर एसीपी की समग्र निगरानी में पूरी की गई। टीम ने रात की गश्त के दौरान पूरी सतर्कता बरतते हुए एक गुप्त सूचना पर तुरंत कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही चोरी का सामान और एक अवैध हथियार भी बरामद किया गया।



दिल्ली के पहाड़गंज में नाबालिग ने कार से राहगीर को टक्कर मारी



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में कथित तौर पर एक नाबालिग द्वारा चलाई जा रही कार (स्कॉर्पियो) की टक्कर से 40 वर्षीय एक राहगीर घायल हो गया। इसके बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना आराम बाग इलाके में आंबेडकर मार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि घायल की पहचान स्थानीय पान-बीड़ी विक्रेता रमेश के रूप में हुई है। वह सड़क पर पैदल जा रहा था, तभी कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल हो गया, जिसके बाद उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पहाड़गंज थाने में दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि कार (स्कॉर्पियो) ने एक राहगीर को टक्कर मारी थी और चालक मौके से गायब था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'प्रारंभिक जांच में पता चला कि वाहन कथित तौर पर एक नाबालिग चला रहा था, जो दुर्घटना के बाद कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।' पुलिस को यह भी पता चला कि दुर्घटना में दो अन्य नाबालिगों को मामूली चोटें आईं। उनकी पहचान और चिकित्सकीय स्थिति की पुष्टि की जा रही है। अधिकारी ने कहा, 'अब तक किसी की मौत की खबर नहीं है।' अपराध जांच दल को मौके पर बुलाया गया और उसने दुर्घटनास्थल तथा वहां छोड़े गए वाहन का निरीक्षण किया। जांचकर्ता दुर्घटना से पहले हुई घटनाओं के क्रम का पता लगाने के लिए वाहन और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं। पुलिस कथित नाबालिग चालक की पहचान करने और उसका पता लगाने के प्रयास कर रही है। मामले की जांच जारी है।

शीशमहल और सेंट्रल विस्टा जनता के पैसे की बर्बादी : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास कथित शीशमहल के निर्माण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेंट्रल विस्टा परियोजना को दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने जनता के पैसे की बर्बादी का उदाहरण बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शीशमहल के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी को घेरती रही, लेकिन सत्ता में आने के करीब दो साल बाद भी केजरीवाल के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता अजय माकन ने मई 2023 में तत्कालीन उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर फ्लैगस्टाफ रोड स्थित सरकारी आवास के नवीनीकरण और विस्तार पर करीब 171 करोड़ रुपये खर्च होने का आरोप लगाया था। इसमें अधिकारियों के आवास स्थानांतरित करने और मुआवजे का खर्च भी शामिल था। उन्होंने मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की थी। शीशमहल खोलने का फैसला राजनीति : यादव ने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शीशमहल को बड़ा मुद्दा बनाया था। कैग रिपोर्ट में भी निर्माण खर्च को लेकर सवाल सामने आए, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने शीशमहल को जनता के लिए खोलने के फैसले को भी राजनीतिक कदम बताते हुए इसे पंजाब विधानसभा चुनाव से जोड़कर भाजपा पर निशाना साधा।

आप पहले अपने पार्टी में दे महिलाओं को 50 फीसदी हिस्सेदारी : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि आम आदमी पार्टी को महिला आरक्षण पर सवाल उठाने से पहले अपनी पार्टी में महिलाओं को 50 फीसदी हिस्सेदारी देनी चाहिए। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के बयान को राजनीति से प्रेरित बताते हुए आप पर महिलाओं के शोषण और अपमान का आरोप लगाया। कपूर ने कहा कि आंदोलन के समय आप से जुड़ी कई महिला नेता आज पार्टी छोड़ चुकी हैं। उन्होंने किरण बेदी, शाजिया इल्मी और अंजलि दमानिया का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि पार्टी में महिला नेतृत्व को पर्याप्त सम्मान और स्थान नहीं मिला। संगठन और सरकार में भी आप के पास गिने-चुने महिला चेहरे हैं।

परिसीमन पर भी किया पलटवार : भाजपा प्रवक्ता ने परिसीमन को समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने वाली लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताते हुए हेराफेरी के आरोप खारिज किए। साथ ही सौरभ भारद्वाज को महिला आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति बंद करने की नसीहत दी।

काशी तमिल संगमम् का आयोजन भारत की सनातन परम्परा का उत्सव बना, जहां भाषाएं अलग-अलग, लेकिन भाव एक: मुख्यमंत्री

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिसे उन्होंने रावण से युद्ध करने से पहले मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम को सुनाया था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने भारत के चारों कोनों में चार पीठों की स्थापना कर सम्पूर्ण भारत को सांस्कृतिक एकात्मता के सूत्र में बांधने का अद्भुत कार्य किया। जगद्गुरु रामानुजाचार्य जी ने दक्षिण से चलकर भक्ति की धारा को घर-घर तक पहुंचाया। 17वीं शताब्दी के संत कुमारगुरुपरर काशी आए और केदार घाट पर साधना की। उन्होंने श्री कुमारस्वामी मठ की स्थापना की। उनकी परम्परा में तमिलनाडु के तिरुप्पनन्दल में भी काशी मठ की स्थापना हुई। महाकवि सुब्रमण्य भारती ने काशी में रहकर शिक्षा प्राप्त की और यहीं उनकी राष्ट्रभक्ति की धारा और प्रखर हुई। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नट्टूकोट्टई चेट्टियार समाज लगभग 200 वर्षों से बाबा विश्वनाथ के पूजन की सामग्री पहुंचाने का कार्य कर रहा है। यह समाज हर वर्ष प्रयागराज के पावन त्रिवेणी संगम का जल लेकर रामेश्वरम स्थित श्री रामनाथस्वामी मन्दिर में अभिषेक करता है और वहां से कोटि तीर्थ का जल लेकर काशी में बाबा विश्वनाथ का अभिषेक करता है। आज भी काशी के केदार घाट, हनुमान घाट और हरिश्चन्द्र घाट पर तमिल संस्कृति जीवन्त रूप में विद्यमान है। इन्हें काशी का मिनी तमिलनाडु भी कहा जाता है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से अविनाशी काशी का स्वरूप बदल रहा है। भारत की नई संसद में स्थापित पवित्र सेंगोल तमिल परम्परा और सत्ता हस्तान्तरण का प्रतीक है। तमिल अधीनम के सन्तों के मार्गदर्शन में इसे संसद में स्थापित किया गया। यह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र का राजदण्ड भी तमिल परम्परा से सुशोभित है। मार्क ट्वेन ने काशी के बारे में कहा था कि यह इतिहास से भी पुरानी और परम्परा से भी प्राचीन नगरी है। यहीं तथागत बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया। भगवान पार्श्वनाथ ने यहां जन्म लिया। कबीर ने यहीं अपनी वाणी दी, सन्त रविदास ने समरसता का सन्देश दिया और तुलसीदास जी ने रामचरितमानस को जन-जन की भाषा में प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिस नगरी की गोद में हर भाषा, हर पन्थ और हर प्रदेश के लोग आते रहे हैं, जो ज्ञान, अध्यात्म, संगीत और शास्त्रार्थ की विश्व राजधानी बन सकती थी, वह स्वतन्त्र भारत में भी लम्बे समय तक उपेक्षित रही। यहां आस्था थी, लेकिन व्यवस्था नहीं थी। भीड़ थी, लेकिन सुविधा नहीं थी। अवसर थे, लेकिन उन्हें आगे ब?ाने के संकल्प का अभाव था। आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आस्था भी है और व्यवस्था भी है। काशी विश्वनाथ धाम भव्य, दिव्य और सुगम स्वरूप में विश्व के सामने है। धाम के लोकार्पण के बाद चार वर्षों में 26 करोड़ से अधिक श्रद्धालु बाबा के दरबार में आए। अत्यन्त आनन्द की बात है कि काशी आने वाले लगभग 70 प्रतिशत श्रद्धालु दक्षिण भारत से थे। श्रद्धालुओं के इस प्रवाह ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति दी है। अनुमान है कि इसके कारण 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हुआ है। नाविक, पुजारी, दुकानदार, गाइड, होटल कर्मी और प्रत्येक परिवार की रोजी-रोटी इससे जुड़ी है। यही डबल इंजन सरकार का मॉडल है, जहां आस्था के साथ आजीविका भी आगे बढ़ती है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि काशी में अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का विस्तार हो रहा है। रिंग रोड, फ्लाईओवर, वॉटर-वे, नमो घाट, अन्तरराष्ट्रीय स्टेडियम और रुद्राक्ष कन्वेंशन सेण्टर काशी के नए स्वरूप की पहचान बन चुके हैं। इसी वर्ष जुलाई में केन्द्र सरकार ने 25,000 करोड़ रुपये की लागत से दो एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी है, जिससे काशी की यात्रा का समय आधे से भी कम हो जाएगा। देश की पहली अर्बन रोपवे परियोजना भी काशी के यातायात को नया आयाम देने जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में काशी को चार स्तम्भों का वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। पहला स्तम्भ ज्ञान है, जिसकी साझेदारी बी0एच0यू0 और आई0आई0टी0 मद्रास के माध्यम से दिखाई देती है। दूसरा स्तम्भ अध्यात्म है। काशी, प्रयागराज और अयोध्या का त्रिकोण विश्व के सबसे बड़े स्पिरिचुअल सर्किट के रूप में उभर रहा है। तीसरा स्तम्भ कनेक्टिविटी है। एयर कनेक्टिविटी, रोड कनेक्टिविटी, रेल कनेक्टिविटी, रोपवे कनेक्टिविटी और रिवर कनेक्टिविटी के पांचों माध्यमों से काशी को जोड़ा गया है। चौथा स्तम्भ अर्थव्यवस्था है। हेरिटेज, हॉस्पिटैलिटी और हाईटेक कनेक्टिविटी के संगम से काशी को वैश्विक पर्यटन, ज्ञान और अर्थव्यवस्था का नया इंजन बनाना है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की पहल पर शुरू हुआ काशी तमिल संगमम् आज एक प्रमुख सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक पहल बन चुका है। भारत का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ब्रिटिश शासन से पहले भी विद्यमान था। काशी और रामेश्वरम के सम्बन्ध, आदि शंकराचार्य जी द्वारा चार धामों की स्थापना तथा शक्तिपीठों और ज्योतिर्लिंगों की परम्परा इसका प्रमाण हैं। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत विश्व की सबसे तेजी से ब?ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है। कार्यक्रम से पूर्व, उपराष्ट्रपति जी एवं मुख्यमंत्री जी ने श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर तथा श्री काल भैरव मन्दिर में दर्शन-पूजन किया। इस अवसर पर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री श्री अनिल राजभर, स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवीन्द्र जायसवाल, आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 दयाशंकर मिश्र 'दयालु', सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा, भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष श्री चामू कृष्ण शास्त्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

साइबर ठगों ने युवक के खाते से उड़ाये साढ़े तीन लाख रुपये, पीड़ति ने दर्ज कराई प्राथमिकी

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक बार फिर अपना जाल फैलाते हुए एक व्यक्ति के बैंक खाते से अनाधिकृत तरीके से 3.47 लाख रुपये की रकम पार कर दी। पीड़ति ने थाने में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार, वेव सिटी निवासी मोहित पराशर पुत्र जय भगवान के बैंक खाते से गत 9 नवंबर को 3 लाख 46 हजार 828 रुपये अनाधिकृत रूप से निकाल लिए गए। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ति ने तत्परता दिखाते हुए साइबर क्राइम की राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कराई, इसके बाद 10 नवंबर को उनके खाते में कुछ आंशिक राशि 44 हजार 298 रुपये वापस भी आये, हालांकि कई अन्य ट्रांजैक्शन भी दर्ज किए गए हैं। पीड़ति मोहित पराशर ने वेव सिटी थाने में लिखित शिकायत देकर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है, ताकि ठगी करने वाले इस गिरोह का पर्दाफाश हो सके। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल करके वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

क्रेडिट कार्ड बनवाने का झांसा देकर खाते से उड़ाए 2.95 लाख रुपये

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र में प्रताप विहार निवासी एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड से साइबर ठगों ने 2.95 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ति ने विजयनगर थाने में आरोपी के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराया है। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। सर्वोदय नगर सेक्टर-12 निवासी विवेक चोपड़ा के अनुसार, 24 अक्तूबर 2026 को सुबह करीब 11ः40 बजे उनके मोबाइल फोन पर एक कॉल आई थी। कॉलर ने अपना नाम मनोबर हुसैन बताते हुए खुद को आरबीएल बैंक के क्रेडिट कार्ड विभाग का कर्मचारी बताया और मौजूदा कार्ड के आधार पर दूसरा नया कार्ड बनवाने की बात कही। विवेक ने कार्ड बनवाने से मना करते हुए फोन काट दिया। इसके कुछ ही देर बाद उनके मोबाइल फोन पर बैंक से पैसे कटने के मैसेज आने लगे। ठगों ने पांच अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए उनके कार्ड से कुल 2.95 लाख रुपये निकाल लिए, जिसमें 10 रुपये, 10 हजार रुपये, 20 हजार रुपये, 9,500 रुपये और 2.56 लाख रुपये शामिल हैं। घटना के बाद पीड़ति ने तुरंत बैंक के एंटी फ्रॉड सेल से संपर्क कर कार्ड ब्लॉक कराया। संभव है कि आरोपी ने मोबाइल फोन हैकर करके इस पूरी घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने 14 नवंबर को केस दर्ज कर जांच निरीक्षक पंकज कुमार को सौंपी है। एसीपी उपासना पांडे ने बताया कि साइबर ठगी के मामलों में पुलिस पूरी सतर्कता से कार्रवाई कर रही है और आरोपी की तलाश जारी है। जिन खातों में रकम ट्रांसफर की गई है, उनको फ्रीज कराने की कार्रवाई शुरू करा दी गई है।

सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली फेक पोस्ट पर प्राथमिकी, एक्स हैंडल संचालक पर पुलिस का शिकंजा

गाजियाबाद। धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने और सांप्रदायिक तनाव फैलाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फेक पोस्ट वायरल करने के मामले में गाजियाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। यह रिपोर्ट साइबर क्राइम पुलिस थाना में 19 नवंबर 2026 को रात 9ः53 बजे दर्ज की गई है। एडीसीपी अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि 19 नवंबर 2026 को साइबर क्राइम कार्यालय में मौजूद उपनिरीक्षक विशाल कुमार को जानकारी मिली कि ञ्चड्डुड्ढड्ढ2030 नामक %एक्स% यूजर आईडी से एक आपत्तिजनक और फेक पोस्ट साझा किया गया है। यह पोस्ट शाम 7ः10 बजे के करीब एक यूआरएल के माध्यम से डाला गया था, जिसमें अज्ञात स्थान पर एकत्रित हजारों लोगों की भीड़ का वीडियो दिखाया गया। पोस्ट में गाजियाबाद में आरएसएस के सदस्यों द्वारा सड़क पर निकलने और हथियारों के साथ जामिया मस्जिद को घेरने तथा भीतर मौजूद कई लोगों के घायल होने का दावा करते हुए अंग्रेजी में भड़काऊ संदेश लिखा गया था। पुलिस के मुताबिक, यह पोस्ट पूरी तरह फेक और आपत्तिजनक है, जिससे समाज में धार्मिक विद्वेष फैलने, आक्रोश बढ़ने और शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल आशंका पैदा हुई।

NAME CHANGE

I hitherto known as RENU D/O GOPAL DAS R/O H NO. A-165 KH NO 22/17 A BLOCK, GALI NO 1 HARDEV NAGAR,JHARODA MAJRA, BURARI, NORTH DELHI-110084 have changed my name after married to SOURABH BALWANI and shall hereafter be known as RENU BALWANI W/O SOURABH BALWANI R/O 7/105 SUBHASH NAGAR DELHI-110027

Lost & Found

We, Ramanjit Singh Chadha and Rita Chadha, r/o F42 Kalkaji New Delhi, have lost our original Allotment Letter and agreement for A167 Greenwood City, Gurugram. FIR lodged with Police No. 820140/2026 on 24/11/26. Finder may contact at above Address

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my Smt. Seema in respect of Built Up House No. 240, admeasuring 115 sq. yds. out of Khasra No. 59, Situated in the Old Lal Dora (1908-09) Abadi Deh, of Village Hamidpur, Delhi-110036 claiming to have undisputed ownership. Now my client intends avail loan facility and in which SMFG India Home Finance Company Limited will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, AMAN S/O NISHAR ALI R/O L-220, Gali No-4, sangam vihar, Deoli, PO: Deoli, DIST: South Delhi, Delhi-110062, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as NISAR ALI and NAGINA in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine and my father and my mother are NISHAR ALI and NAGEENA respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि सुनेजा प्रॉपर्टीज एंड बिल्डर्स (जिसके प्रोपराइटर श्री अनिल कुमार, पुत्र श्री कृष्ण लाल हैं) प्रॉपर्टी नंबर 21 के मालिक हैं। इस प्रॉपर्टी में ग्राउंड फ्लोर पर एक दुकान और दो कमरों का सेट शामिल है, साथ ही छत के अधिकार (रूफ राइट्स) भी हैं। यह प्रॉपर्टी खसरा नंबर 21/25/2 के अंतर्गत आती है और दिल्ली राज्य के रजापुर खुर्द गाँव में स्थित है। यह इलाका नई दिल्ली-110059 के उत्तम नगर, ब्लॉक-बी, R-III में मोहन गार्डन के नाम से जाना जाता है। मालिकाना हक 18.09.2025 की नोटरीकृत GPA, ATS (एग्रीमेंट टू सेल) और वसीयत के माध्यम से प्राप्त हुआ है, जिसे M/s S. संस इंडस्ट्रीज (जिसके प्रोपराइटर श्री मयंक, पुत्र श्री सुरेश कुमार है) द्वारा निष्पादित किया गया था। यह प्रॉपर्टी श्रीमती इशरत जहाँ को बेची जा रही है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (ऋण) दिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का इस प्रॉपर्टी पर कोई दावा, अधिकार, मालिकाना हक या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के जारी होने के 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

सर्राफा कारोबारी की दुकान से 65 ग्राम सोने के सिक्के पार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के डासनागेट बाजार स्थित एक सर्राफा दुकान से एक अज्ञात व्यक्ति लगभग 65 ग्राम वजन के सोने के सिक्के जेब में रखकर चुपचाप ले गया। चोर की करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई है। नगर कोतवाली ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एसीपी नगर कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि पीड़ति सर्राफ नरेंद्र वर्मा के मुताबिक, डासनागेट बाजार में उनकी श्रीराम ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। बताया कि 19 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 1ः30 बजे एक व्यक्ति उनकी दुकान पर आया। आरोपी गहने देखने के बहाने लगभग 65 ग्राम वजन के सोने के सिक्के देखे और देखते-देखते उन्हें अपनी जेब में रखकर चुपचाप वहां से निकल गया। पीड़ति के मुताबिक, इस घटना की फोटो और वीडियो उनके पास मौजूद हैं। एसीपी ने बताया कि चोर की पहचान की जा रही है, जल्द ही आरोपी की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

NAME CHANGE

I, MD ADIL SHAKEEL S/O SHAKEEL AHMAD R/O O-66 NAFEES ROAD JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD AADIL.

NAME CHANGE

I SHWETA SINGHAL W/O SANJAY SINGHAL R/O N S 21, SECOND FLOOR, MIANWALI NAGAR PASCHIM VIHAR DELHI 110087 have changed my name to SWETA Permanently for all future Purposes

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती रूक्मणी पत्नी श्री केदार नाथ, निवासी मकान नं0 1, जी एफ, ब्लॉक/पॉकेट 7/12, सेक्टर 82, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, डी डी ए फ्रीहोल्ड आवासीय फ्लैट संख्या 17, क्षेत्रफल 72 वर्ग मीटर, एम आई जी, स्थित पॉकेट 7, सेक्टर 21, रोहिणी , नई दिल्ली 110086, के मालिक व काबिज कन्वेंस पत्र दिनांक 12.06.2008, दस्तावेज संख्या 11777, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 3027, पृष्ठ संख्या 184 से 185, सब रजिस्ट्रार 7, दिल्ली, व त्यागा पत्र दिनांक 18.062024, क्रमांक 2024/14/I/2656, बुक 1, वोल्यूम नं0 2814, पेज नं0 1-12, सब रजिस्ट्रार 6डी, दिल्ली, द्वारा मालिक व काबिज है। यह कन्वेंस डीड सब ? रजिस्टार आई एन ए, दिल्ली के अधिकारी द्वारा खो गई /इधर उधर हो गई थी। इसके खोने की रिपोर्ट दिल्ली के कोटला मुबारकपुर पुलिस स्टेशन में दिनांक 10.02.2009 में दर्ज कराई गई थी। इसके अलावे, मेरे मुवक्किल के पति की मृत्यु के बाद, उनके कानूनी वारिसों ने उक्त संपत्ति में अपना हिस्सा मेरे मुवक्किल के पक्ष में छोड़ दिया। जिसके बाद मेरे मुवक्किल उक्त पूरी सम्पत्ति के मालिक बन गए। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है।
वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती वंदना खंडेलवाल पत्नी मनोज कुमार को बेच रहे है जो आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा तृतीय तल, हंसालया बिल्डिंग, नं 15, बाराखंबा रोड, कनाट प्लेस, नई दिल्ली 110001, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है।यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

कर्ज में डूबे किसान ने आग लगाकर दी जान, गिरवीं रखी थी चार बीघा

बांदा। जसपुरा थाना क्षेत्र के आमारा गांव के मजरा कुटी डेरा में रविवार को किसान शिवकरन निषाद (65) की आग में जलकर मौत हो गई। मृतक के भाई ने कर्ज और आर्थिक तंगी से परेशान होकर खुदकुशी करने की बात कही है। उसके मुताबिक, तीन बेटियों की शादी के लिए शिवकरन ने कर्ज लिया था और चार बीघा जमीन तीन लाख रुपये में गिरवीं रख दी थी। हालांकि, पुलिस घटना को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। कुटी डेरा निवासी शिवकरन प्रधानमंत्री आवास योजना से बने मकान में अकेले रहते थे। रविवार को सुबह 11ः30 बजे के करीब वह आग की चपेट में आ गए। इससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वह भोजन करने के लिए करीब एक किलोमीटर दूर रामलाल डेरा स्थित पुराने घर जाते थे। वहां उनकी पत्नी गोदिया और बहू रहती थीं। मृतक के भाई जयकरण निषाद ने बताया कि शिवकरन तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थे। उनके तीन बेटियां और दो बेटे हैं। तीन बेटियों और एक बेटे की शादी हो चुकी थी। दोनों बेटे सूरत में रहकर मजदूरी करते हैं। जयकरण ने बताया कि बेटियों की शादी के लिए लिए गए कर्ज के चलते शिवकरन ने अपनी तीन बीघा जमीन तीन लाख रुपये में गिरवीं रख दी थी। आर्थिक तंगी के कारण वह अक्सर परेशान रहते थे। घटना की जानकारी मिलने पर बेटे घर लौट रहे हैं। शिवकरन की मौत से पत्नी गोदिया का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष सीपी तिवारी ने बताया कि घटना कैसे हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शराबी ने की पत्नी और तीन बच्चों को जिंदा जलाने की कोशिश

फरीदाबाद। पत्नी के साथ चल रहे विवाद से गुस्साए शराबी ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों को ज्वलनशील पदार्थ डालकर कमरे में जिंदा जलाने की कोशिश की। वह बाटा चौक के रामनगर स्थित अपनी पत्नी के किराए के कमरे पर पहुंचा और खिड़की से कमरे में ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगा दी। घटना के समय महिला अपने तीनों बच्चों के साथ सो रही थी। आग लगते ही चीख पुकार मच गई। जैसे-तैसे करके परिवार के लोगों ने आग बुझाई, लेकिन इसमें सात वर्षीय बच्चे का पैर झुलस गया। महिला ने बताया कि वह लगभग डेढ़ साल से अपने चारों बच्चों को लेकर पति से अलग लाल कोठी के पास किराये का मकान लेकर रह रही है। वह एक कोठी में आया का काम करके परिवार का खर्च चलाती है। रेणु ने बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी है और आए दिन शराब पीकर मारपीट करता था।

NAME CHANGE

I, PRIYAM Godiyal, S/o Smt. Pratibha Godiyal, R/O Flat No. 202, Third Floor, Tirupati Apartment, Shyam Vihar, Phase-2, Najafgarh, New Delhi-110043, hereby declare that the name of mine and my mother have been wrongly written as Priyam Barthwal and Pratibha Barthwal in my 10 and 12 CBSE MARKSHEET. The actual name of mine and my mother are Priyam Godiyal and Pratibha Godiyal respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, PRIYANSH Godiyal, S/o Smt. Pratibha Godiyal, R/O Flat No. 202, Third Floor, Tirupati Apartment, Shyam Vihar, Phase-2, Najafgarh, New Delhi-110043, hereby declare that the name of mine and my mother have been wrongly written as Priyansh Barthwal and Pratibha Barthwal in my 10 and 12 CBSE MARKSHEET. The actual name of mine and my mother are Priyansh Godiyal and Pratibha Godiyal respectively, which may be amended accordingly.

आवासीय प्लॉटों पर अवैध रूप से डंप किया जा रहा कचरा, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी क्षेत्र के तहत आवासीय प्लाटों पर अवैध रूप से भारी मात्रा में कचरा डंप किए जाने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस सम्बंध में पीड़ति शौकीन अली पुत्र कलुवा खां निवासी नालीपाड़ा, कस्बा मसूरी ने थाने में लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। पीड़ति शौकीन अली द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, मसूरी स्थित खसरा नंबर 493 के अंतर्गत उनकी और अन्य लोगों की भूमि/आवासीय प्लाट पर कुछ लोगों द्वारा मनमाने ढंग से कचरा गिराया जा रहा है। आरोप है कि संदीप दूबे, शाहनवाज और कांट्रैक्टर अतुल गर्ग समेत अन्य अज्ञात लोगों द्वारा लगभग 70 से 80 डम्पर (गाड़ी) कचरा कहीं से लाकर वहां डाला जा रहा है। पीड़ति का आरोप है कि आरोपियों ने प्लॉट्स के लिए हुई चारदिवारियों को भी तोड़ दिया है, खुले में भारी मात्रा में कचरा डालकर उसमें आग लगाई जाने के कारण आसपास के गांवों में संक्रामक बीमारियां फैलने का गम्भीर खतरा पैदा हो गया है, जिससे स्थानीय निवासियों और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है। रात के समय वहां कचरा डालने से मना करने पर आरोपी पीड़ति को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ति ने मसूरी पुलिस से मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपियों संदीप दूबे, शाहनवाज, अतुल गर्ग व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। एसीपी मसूरी सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि पीड़ति शौकीन की दी गई शिकायत के आधार पर आरोपीगण संदीप दूबे, शाहनवाज व अतुल गर्ग तथा अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जांच-पड़ताल करके वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि कुकरेजा हॉस्पिटल एण्ड हार्ट सेंटर प्रा॰ लि॰, सी-1, विशाल एन्कलेव राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27 संगठन के दस्तावेज अवधारण नीति के अंतर्गत सन् 2021 के मरीजो के मेडीकल रिकार्ड नष्ट करने जा रहा है। यदि इस वर्ष का कोई मरीज अपने रिकार्ड की कापी लेना चाहता है तो 011-45675000 पर फोन करें या 30 दिन के अंदर हॉस्पिटल में मिलें।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client 1. Mohd. Faizan S/o Mohd. Naeem, 2. Mohd. Javed S/o Mr. Maqbool Hasan 3. Mr. Asif S/o Mr. Maqbool Hussain & 4. Mohd. Atif S/o Mohd. Atiq are the owner of Freehold Residential Built-on Property No. 189, area measuring 150 Sq. Yds., i.e., 125.41 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 54/17, Situated in the area of Village Khureji Khas Abadi of J-Extn., Laxmi Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi 92., by virtue of Sale Deed dated 24.04.2025 Vide Doc. No. 2025/5/I/5686, in Book No. 1, Vol. No. 4482, on Pages No. 119-138, SR- VIIIA & Sale Deed dated 30.12.2025, Vide Doc. No. 2026/5/I/209, in Book No. 1, Vol. No. 5058, on Pages No. 177-196 SR VIII-A Delhi. in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Mrs. Ram Wati., (2) Death Certificate of Late Mr. Sadhu Ram Sharma, (3) Death Certificate of Late Mrs. Savita, (4) Death Certificate & SMC of Late Mrs. Sarla Devi., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and First Floor, area measuring 60 Sq. Yds., sold to Mohammad Rashid and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

PUBLIC NOTICE

NOTICE INVITING CLAIMS & OBJECTIONS FROM THE GENERAL PUBLIC

Notice is hereby given to the General Public at large that MR. PRAMOD KUMAR JAIN, S/o MR. RAM CHANDER JAIN, claims rights, title and interest in the immovable property more fully described hereinbelow, having acquired the same from MRS. HAR DEVI, W/o MR. CHANDER PAL, by virtue of Notarized General Power of Attorney (GPA), Agreement to Sell (ATS) and Will, all dated 23.09.2025, executed by MRS. HAR DEVI in favour of MR. PRAMOD KUMAR JAIN. PROPERTY DETAILS:
All that piece and parcel of a Residential Plot/House bearing Plot No. G-2542, admeasuring 100 Sq. Yds., out of Khasra No. 283 Mi, situated at Village Hakikatpur urf Khudabans, in the colony known as Block-G, Ram Park Extension, Pargana and Tehsil Loni, District Ghaziabad, Uttar Pradesh.
BOUNDARIES AS PER TITLE DOCUMENTS:
- East: Rasta 10 Ft. Wide
- West: Rasta 20 Ft. Wide
- North: Plot No. 2543
- South: Part of Plot

BOUNDARIES AS PER BANK TECHNICAL REPORT:
- East: Vacant Plot
- West: Property of Mr. Gautam
- North: Road 20 Ft. Wide
- South: Road 10 Ft. Wide

GEO-LOCATION: 28.7689° N, 77.2584° E.
The aforesaid MR. PRAMOD KUMAR JAIN, S/o MR. RAM CHANDER JAIN, has now proposed to sell and transfer his rights, title and interest in the aforesaid property in favour of MRS. NANDANI, W/o MR. SASHI BHUSHAN (PROPOSED PURCHASER). The Proposed Purchaser intends to avail financial assistance in the form of a housing loan from BAJAJ HOUSING FINANCE LIMITED for financing the proposed purchase and, in connection therewith, proposes to offer the aforesaid property as security by way of mortgage in favour of the said Financial Institution, subject to its due diligence, approval and completion of requisite legal formalities.
Accordingly, any person(s), individual(s), legal heir(s), claimant(s), bank(s), financial institution(s) or any other entity having or claiming any right, title, interest, ownership, share, claim, demand, lien, charge, mortgage, encumbrance, attachment, tenancy, lease, possession, dispute or any other claim or objection of whatsoever nature in, over or in respect of the aforesaid property, or having any objection to the proposed sale, transfer and/or creation of mortgage thereof, are hereby called upon to submit their written claims/objections, along with relevant documentary evidence in support thereof, to the undersigned within 07 (SEVEN) DAYS from the date of publication of this notice.
In the event no claim or objection is received within the aforesaid stipulated period, the proposed seller and purchaser may proceed further with the proposed transaction on the basis of the documents available, subject to independent verification of title, satisfaction of the concerned Financial Institution and compliance with applicable laws. Any claim or objection received thereafter shall be dealt with in accordance with law.
This notice is being issued to invite claims and objections from all concerned persons and to bring the proposed transaction to the knowledge of the General Public. All concerned are hereby requested to take notice accordingly.

एटीएस अफसर बनकर धमकाया, आतंकियों से बताए संबंध; ठगों के चंगुल से ऐसे बचे हकीम खुर्शीद

बरेली। सर्किट हाउस के पास दवाखाना संचालित करने वाले हकीम खुर्शीद ने शुक्रवार को साइबर थाने में शिकायत कर बताया था कि एक महिला ने उन्हें बुधवार को कॉल कर खुद को एटीएस का अधिकारी बताया। महिला व उसके साथियों ने उन्हें कभी एनआईए का चीफ बनकर तो कभी किसी और बहाने से 17 घंटे तक निगरानी में रखा। बताया कि सुहेल व शमीम नाम के दो आतंकी पकड़े गए हैं। उनसे पूछताछ में हकीम खुर्शीद का नाम सामने आया है। साइबर ठगों ने उनसे रकम खाते में भेजने के लिए कहा तो उन्होंने मैनेजर का नाम और सुबह बैंक खुलने की बात कहकर मजबूरी जता दी। सुबह दवाखाने पर न पहुंचने पर जब मैनेजर अकरम हकीम खुर्शीद के घर पहुंचे तो हकीम काफी सहमे हुए दिखे। संदेह होने पर दोनों साइबर थाने पहुंचे। यहां इंस्पेक्टर ने जब हकीम का फोन लेकर ठगों से बात की तो कॉल कट कर दी गई। एसपी क्राइम मनीष सोनकर ने बताया कि मामला पोर्टल पर दर्ज कर संबंधित आईडी ब्लॉक कराई गई है। पुलिस जल्दी ही पता कर लेगी कि कॉल कहां से की जा रही थी। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शालीमार गार्डन में कार सवार ने तीन जगह की फायरिंग, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाना क्षेत्र में कार सवार एक युवक ने रातभर तीन अलग-अलग स्थानों पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। आरोपी ने रात आठ बजे से सुबह 5ः15 बजे के बीच वारदातों को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने रात करीब आठ बजे शरद चौधरी की दुकान एस-38 के पास पहली बार गोली चलाई। इसके बाद रात 2ः15 बजे एस-11 के पास शरद चौधरी के घर के बाहर खड़ी कार को निशाना बनाकर

संक्षिप्त डायरी

सात फेरे लेने के बाद सलामी में फंसा मामला, रुपये नहीं गिन पाया दूल्हा; दुल्हन ने विदाई से किया इनकार

एजेंसी

पटना। सारण के मढ़ौरा में शादी के अगले दिन सलामी में मिले रुपये गिनने के दौरान दूल्हे से बार-बार गलती हुई। इस पर दुल्हन ने उसकी योग्यता पर सवाल उठाते हुए विदाई से इनकार कर दिया। पंचायत और पुलिस की मौजूदगी में समझौते के बाद बारात लौट गई। शादी की सभी रस्में पूरी हो चुकी थीं। दूल्हा-दुल्हन सात फेरे लेकर एक-दूसरे के साथ जीवन बिताने का संकल्प भी ले चुके थे। दोनों परिवारों में खुशी का माहौल था, लेकिन अगली सुबह एक रस्म के दौरान ऐसा विवाद हुआ कि शादी टूट गई। सलामी में मिले रुपये गिनने के दौरान दूल्हे से बार-बार गलती हुई तो दुल्हन ने उसकी योग्यता पर सवाल उठाते हुए विदाई से इनकार कर दिया। आखिरकार पंचायत और पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और बारात बिना दुल्हन के ही लौट गई। यह मामला सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव का है। जानकारी के अनुसार, मकेर थाना क्षेत्र के दादनपुर गांव निवासी वीरेंद्र मांझी के पुत्र राहुल कुमार की बारात शिवरात मांझी के घर पहुंची थी। द्वारपूजा से लेकर विवाह की अन्य रस्में और सात फेरे तक सब कुछ सामान्य तरीके से संपन्न हुआ। बताया जाता है कि अगली सुबह गांव की महिलाओं ने सलामी के तौर पर दूल्हे को रुपये दिए। इन रुपयों को गिनने की जिम्मेदारी दूल्हे को दी गई, लेकिन कई बार कोशिश करने के बावजूद वह सही रकम नहीं गिन सका। इस पर दुल्हन ने आपत्ति जताई। उसका कहना था कि जब दूल्हा रुपये गिनने में ही सक्षम नहीं है तो आगे चलकर घर-परिवार की जिम्मेदारियां कैसे संभालेगा। विदाई से किया इनकार, शुरू हुआ विवाद दुल्हन के इस फैसले के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। दुल्हन ने साफ तौर पर ससुराल जाने से मना कर दिया। इसके बाद शादी में दिए गए उपहार और अन्य सामान की वापसी को लेकर भी दोनों परिवारों के बीच बातचीत शुरू हो गई। मामले की सूचना मिलने पर डायल 112 और मढ़ौरा थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की मौजूदगी में स्थानीय सरपंच और पंचों ने दोनों पक्षों को बैठाकर समझौता कराने का प्रयास किया। काफी बातचीत के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति बन गई। इसके बाद वर पक्ष को दिए गए उपहार और अन्य सामान वापस कर दिए गए। समझौते के बाद शादी खत्म, बिना दुल्हन लौटी बारात समझौते के बाद दोनों पक्षों ने शादी समाप्त करने पर सहमति जताई। इस तरह सात फेरे लेने के बाद भी दूल्हा-दुल्हन का रिश्ता आगे नहीं बढ़ सका। दूल्हे राहुल कुमार को आखिरकार बिना दुल्हन के ही बारात लेकर अपने गांव लौटना पड़ा। घटना के बाद इलाके में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। शादी से पहले वर-वधू की शिक्षा, योग्यता और अन्य जानकारियों की पड़ताल को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, रुपये गिनने में हुई चूक से किसी व्यक्ति की संपूर्ण योग्यता का आकलन नहीं किया जा सकता, लेकिन इस मामले में यही बात वैवाहिक विवाद की बड़ी वजह बन गई।

थाने में अंचलाधिकारी पर जानलेवा हमला, गला दबाकर मारपीट; किसपर लगा आरोप, आगे क्या हुआ

एजेंसी

पटना। बक्सर के तिलक राय के हाता थाना परिसर में जमीन विवाद की सुनवाई के दौरान सिमरी के सीओ भगवती शंकर पांडेय पर हमला किया गया। आरोपी यशोदेव यादव ने कथित तौर पर उनका गला दबाने की कोशिश की। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बक्सर के तिलक राय के हाता थाना परिसर में जमीन विवाद को लेकर आयोजित सुनवाई के दौरान सिमरी के अंचलाधिकारी (सीओ) भगवती शंकर पांडेय पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। दोनों पक्षों के बीच विवाद सुलझाने के लिए हो रही बातचीत के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर सीओ के साथ मारपीट की और उनका गला दबाने की कोशिश की। घटना के बाद थाना परिसर में अफरातफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर आरोपी को पकड़ लिया। घायल सीओ को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मानिकपुर निवासी यशोदेव यादव के रूप में हुई है। भूमि विवाद में फैसले को लेकर था तनाव जानकारी के अनुसार, मानिकपुर गांव के रामबचन यादव और ओमप्रकाश यादव के बीच करीब 4 बीघा 16 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पिछले शनिवार को जनता दरबार में इस मामले की सुनवाई हुई थी। उस दौरान एक पक्ष की ओर से जमीन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर दूसरे पक्ष के समर्थन में निर्णय लिया गया था। साथ ही असंतुष्ट पक्ष को न्यायालय जाने की सलाह दी गई थी। इसी फैसले को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। गुरुवार की रात विवादित जमीन पर खेती करने की कोशिश किए जाने की सूचना प्रशासन को मिली। इसके बाद थानाध्यक्ष के आग्रह पर शुक्रवार को दोनों पक्षों को थाना बुलाया गया। यहां मामले को सुलझाने के लिए बातचीत की जा रही थी। थाना परिसर में बातचीत के दौरान सीओ ने दोनों पक्षों को कानूनी रास्ता अपनाने की सलाह दी। आरोप है कि इससे नाराज यशोदेव यादव ने सुनवाई से संबंधित कागजात फाड़ दिए और सीओ के साथ गाली-गलौज करते हुए उनका गला दबाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल बीच-बचाव किया और आरोपी को पकड़ लिया। आठ धाराओं में प्राथमिकी, जेल भेजने की तैयारी सीओ के लिखित आवेदन पर 27 नवंबर को तिलक राय के हाता थाना में कांड संख्या 126/26 दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की आठ धाराओं 126(2), 115(2), 352, 351(3), 132, 221, 324(2) और 109 के तहत आरोप लगाए गए हैं। थानाध्यक्ष रोहित कुमार ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लोहे का रॉड पड़ा था, चप्पल वहीं मिला; मौत की जगह पर युवक की हत्या के सबूत मिले

एजेंसी

पटना। मुंगेर में राष्ट्रीय राजमार्ग-80 के किनारे झाड़ी से 32 वर्षीय सुमित सिंह का शव बरामद हुआ। धारदार हथियार और पत्थर से हत्या की आशंका है। पुलिस ने उसके साथ रहने वाले अंजन कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। कासिम बाजार थाना क्षेत्र के बाजार समिति के समीप शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-80 के किनारे झाड़ी में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान दौलतपुर निवासी मनोज सिंह के 32 वर्षीय पुत्र सुमित सिंह के रूप में हुई है। युवक की धारदार हथियार और पत्थर से वार कर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक की चप्पल और एक लोहे की रॉड बरामद की है। वहीं, मृतक के साथ रहने वाले एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद सुमित घर से निकला था। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिवार वालों ने उसके मोबाइल पर फोन किया। इस दौरान फोन किसी दूसरे व्यक्ति ने उठाया। उसने बताया कि सफियासराय के पास उसे सुमित का मोबाइल गिरा हुआ मिला है। इसके बाद परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे। इसी बीच डायल-112 पर पुलिस को बाजार समिति के समीप झाड़ी में एक शव पड़े होने की सूचना मिली। सुमित की तलाश करते हुए परिजन सफियासराय थाना पहुंचे, जहां उन्हें शव मिलने की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचकर परिजनों ने शव की पहचान सुमित के रूप में की। उसकी पहचान होते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि सुमित की शादी महज एक साल पहले हुई थी। उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से मृतक की चप्पल और एक लोहे की रॉड बरामद की है। मृतक के साथ रहने वाले अंजन कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सोनू सूद अंकल, मुझे बचा लो...' डेढ़ करोड़ के इलाज के लिए दर-दर भटक रही मासूम की मां, अब अभिनेता से आस

एजेंसी

पटना। दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी टाइप-3ए से पीड़ित नेहा मांझी की मां ने अभिनेता सोनू सूद से मदद की गुहार लगाई है। इलाज के लिए महंगे इंजेक्शन की जरूरत बताई जा रही है, जिसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये है। आर्थिक तंगी से जूझ रहा परिवार बेटी के इलाज के लिए मदद की आस लगाए है। अंकल, मुझे बचा लो... मेरे मम्मी-पापा मेरा इलाज कराने में सक्षम नहीं हैं। प्लीज, मुझे बचा लो।' एक मासूम बच्ची की यह गुहार किसी का भी दिल पिघला सकती है। गंभीर बीमारी से जूझ रही नेहा मांझी ने अभिनेता सोनू सूद से मदद की अपील की है। नेहा की मां का कहना है कि उनके पास बेटी के



इलाज के लिए पैसे नहीं हैं। अब उन्हें सोनू सूद से ही आखिरी उम्मीद है, जो पहले भी जरूरतमंद लोगों की मदद कर चुके हैं। नेहा स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप-3ए नाम की दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से पीड़ित है। इस बीमारी के इलाज में इस्तेमाल होने वाले एक इंजेक्शन की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह इतनी बड़ी रकम जुटा सके। बेटी के इलाज के लिए मां दर-दर भटक रही है और सोशल मीडिया के जरिए अपनी फरियाद सोनू सूद तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है। क्या है नेहा की बीमारी, क्यों कमजोर होती हैं मांसपेशियां? स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) एक दुर्लभ आनुवंशिक न्यूरोमस्कुलर बीमारी है। इसमें मोटर न्यूरॉन्स प्रभावित होते हैं। ये तंत्रिका कोशिकाएं मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी से मांसपेशियों तक संकेत पहुंचाने का काम करती हैं। इनके प्रभावित होने से मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं और शरीर की गतिविधियों पर असर पड़ता है। एसएमए के अलग-अलग प्रकार होते हैं और लक्षणों की गंभीरता भी अलग हो सकती है। बेटी के इलाज के लिए मां ने खटखटाए कई दरवाजे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण नेहा का इलाज कराना मुश्किल हो रहा है। बच्ची की मां मदद की उम्मीद लेकर मोकामा विधायक अनंत सिंह के नदावां स्थित आवास भी पहुंची थीं। हालांकि, वहां शादी की व्यस्तताओं के चलते उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद परिवार ने विधायक से उम्मीद छोड़ दी। फिलहाल नेहा की मां बाढ़ स्थित स्थायी रैन बसेरे में रुकी हुई हैं। वह बेटी के इलाज के लिए लगातार मदद की कोशिश कर रही हैं। मां का कहना है कि बेटी की हालत देखकर वह बेबस महसूस करती हैं, लेकिन उसकी जिंदगी बचाने की उम्मीद में हर संभव दरवाजा खटखटा रही हैं। नेहा की मां ने रोते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से अभिनेता सोनू सूद से मदद मांगी है। उन्हें उम्मीद है कि सोनू सूद उनकी बेटी की पुकार सुनेंगे और इलाज में मदद के लिए आगे आएंगे। परिवार के लिए हर गुजरता दिन चिंता बढ़ा रहा है। मां अपनी बच्ची को गंभीर बीमारी से जूझते देख रही है और उसकी जिंदगी बचाने के लिए किसी मददगार की राह ताक रही है। नेहा की मां की अपील है कि उनकी बच्ची को इलाज का मौका मिले, ताकि वह भी दूसरे बच्चों की तरह स्वस्थ जीवन जी सके।

तेजस्वी यादव ने बताया क्यों बुलाई गई संसद की विशेष बैठक मोदी सरकार पर बोला हमला



एजेंसी

पटना। संसद के विशेष सत्र को लेकर बिहार की सियासत में बयानबाजी तेज हो गई है। तेजस्वी यादव ने इसके पीछे चुनावी रणनीति होने की आशंका जताई है। भाजपा ने उनके बयान पर पलटवार किया है। महिला आरक्षण, परिसीमन और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर नेताओं के बयानों ने राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया है। पटना में राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने संसद के आगामी विशेष सत्र को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर संसद की यह विशेष बैठक बुलाई गई है। परिसीमन विधेयक पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि राजद का पुराना स्टैंड पहले से सभी को पता है और पार्टी उसी पर कायम रहेगी। शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार को परिसीमन विधेयक पर आगे बढ़ने से पहले सभी राजनीतिक दलों को भरोसे में लेना चाहिए था। उनसे पूछा गया था कि क्या भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए महिला आरक्षण से जुड़े मुद्दे का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए कर सकता है। इस पर उन्होंने कहा कि संभव है कि चुनावों को देखते हुए ही संसद का विशेष सत्र बुलाया गया हो।

706 करोड़ रुपये से विकसित होंगे तीन नए औद्योगिक क्षेत्र, कितनी जमीन के अधिग्रहण को सरकार ने दी मंजूरी

एजेंसी

पटना। बिहार में उद्योगों को लेकर सरकार की नई पहल से राज्य की आर्थिक तस्वीर बदल सकती है। अब तक निवेश के रास्ते में सबसे बड़ी अड़चनों में शामिल जमीन की समस्या दूर करने की तैयारी है। तीन जिलों में होने वाली इस पहल से न सिर्फ कारोबार के नए रास्ते खुल सकते हैं, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए भी भविष्य की नई संभावनाएं बन सकती हैं। बिहार में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और नए उद्योगों के लिए जमीन उपलब्ध कराने की दिशा में सीएम सम्राट चौधरी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। नालंदा, समस्तीपुर और शेखपुरा में तीन नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए कुल 1,294.37 एकड़ जमीन के अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं पर 706.52 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार की ओर से बताया गया कि



नालंदा में 564.37 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके लिए 382.23 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, समस्तीपुर में 480 एकड़ जमीन के अधिग्रहण पर 261.92 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शेखपुरा में 250 एकड़ जमीन के लिए 62.37 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। तीनों जिलों में भूमि अधिग्रहण के लिए स्वीकृत कुल राशि 706.52 करोड़ रुपये है। उद्योगों को जमीन मिलने से निवेश की राह होगी आसान बिहार में औद्योगिक विकास के सामने जमीन की उपलब्धता लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। नए औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भूमि अधिग्रहण की मंजूरी से इस समस्या को दूर करने में मदद मिल सकती है। जमीन उपलब्ध होने पर निवेश करने वाली कंपनियों के लिए औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने का रास्ता आसान होगा। इससे राज्य में नए निवेश को आकर्षित करने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। कृषि आधारित उद्योगों को मिल सकता है बढ़ावा विशेषज्ञों का कहना है कि इन औद्योगिक क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना की संभावनाएं हैं। उद्योगों की स्थापना होने पर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। साथ ही, आसपास के क्षेत्रों में कारोबार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। भूमि अधिग्रहण की मंजूरी औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की शुरूआती प्रक्रिया है। इसके बाद जमीन का विकास, जरूरी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और उद्योगों की स्थापना जैसे चरण अहम होंगे। इन परियोजनाओं का वास्तविक असर निवेश और रोजगार पर तभी दिखाई देगा, जब औद्योगिक इकाइयां धरातल पर उतरेंगी।

इंदौर के लक्ष्मण 4000 किलोमीटर दूर बिहार क्यों आए? अब कहां-कहां जाएंगे

एजेंसी

पटना। 71 वर्षीय इंदौर निवासी लक्ष्मण नामदेव गणवीर 28 महीने 20 दिन से पैदल यात्रा कर चुके हैं। 4000 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय कर वे पितरों, शहीदों और हादसों में जान गंवाने वालों के पिंडदान के संकल्प पर निकले हैं। उम्र सिर्फ एक संख्या है, इसका उदाहरण कैमूर जिले के दुर्गावती में देखने को मिला। मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी 71 वर्षीय लक्ष्मण नामदेव गणवीर 28 महीने 20 दिन से पैदल यात्रा कर रहे हैं। इस दौरान वे अब तक 4000 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय कर चुके हैं। लक्ष्मण की यह यात्रा किसी सैर-सपाटे के लिए नहीं है। वे अपने पितरों, देश के लिए शहीद हुए जवानों और हादसों व आपदाओं में जान गंवाने वाले लोगों के पिंडदान के संकल्प के साथ निकले हैं। जुलाई 2024 में इंदौर से शुरू हुई उनकी यात्रा उज्जैन, देवास, सांची,



बागेश्वर धाम, चित्रकूट, प्रयागराज और वाराणसी होते हुए गया जी पहुंची। वहां उन्होंने विष्णुपद धाम में पिंडदान किया। अब वे काशी, अयोध्या और प्रयागराज की यात्रा पर हैं। गया से लौटते समय औरंगाबाद और रोहतास के रास्ते कैमूर पहुंचे हैं। इस यात्रा में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि लक्ष्मण अपनी पीठ पर करीब 30 किलो सामान लेकर चलते हैं। रास्ते में ढोल और घुंघरू भी बजाते हैं। वे रोजाना 15 से 20 किलोमीटर पैदल चलते हैं और शाम 5 बजे के बाद विश्राम करते हैं। बारिश, गर्मी, ठंड और जंगल-पहाड़ भी उनके हौसले को डिगा नहीं सके हैं। पेशे से कलाकार लक्ष्मण इंदौर में शादी-विवाह के कार्यक्रमों में ढोल बजाते हैं। उनकी पत्नी का निधन हो चुका है। परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं। उनका एक बेटा एलआईसी में कार्यरत है, जबकि एक बेटी शिक्षिका और दूसरी नर्स है। बच्चों ने उन्हें ट्रेन से यात्रा करने की सलाह दी थी

सड़क हादसे में छह साल के बच्चे की मौत, आरोपी कार चालक को छुड़ाने पर भड़के लोग

एजेंसी

पटना। अररिया के भैरोगंज में तेज रफ्तार कार की टक्कर से छह वर्षीय बच्चे की मौत के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम कर चालक को बंधक बना लिया। उसे छुड़ाने पहुंची पुलिस से झड़प में पांच पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस वाहन में आग लगा दी गई। नरपतगंज प्रखंड के भारत-नेपाल सीमा से सटे बसमतिया थाना क्षेत्र के भैरोगंज में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद स्थिति बेकाबू हो गई। तेज रफ्तार कार की टक्कर से छह वर्षीय बच्चे की मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते घटनास्थल पर तनाव की स्थिति बन गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने इंडो-नेपाल बॉर्डर रोड जाम कर दिया और कार चालक को पकड़कर बंधक बना लिया। चालक को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराने पहुंची पुलिस टीम को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, घटना में पांच



पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं, स्थानीय स्तर पर एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना भी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम बेला पंचायत के वार्ड संख्या नौ निवासी मो. रोजीत का छह वर्षीय पुत्र मो. अली इंडो-नेपाल सीमा सड़क के समीप था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ जुट गई। बच्चे की मौत से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने कार चालक रामकुमार मेहता को पकड़ लिया। चालक सुपौल जिले के वीरपुर थाना क्षेत्र के कोशकापुर का निवासी बताया गया है। सूचना मिलने पर बसमतिया थानाध्यक्ष सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसएसबी के जवान भी घटनास्थल पर मौजूद थे। पुलिस ने चालक को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान स्थिति बिगड़ गई। आक्रोशित लोगों ने पुलिसकर्मियों का विरोध करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में पांच पुलिसकर्मियों के घायल होने की पुष्टि की गई है।

कक्षा 6 से 10 तक के बच्चे कैसे समझेंगे संविधान 184 पन्नों की इस किताब में मिलेगी आसान जानकारी

एजेंसी

पटना। बच्चों को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से परिचित कराने के लिए एक नई शैक्षणिक पहल की गई है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी में जागरूक नागरिक बनने की समझ विकसित करना है। यह प्रयास स्कूलों में किताबी पढ़ाई के साथ-साथ संवैधानिक मूल्यों, जिम्मेदारियों और लोकतांत्रिक सोच को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संविधान को समझना अब स्कूली बच्चों के लिए पहले से आसान होगा। देश में पहली बार भारतीय संविधान का बाल संस्करण तैयार किया गया है। संविधान दिवस के मौके पर पटना में बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने इस विशेष पुस्तक का लोकार्पण किया। इसका मकसद बच्चों को संविधान



की बारीकियों, अधिकारों और कर्तव्यों से सरल भाषा में परिचित कराना है। फिलहाल यह पुस्तक हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित की गई है। लोकार्पण समारोह में शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान की मूल भावना, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी होनी चाहिए। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब लोग संविधान को केवल कानून की किताब नहीं, बल्कि अपने जीवन और व्यवहार का मार्गदर्शक मानेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों में शुरूआती दौर से ही संवैधानिक समझ विकसित करने की जरूरत है। इसी सोच के साथ इस पुस्तक को तैयार करने की पहल की गई। कक्षा छह से दसवीं के विद्यार्थियों के लिए तैयार हुई पुस्तक इस बाल संस्करण के संपादक पटना हाईकोर्ट के उप निबंधक राजेश कुमार दूबे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान को बच्चों के अनुकूल तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को देश की संवैधानिक व्यवस्था से जोड़ना है। पुस्तक में संविधान को कठिन कानूनी दस्तावेज के बजाय नागरिक जीवन के लिए उपयोगी मार्गदर्शक के रूप में समझाने की कोशिश की गई है। पुस्तक के सह-संपादक मुरली मनोहर श्रीवास्तव और संकेत साह ने बताया कि 184 पृष्ठों की इस पुस्तक को खासतौर पर कक्षा छह से दसवीं तक के विद्यार्थियों की समझ के अनुरूप तैयार किया गया है। हालांकि, इसका लाभ दूसरे आयु वर्ग के पाठक भी उठा सकेंगे। संविधान के कठिन शब्दों का अर्थ भी समझ सकेंगे बच्चे इस संस्करण में संविधान के विभिन्न भागों, अध्यायों और अनुच्छेदों के साथ मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य और नागरिकता जैसे विषयों को आसान भाषा में समझाया गया है। इसके अलावा संसद, न्यायपालिका और लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी गई है। पुस्तक के अंतिम हिस्से में प्रमुख संवैधानिक और कानूनी शब्दों की परिभाषा के साथ एक विशेष शब्द संग्रह भी शामिल किया गया है। इससे विद्यार्थियों को संविधान से जुड़े कठिन शब्दों का अर्थ समझने में आसानी होगी। अन्य भारतीय भाषाओं में भी आएगी पुस्तक सह-संपादकों के मुताबिक, फिलहाल इस पुस्तक का प्रकाशन हिंदी और अंग्रेजी में किया गया है। आने वाले समय में इसे अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने की तैयारी है, ताकि देश के अलग-अलग राज्यों के बच्चे अपनी मातृभाषा में संविधान को पढ़ और समझ सकें। पुस्तक तैयार करते समय संविधान की मूल भावना और संरचना को बरकरार रखने पर विशेष ध्यान दिया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, न्यायिक सेवा से जुड़े लोगों, शिक्षाविद आरके झा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

स्वराज ग्रीन पावर ने आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली ।

एकीकृत एथनॉल उत्पादक और चीनी विनिर्माता स्वराज ग्रीन पावर एंड फ्यूल लिमिटेड ने बाजार नियामक सेबी के पास अपने 1,100 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं।

इस प्रस्तावित आईपीओ में 800 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवर्तक रंजीतसिंह हिंदूराव नाइक निंबालकर 300 करोड़ रुपये के शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत बेचेंगे। नए निर्गम से प्राप्त 620.85 करोड़ रुपये का उपयोग मौजूदा कर्जों के भुगतान के लिए होगा, शेष सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में लगेगी।

कंपनी आईपीओ से पहले 160 करोड़ रुपये तक के निजी नियोजन पर भी विचार कर सकती है, जिससे नए शेयरों का आकार घट जाएगा।

महाराष्ट्र के सतारा में स्थित यह कंपनी एथनॉल उत्पादन और चीनी विनिर्माण का एकीकृत कारोबार करती है।

अदाणी समूह ने चालू वित्त वर्ष में 2.2 लाख करोड़ का निवेश किया

निवेश में 41 फीसदी की वृद्धि, घरेलू बाजारों से जुटाई जाएगी 70-75 फीसदी पूंजी

मुंबई ।

विविध कारोबारों में सक्रिय अदाणी समूह चालू वित्त वर्ष (2024-25) में अपने पूंजीगत व्यय में बड़ी वृद्धि करने जा रहा है। समूह ने इस अवधि में 2.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 41 प्रतिशत से अधिक है। समूह के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अदाणी समूह के पास सालाना 4.5 लाख करोड़ से 5 लाख करोड़ रुपये तक निवेश करने की वित्तीय क्षमता है, लेकिन परियोजनाओं को जमीन पर उतारने की क्रियान्वयन क्षमता फिलहाल सीमित है।

समूह अपनी कुल पूंजी जरूरतों का 70-75 प्रतिशत घरेलू पूंजी बाजार से जुटाने की योजना बना रहा है, फिलहाल 56 फीसदी हिस्सा यहीं से आता है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से धन जुटाने के लिए समूह वित्त वर्ष 2027-28 में डॉलर में सार्वजनिक बॉन्ड जारी करने पर विचार कर सकता है। समूह का कुल सकल कर्ज लगभग 3.2-3.3 लाख करोड़ रुपये है और शुद्ध कर्ज तथा कर-पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) का अनुपात 2.8-3 गुना है। उन्होंने कहा कि भारत के व्यापार समझौतों से समूह के हवाईअड्डा और बंदरगाह कारोबार को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा।

नेस्ले इंडिया पर ईपीएफओ की कार्रवाई, 36 लाख जमा करने का आदेश

2012-2019 के बीच भविष्य निधि संबंधी विसंगतियों पर लगाया गया जुर्माना

नई दिल्ली ।

मैगी, किटकैट और नेसकैफे जैसे लोकप्रिय उत्पाद बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से बड़ा झटका लगा है।

ईपीएफओ ने कंपनी को 2012 से 2019 के बीच भविष्य निधि (पीएफ) से जुड़ी विसंगतियों के लिए 36.36 लाख रुपए जमा करने का आदेश दिया है।

ईपीएफओ के मैसूर कार्यालय द्वारा जारी इस आदेश में कंपनी पर लगभग 20.09 लाख रुपए का हर्जाना और पेनल्टी भी शामिल है। यह आदेश कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 की धारा 7क्यू और धारा 14क्के तहत जारी किया गया है। धारा 7 क्यू पीएफ भुगतान में देरी पर ब्याज का प्रावधान करती है, जबकि धारा 14बी चूक या देरी पर पेनल्टी लगाने का अधिकार देती है।

नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि इस आदेश का उसके कारोबार या वित्तीय स्थिति पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है।

हालांकि, इस घटना ने नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों के भविष्य निधि से जुड़े नियमों के सही और समय पर अनुपालन के महत्व को एक बार फिर उजागर किया है। कंपनी ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह इस आदेश को चुनौती देगी या मांगी गई राशि जमा करेगी। ईपीएफओ का यह कदम पीएफ नियमों के पालन को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

उठापटक भरा रहा बीता सप्ताह, निवेशकों की धड़कनें तेज

आईटी और एचडीएफसी बैंक में भारी बिकवाली, कच्चे तेल ने भी बढ़ाई चिंता



मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसने निवेशकों को लगातार सस्पेंस में रखा। बेंचमार्क सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी ने एक ही सप्ताह में भारी गिरावट, मजबूत वापसी और फिर मुनाफावसूली के कारण महत्वपूर्ण गिरावट का अनुभव किया। यह सप्ताह बाजार की अंतर्निहित अस्थिरता को दर्शाता है, जहां शुरुआती झटके को आक्रामक खरीद से भरपाई किया गया, लेकिन अंततः बिकवाली का दबाव हावी रहा। सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए झटकेदार रही। सोमवार को शुरुआती मजबूत बढ़त कुछ ही मिनटों में काफूर हो गई और बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान में आ गए। दिन के उच्च स्तर से सेंसेक्स में 1,700 अंक से अधिक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, और यह 1.76 फीसदी की हानि के साथ 82,435.99 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 1.75 फीसदी गिरकर 25,349.65 पर समाप्त हुआ। धातु, बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में हुई तेज बिकवाली इस गिरावट का मुख्य कारण रही। मंगलवार को गुरुनानक जयंती के अवसर पर बाजार बंद रहे, जिसने निवेशकों को सोमवार की गिरावट से उबरने का एक दिन दिया। बुधवार को बाजार ने जोरदार वापसी की, और यह निवेशकों के लिए एक बड़ी राहत थी। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,502 अंक से अधिक उछलकर बंद हुआ, वहीं निफ्टी ने 25,800 का अहम स्तर पार कर लिया।

व्हाइट लेबल एटीएम को आरबीआई से सीधे कैश मिलेगा

कंपनियां अब एक बैंक पर निर्भर नहीं रहेंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने व्हाइट लेबल एटीएम (डब्ल्यूएलए) कंपनियों के लिए कैश आपूर्ति संबंधी नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इन नए निर्देशों से अब इन एटीएम ऑपरेटरों को नकदी भरने के लिए सिर्फ एक बैंक पर निर्भर नहीं रहना होगा, जिससे ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलने की उम्मीद है। नए नियमों के अनुसार व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर (निजी कंपनियां द्वारा संचालित एटीएम) अब सीधे आरबीआई के इश्यू ऑफिस और करेंसी चेस्ट से थोक में नकदी खरीद सकेंगे। इसके लिए उन्हें कम से कम एक लाख नोटों का पूरा भुगतान करना होगा और अपने एटीएम की लोकेशन की सूची प्रदान करनी होगी। पहले, ये कंपनियां केवल अपने प्रायोजक बैंक पर निर्भर करती थीं।

आरबीआई ने डब्ल्यूएलए ऑपरेटरों को अन्य वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से भी नकदी लेने की अनुमति दी है। वे अब एक से अधिक प्रायोजक बैंकों के साथ समझौता कर सकेंगे, जिससे नकदी की आपूर्ति में लचीलापन आएगा। नए नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि एटीएम में डाले गए नोटों के असली होने की जिम्मेदारी कैश सप्लाई करने वाले बैंक की होगी। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य व्हाइट लेबल एटीएम में नकदी की उपलब्धता को बढ़ाना और उनकी परिचालन दक्षता में सुधार कर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है।

टेलीकॉम कंपनियों को इंटर-कनेक्शन दरें सार्वजनिक करना अनिवार्य-ट्राई

30 फीसदी से अधिक बाजार हिस्सेदारी वाली कंपनियों पर लागू होगा नया नियम

नई दिल्ली ।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाने और सभी सेवा प्रदाताओं के लिए नेटवर्क तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में जारी संशोधित नियमों के तहत अब 30 प्रतिशत या उससे अधिक बाजार हिस्सेदारी रखने वाली दूरसंचार कंपनियों को अपनी इंटर-कनेक्शन दरों को सार्वजनिक करना अनिवार्य होगा। ये नियम उन कंपनियों पर लागू होंगे जिन्हें महत्वपूर्ण बाजार शक्ति (एसएमपी) वाला माना जाएगा।

एसएमपी का निर्धारण समायोजित सकल राजस्व, ग्राहकों की संख्या, वॉयस कॉल क्षमता और ट्रैफिक की मात्रा जैसे चार मानकों के आधार पर 30 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी होने पर किया जाएगा। ऐसे सेवा प्रदाताओं को एसएमपी घोषित होने के 30 दिनों के भीतर नियामक को अपना संदर्भ इंटर-कनेक्शन प्रस्ताव (आरआईओ) जमा करना होगा और मंजूरी के 15 दिनों के भीतर इसे अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करना अनिवार्य होगा। ट्राई का यह कदम रिलायंस जियो के 2015 में प्रतिद्वंद्वी कंपनियों द्वारा नेटवर्क पहुंच न दिए जाने की शिकायत जैसी अतीत की समस्याओं को दूर करने में मदद करेगा।

आरबीआई गवर्नर ने निर्यातकों को चेताया, एफटीए का पूरा लाभ नहीं उठा रहे एमएसएमई

भारत के केवल 20-30 फीसदी पात्र निर्यात ही टैरिफ रियायतों का लाभ उठा रहे, जबकि साझेदार देश 60-70 फीसदी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को चेतावनी दी कि वे देश के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से मिलने वाले लाभों का पूरा उपयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने घरेलू बाजारों से परे जाकर वैश्विक अवसरों को भुनाने और उत्पादों की गुणवत्ता में निवेश करने का आग्रह किया। मुंबई में एसएमई फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट समिट को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने कहा कि जहां भारत के केवल 20-30 प्रतिशत पात्र निर्यात ही एफटीए के तहत टैरिफ रियायतों का लाभ उठा रहे हैं, वहीं भारत को निर्यात करने वाले साझेदार देश इन समझौतों का उपयोग 60-70 प्रतिशत तक कर रहे हैं। उन्होंने इसे एक बड़ा छूटा हुआ अवसर बताया। आरबीआई गवर्नर ने एमएसएमई क्षेत्र से एफटीए प्रावधानों की बेहतर जानकारी हासिल करने और वैश्विक बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के लिए गुणवत्ता, मानकों तथा प्रमाणन में निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत का तेजी से बढ़ता एफटीए नेटवर्क एमएसएमई के लिए नए बाजारों तक पहुंच और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में शामिल होने के अवसर प्रदान करता है। हालांकि, मल्होत्रा ने एमएसएमई क्षेत्र को उपलब्ध कराए जा रहे ऋण में महत्वपूर्ण सुधार का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सितंबर 2026 को समाप्त 12 महीनों के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को बैंकों द्वारा दिया गया ऋण 27 प्रतिशत बढ़ा, जो बैंकिंग प्रणाली के कुल ऋण वृद्धि दर 19.4 प्रतिशत से काफी अधिक है। एमएसएमई क्षेत्र को दिया गया कुल बकाया ऋण सितंबर 2021 के 17.97 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर सितंबर 2026 में 42.89 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो लगभग 19 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाता है। आरबीआई गवर्नर ने स्वीकार किया कि ऋण अंतर (क्रेडिट गैप) कम हुआ है, लेकिन अब पहली बार ऋण लेने वाले उद्यमियों, सूक्ष्म इकाइयों, महिला-संचालित व्यवसायों तथा छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों की इकाइयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने छोटे व्यवसायों के लिए वित्तपोषण को आसान बनाने हेतु उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डाला। मल्होत्रा ने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से, आरबीआई ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए आवश्यक कोलैटरल-फ्री लोन की सीमा को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया है, जो 2010 के बाद पहला बदलाव है। बैंक मजबूत प्रदर्शन वाले उधारकर्ताओं के लिए इस सीमा को 25 लाख रुपए तक बढ़ा सकते हैं।

बिसलेरी ने एफएसएसएआई के दावों को नकारा,स्वतंत्र जांच में पानी खरा

नमूने में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पाए जाने के बाद मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी

नई दिल्ली ।

बोतलबंद पेयजल विनिर्माता बिसलेरी ने एफएसएसएआई के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें पश्चिम बंगाल से लिए गए उसके पानी के नमूने में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पाए जाने के बाद मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। कंपनी ने शनिवार को कहा कि दो स्वतंत्र प्रयोगशालाओं की जांच में उसका पानी गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाया गया है, और उसने एफएसएसएआई से नतीजों में अंतर की जांच करने का आग्रह किया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने जलपाईगुड़ी की एक विनिर्माण इकाई से लिए गए नमूने में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मौजूदगी के बाद बिसलेरी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को मंजूरी दी थी। यह नमूना 12 अगस्त, 2026 को प्रतिबंधित एक विशिष्ट बैच (पीबी201) का था। एफएसएसएआई के निर्देश पर बिसलेरी ने तुरंत इस बैच को बाजार से वापस मंगा लिया था। हालांकि, कंपनी ने उसी बैच के नमूनों की एफएसएसएआई से मान्यता प्राप्त दो अलग-अलग स्वतंत्र प्रयोगशालाओं में जांच कराई। इन दोनों स्वतंत्र जांचों में पाया गया कि नमूना कोलीफॉर्म बैक्टीरिया सहित सभी लागू खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा। बिसलेरी ने नियामक और अपनी स्वतंत्र जांच के निष्कर्षों में इस बड़े अंतर पर चिंता व्यक्त की है। कंपनी ने एफएसएसएआई से नमूना लेने की प्रक्रिया, परीक्षण पद्धति और प्रयोगशाला परिणामों में अंतर के लिए जिम्मेदार कारकों की गहन समीक्षा करने का आग्रह किया है।

बिसलेरी ने कहा है कि वह तथ्यों को स्थापित करने के लिए एफएसएसएआई के साथ पूरा सहयोग करेगी और उम्मीद है कि मामले का आकलन उद्योग पर लागू समान मानकों पर होगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की दिशा में अग्रसर- वाणिज्य सचिव

छोटे उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की पहल

जयपुर ।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पुष्टि की है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता लगातार जारी है। उन्होंने एक ऐसे लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में काम करने पर जोर दिया, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो। साथ ही, सरकार छोटे व्यवसायों को निर्यात के अवसरों से जोड़ने के लिए जिला स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। अग्रवाल ने बताया कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जहां भारत का 90 अरब डॉलर से अधिक का वस्तु निर्यात होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश निरंतर बातचीत के माध्यम से एक ऐसे एफटीए को अंतिम रूप देना चाहते हैं, जिससे आपसी व्यापार को बढ़ावा मिले।

हालांकि, उन्होंने समझौते के लिए कोई निश्चित समय-सीमा बताने में असमर्थता व्यक्त की, पर इस साल निर्यात बढ़ने और मजबूत व्यापारिक संबंधों पर संतोष जताया। सरकार छोटे व्यवसायों और उद्यमियों को निर्यात के अवसर तलाशने में मदद करने के लिए सक्रिय है।

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है रेपो रेट

होम लोन, कार लोन होंगे महंगे, महंगाई और मजबूत आर्थिक वृद्धि दर बन रहे वजह

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 4 दिसंबर को होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों पर बड़ा फैसला आ सकता है। ब्रोकरेज फर्म नोमुरा का अनुमान है कि केंद्रीय बैंक इस बार रेपो रेट में 0.25 फीसदी के बजाय सीधे 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकता है, जिससे यह बढ़कर 6 फीसदी तक पहुंच जाएगा। नोमुरा के अनुसार नवंबर में खाद्य वस्तुओं, खासकर अनाज और दालों की कीमतों में तेजी आई है, जिससे खुदरा महंगाई दर 6.4 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। यह आरबीआई के 6 फीसदी के लक्ष्य से अधिक है। इसके अलावा, मजबूत आर्थिक वृद्धि दर भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी का एक कारण बन सकती है। जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.5 फीसदी से ज्यादा रहने का अनुमान है, जो केंद्रीय बैंक के अनुमान से अधिक है।

इस संभावित बढ़ोतरी से होम लोन, कार लोन और अन्य कर्ज महंगे हो जाएंगे, साथ ही मौजूदा ईएमआई भी बढ़ सकती है। नोमुरा ने 0.50 फीसदी बढ़ोतरी की 60 फीसदी और 0.25 फीसदी बढ़ोतरी की 40 फीसदी संभावना जताई है। दिसंबर की इस बढ़ोतरी के बाद कुछ समय दरों में स्थिरता दिख सकती है, पर फरवरी या अप्रैल में 0.25 फीसदी की और वृद्धि की संभावना बनी रहेगी, जो महंगाई और आर्थिक स्थिति पर निर्भर करेगा। यह फैसला बॉन्ड बाजार और आम लोगों के लिए काफी अहम होगा।

अडानी ग्रुप की एविएशन में नई उड़ान, निवेश की तैयारी

सरकार से मांगी अनुमति, बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को भुनाने की रणनीति

नई दिल्ली ।

भारत के तेजी से बढ़ते एविएशन सेक्टर में अपनी मौजूदगी और मजबूत करने के लिए अडानी ग्रुप अब एयरलाइन कारोबार में निवेश की तैयारी कर रहा है। इसके लिए समूह ने सरकार से आधिकारिक अनुमति मांगी है, ताकि वह हवाई यात्रा की बढ़ती मांग का फायदा उठा सके। यह कदम देश के एविएशन मार्केट में एक बड़ा बदलाव ला सकता है। अडानी ग्रुप, जो पहले से ही देश के आठ प्रमुख हवाई अड्डों का संचालन करता है, अब एयरलाइन कंपनियों में निवेश करने की योजना बना रहा है। समूह ने इसके लिए सरकार से मंजूरी मांगी है। यदि यह मंजूरी मिल जाती है, तो अडानी ग्रुप किसी मौजूदा एयरलाइन में शेयर खरीद सकेगा या निवेश फंड के माध्यम से इस सेक्टर में पूंजी लगा सकेगा। अडानी ग्रुप के मुख्य वित्तीय अधिकारी ने इस रणनीति की पुष्टि करते हुए कहा है कि भारत में हवाई यात्रा की मांग में असाधारण वृद्धि देखने को मिल रही है। उनके मुताबिक भारत में 60 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं जिनमें हवाई यात्रा करने की क्षमता है और भविष्य में देश को प्रतिदिन लगभग 30,000 फ्लाइट्स की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान क्षमता से लगभग 10 गुना अधिक है। इतनी विशाल मांग को पूरा करने के लिए ज्यादा एयरलाइंस और बड़े पैमाने पर निवेश की जरूरत होगी, और अडानी ग्रुप इसी विकास में अपनी भूमिका निभाना चाहता है। हालांकि, समूह ने स्पष्ट किया है कि इसका मतलब अपनी खुद की नई एयरलाइन शुरू करना नहीं है। वर्तमान में, अडानी ग्रुप मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ और गुवाहाटी जैसे महत्वपूर्ण एयरपोर्ट्स का संचालन कर देश के कुल हवाई यात्रियों के एक चौथाई से अधिक हिस्से को संभालता है।

एयरपोर्ट के कारोबार में गहरी पकड़ होने के बाद अब एयरलाइन सेक्टर में निवेश की अनुमति मिलने पर समूह की पहुंच एविएशन के एक और महत्वपूर्ण हिस्से तक बढ़ जाएगी, जिससे उसकी एविएशन वैल्यू चेन और मजबूत होगी।

यूरोप की सबसे बड़ी टेक कंपनी एसएपी में 10,000 नौकरियों पर खतरा

जर्मन सॉफ्टवेयर दिग्गज एआई-फर्स्ट बिजनेस बनने को तैयार

नई दिल्ली ।

दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बढ़ता दखल अब रोजगार बाजार पर सीधा असर डाल रहा है। इसी कड़ी में जर्मनी की अग्रणी सॉफ्टवेयर कंपनी एसएपी अपने बिजनेस को एआई के हिसाब से ढालने की तैयारी में है, जिसके चलते उसके 10,000 कर्मचारियों की नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। यह कंपनी के वैश्विक कार्यबल का लगभग 9 प्रतिशत हिस्सा है, और यह कदम एआई को अपने कोर ऑपरेशंस में गहराई से एकीकृत करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। एसएपी अपने आप को एक एआई-फर्स्ट बिजनेस में बदलने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रही है। इसका अर्थ है कि कंपनी अपने सॉफ्टवेयर और सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का व्यापक उपयोग बढ़ाएगी, और इसके लिए उत्पादों को बनाने तथा बेचने के तरीकों में भी मूलभूत बदलाव किए जाएंगे। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नेतृत्व में, सभी विभागों से उन क्षेत्रों की पहचान करने को कहा गया है जहां कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विशेष रूप से उत्पाद विकास, इंजीनियरिंग और बिक्री (सेल्स) विभागों पर पैनी नजर है।

हालांकि, एसएपी ने अभी तक 10,000 पदों को खत्म करने का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह घोषणा आमतौर पर कंपनी के सालाना वित्तीय नतीजों के साथ जनवरी के आखिर में की जा सकती है। यह पहली बार नहीं है जब एसएपी इतने बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है; साल 2024 में भी कंपनी ने लगभग 10,000 कर्मचारियों को बाहर निकाला था, जिस पर 3 अरब यूरो (लगभग 3.3 अरब डॉलर) का खर्च आया था और इसे पूरा होने में एक साल से ज्यादा लगा था।

एटीएम से पैसे निकालने से पहले जानें अपने चार्ज!

अब बैंक बताएंगे कितने फ्री ट्रांजैक्शन बचे, अनचाहे शुल्क से बचाने की पहल

नई दिल्ली ।

यदि आप अक्सर एटीएम से नकदी निकालते हैं, तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियम आपके लिए महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं। नये नियमों के अनुसार बैंक अब ग्राहकों को उनके मासिक मुफ्त एटीएम लेनदेन की संख्या और सीमा पार होने पर लगने वाले संभावित शुल्क की जानकारी पहले से देंगे। यह कदम लेनदेन में अधिक पारदर्शिता लाने और ग्राहकों को अप्रत्याशित शुल्कों से बचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्रीय बैंक ने एटीएम और पीओएस से नकदी निकासी से संबंधित 2008 से 2022 के बीच जारी 17 पुराने सर्कुलर को समेटते हुए एक नया मास्टर डायरेक्शन जारी किया है। इसके तहत बैंकों को एक ऐसी प्रणाली स्थापित करनी होगी जो ग्राहकों को उनके फ्री ट्रांजैक्शन की स्थिति और अगली निकासी पर संभावित शुल्क के बारे में सूचित करे। इससे उपभोक्ता अपनी नकदी निकासी को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर पाएंगे और अपनी जरूरत के हिसाब से फैसले ले सकेंगे। मुफ्त लेनदेन की सीमा की बात करें तो आप अपने बैंक के



एटीएम से महीने में 5 बार तक मुफ्त निकासी कर सकते हैं। वहीं, अन्य बैंक के एटीएम से मेट्रो शहरों में 3 और गैर-मेट्रो शहरों में 5 बार तक मुफ्त लेनदेन की सुविधा मिलती है। सीमा पार होने पर, बैंक अधिकतम 23 रुपये प्रति लेनदेन (प्लस लागू कर) का शुल्क लगा सकते हैं। हालांकि, तकनीकी खराबी या एटीएम में नकदी न होने के कारण असफल हुए लेनदेन को मुफ्त ट्रांजैक्शन की सीमा में नहीं गिना जाएगा और इन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

भारतीय खाद्य संस्कृति पर आघातों से सुप्रीम कोर्ट चिन्तित



ललित गर्ग

भारत जैसे देश में यह चुनौती और गंभीर है, क्योंकि यहां भोजन केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, संस्कृति का हिस्सा है। हमारी परंपरा में 'जैसा अन्न वैसा मन' की धारणा रही है। भोजन को आयु, ऋतु, प्रकृति और श्रम के अनुरूप लेने की परंपरा थी। भारतीय रसोई में अनेक ऐसे खाद्य पदार्थ मौजूद हैं जिन्हें आज दुनिया 'सुपरफूड' कहकर खोज रही है।

भारत की पहचान केवल उसकी आध्यात्मिकता, विविधता और संस्कृति से नहीं, उसकी रसोई से भी होती है। हमारी रसोई में स्वाद के साथ स्वास्थ्य, ऋतु के साथ संतुलन और भोजन के साथ संस्कार जुड़े रहे हैं। दादी-नानी के हाथों का भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं था, वह परिवार की सेहत की पहली पाठशाला था। दाल, बाजरा, ज्वार, रागी, हरी सब्जियां, मौसमी फल, छाछ, अंकुरित अनाज, मसालों का संतुलित उपयोग और घर का ताजा भोजन भारतीय जीवन-पद्धति की ताकत रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में हमारी थाली धीरे-धीरे बदल गई है। स्वाद के नाम पर बाजार ने हमारी रसोई में प्रवेश किया और सुविधा के नाम पर पैकेट ने घर की कड़ाही को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। इसी बदलती खाद्य संस्कृति के बीच सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्देश एक महत्वपूर्ण चेतावनी की तरह सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने खाद्य पैकेटों पर फ्रंट-ऑफ-पैक पोषण लेबलिंग को मजबूत करने का निर्देश देते हुए कहा है कि अधिक शुगर, सैचुरेटेड फैट और नमक वाले उत्पादों पर अलग-अलग स्पष्ट चेतावनी चिह्न हों। न्यायालय ने 'टोटल शुगर' और 'सैचुरेटेड फैट' को प्रमुखता से दिखाने तथा 'हाई शुगर', 'हाई फैट और 'हाई साल्ट' जैसे स्पष्ट संकेत देने की दिशा में कदम उठाने को कहा है। उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है- उपभोक्ता को वह जानकारी सामने मिले, जिसे वह छोटे अक्षरों में खोजते-खोजते अक्सर छोड़ देता है।

यह फैसला केवल लेबल बदलने का फैसला नहीं है, यह उस सोच को बदलने का प्रयास है जिसमें चमकदार पैकेट देखकर भोजन की गुणवत्ता तय कर ली जाती है। आज बाजार में किसी उत्पाद का विज्ञापन उसकी पौष्टिकता से अधिक आकर्षक पैकेजिंग, स्वाद और सुविधा बेचता है। बच्चे रंगीन पैकेट से आकर्षित होते हैं, युवा त्वरित भोजन को जीवनशैली समझने लगे हैं और व्यस्त परिवारों के लिए डिब्बाबंद भोजन समय बचाने का आसान विकल्प बन गया है। समस्या तब पैदा होती है जब सुविधा धीरे-धीरे आदत और आदत बीमारी में बदल जाती है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि भोजन का अर्थ बदल रहा है। भोजन कभी जीवन को पोषण देने की प्रक्रिया था, अब वह तेजी से उपभोग की वस्तु बन रहा है। अधिक नमक, अधिक चीनी और अधिक वसा हमारे स्वाद की इंद्रियों को तो संतुष्ट कर सकते हैं, लेकिन शरीर की जरूरतों को नहीं। स्वाद की जीभ छोटी अवधि की खुशी चाहती है, जबकि शरीर दीर्घकालिक संतुलन मांगता है। बाजार ने हमारी जीभ को जीतने की कोशिश की है, अब हमें अपने विवेक को जीतना होगा।

भारत जैसे देश में यह चुनौती और गंभीर है, क्योंकि यहां भोजन केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, संस्कृति का हिस्सा है। हमारी परंपरा में 'जैसा अन्न वैसा मन' की धारणा रही है।



भोजन को आयु, ऋतु, प्रकृति और श्रम के अनुरूप लेने की परंपरा थी। भारतीय रसोई में अनेक ऐसे खाद्य पदार्थ मौजूद हैं जिन्हें आज दुनिया 'सुपरफूड' कहकर खोज रही है। बाजरा, जौ, दालें, तिल, मूंगफली, विभिन्न प्रकार के अनाज, सब्जियां और स्थानीय खाद्य परंपराएं हमारी अपनी विरासत हैं। विडंबना यह है कि जिन खाद्य पदार्थों की ओर दुनिया स्वास्थ्य के लिए लौट रही है, हम उन्हीं को छोड़कर अत्यधिक प्रसंस्कृत और पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की पहल को केवल उपभोक्ता अधिकार का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारतीय खाद्य संस्कृति के पुनर्जागरण के अवसर के रूप में देखना चाहिए।

सरकार की जिम्मेदारी भी यहां बहुत बड़ी है। खाद्य सुरक्षा का अर्थ केवल यह सुनिश्चित करना नहीं होना चाहिए कि उत्पाद खाने योग्य है, यह भी देखना होगा कि उपभोक्ता को उस उत्पाद के वास्तविक स्वास्थ्य प्रभाव की जानकारी आसानी से मिले। एफएसएसएआई को वैज्ञानिक, स्पष्ट और उपभोक्ता-केंद्रित नियम बनाने होंगे। केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं, उनका प्रभावी निरीक्षण और कठोर पालन भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट का निर्देश इसी दिशा में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत करने का अवसर देता है। लेकिन सारी जिम्मेदारी सरकार या अदालत की नहीं हो सकती। उपभोक्ता को भी अपनी थाली का प्रहरी बनना होगा। जिस प्रकार हम घर खरीदते समय कीमत, स्थान और गुणवत्ता देखते हैं, उसी प्रकार भोजन खरीदते समय उसके घटकों को देखना भी हमारी आदत बननी चाहिए। किसी पैकेट पर बड़ा 'हेल्दी' लिखा होना उसे स्वतः स्वस्थ नहीं बना देता। विज्ञापन स्वास्थ्य का प्रमाणपत्र नहीं है। असली प्रमाण उसके पोषण संबंधी विवरण और हमारी आवश्यकता के बीच संतुलन है।

बच्चों के मामले में विशेष सावधानी आवश्यक है। बच्चे विज्ञापन और पैकेजिंग से सबसे जल्दी प्रभावित होते हैं। यदि स्कूल के आसपास और डिजिटल माध्यमों पर अत्यधिक चीनी, नमक और वसा वाले खाद्य पदार्थों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाता रहेगा, तो स्वस्थ भोजन उनके लिए 'उबाऊ' और अस्वास्थ्यकर भोजन 'मजेदार' बन जाएगा। इसलिए स्कूलों को केवल पाठ्यपुस्तकों में स्वास्थ्य शिक्षा देने के बजाय कैंटीन और परिसर के आसपास उपलब्ध भोजन के माध्यम से भी स्वस्थ आदतें विकसित करनी होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों के आसपास ऐसे खाद्य पदार्थों और उनके विज्ञापनों पर नियंत्रण की दिशा में भी जोर दिया है। हमें यहां एक और क्रांतिकारी विचार पर काम करना होगा-'फूड लिटरेसी' को जनशिक्षा का हिस्सा बनाना। जिस तरह बच्चों को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल साक्षरता सिखाई जा रही है, उसी तरह उन्हें खाद्य साक्षरता भी सिखाई जानी चाहिए। बच्चे जानें कि शुगर क्या करती है, अधिक नमक क्यों नुकसान पहुंचाता है, संतृप्त वसा क्या है, पैकेट पर लिखे पोषण-लेबल को कैसे पढ़ना है और ताजा स्थानीय भोजन क्यों बेहतर विकल्प हो सकता है। एक जागरूक बच्चा केवल स्वयं स्वस्थ नहीं रहेगा, वह अपने परिवार की भोजन-आदत भी बदल सकता है। साथ ही भारतीय खाद्य संस्कृति को आधुनिक रूप देकर पुनर्जीवित करने की जरूरत है। स्वस्थ भोजन का अर्थ यह नहीं कि स्वाद छोड़ दिया जाए। भारत के पास स्वाद और स्वास्थ्य का अद्भुत संतुलन बनाने की हजारों वर्ष पुरानी क्षमता है। जरूरत है कि बाजरा, दाल, सब्जियों, पारंपरिक पेयों और स्थानीय व्यंजनों को आधुनिक प्रस्तुति, स्वच्छ पैकेजिंग और उचित मूल्य के साथ नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। हमें विदेशी खाद्य संस्कृति का विरोध नहीं, बल्कि अपनी समृद्ध खाद्य संस्कृति को इतना आकर्षक बनाना है कि भारतीय युवा उसे गर्व से अपनाए। इस दिशा में एक नया सामाजिक अभियान चल सकता है-'मेरी थाली, मेरी जिम्मेदारी।' परिवार सप्ताह में कम-से-कम कुछ दिन पैकेटबंद भोजन से दूरी बनाए, स्कूल स्वस्थ भोजन दिवस मनाएं, कार्यालयों में पौष्टिक भोजन को बढ़ावा मिले, सार्वजनिक संस्थान स्थानीय और पारंपरिक खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहित करें तथा मीडिया भोजन के विज्ञापन में केवल स्वाद नहीं, स्वास्थ्य की चेतना भी जगाए। खाद्य उद्योग को भी शत्रु मानने के बजाय जिम्मेदार भागीदार बनाया जाना चाहिए। मुनाफा कमाना उसका अधिकार है, लेकिन उपभोक्ता के स्वास्थ्य की कीमत पर मुनाफा कमाना सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मूलतः एक सवाल हमारे सामने रखा है-क्या हमारी सुविधा हमारी सेहत से बड़ी हो गई है? इसका उत्तर हमें सामूहिक रूप से देना होगा। अदालत ने पैकेट के सामने चेतावनी लगाने का रास्ता दिखाया है, लेकिन असली चेतावनी हमारे विवेक पर लिखी जानी चाहिए। यदि लाल निशान देखकर भी हम वही चीज खरीदते रहें, तो केवल लेबल बदलने से समाज नहीं बदलेगा। भारत की खाद्य संस्कृति को बचाने का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, बल्कि परंपरा और आधुनिक विज्ञान का सुंदर समन्वय करना है। हमें ऐसी खाद्य व्यवस्था बनानी होगी जिसमें किसान को सम्मानजनक बाजार मिले, स्थानीय भोजन को प्रतिष्ठा मिले, उद्योग को जिम्मेदारी का बोध हो, बच्चों को स्वस्थ विकल्प मिलें और उपभोक्ता को पूरी जानकारी मिले। देश की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद से नहीं, उसके नागरिकों की स्वस्थ सांसों से मापी जानी चाहिए। हमारी रसोई बची रहेगी तो हमारी संस्कृति बचेगी हमारी थाली स्वस्थ रहेगी तो हमारा भविष्य स्वस्थ रहेगा। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश इसलिए केवल पैकेट पर लगने वाला लाल निशान नहीं, बल्कि हमारी बदलती खाद्य आदतों के सामने लगा हुआ एक बड़ा सामाजिक आईना है। अब फैसला हमारे हाथ में है- हम उस आईने में खतरा देखकर अपनी आदत बदलते हैं या चेतावनी पढ़कर भी उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। समय आ गया है कि भारत 'जंक फूड की खपत' में नहीं, 'स्वस्थ भोजन की संस्कृति' में दुनिया का नेतृत्व करे। यही इस न्यायिक पहल की सबसे बड़ी और सकारात्मक परिणति हो सकती है।

संपादकीय

सेहत का रेड अलर्ट

भारत तेजी से मधुमेह, मोटापे और उच्च रक्तचाप के मरीजों की राजधानी बन रहा है। घर के स्वास्थ्यवर्धक खाने को तिलांजलि देकर चटपटा खाने का जुनून युवा पीढ़ी ही नहीं, पुरानी पीढ़ियों में भी नजर आ रहा है। दरअसल, चीनी व यूरोपीय शैली के खाद्य पदार्थों में तीखे नमक, चीनी तथा अधिक वसा के इस्तेमाल से चटपटे व्यंजन बनाने का जुनून आज भारतीयों के सिर चढ़कर बोल रहा है। खासकर बच्चे व नयी पीढ़ी के युवा इसके दीवाने हैं। लोक कल्याण का दम भरने वाली सरकारों की जन-स्वास्थ्य के प्रति अनदेखी के चलते जीवन शैली के तमाम रोग पनप रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी लेबल लगाने के निर्देश देने पड़े हैं। निस्संदेह, देश मे बढ़ते जन-स्वास्थ्य संकट के बीच कोर्ट की यह सार्थक पहल है। अदालत ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई को निर्देश दिया है कि जिन भी उत्पादों में चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक हो, उन पर अलग से लाल रंग की चेतावनी लगायी जाए। ऐसा करके कोर्ट ने कंपनियों की सुविधा के बजाय उपभोक्ताओं के 'जानने के अधिकार' को प्राथमिकता दी है। लेकिन एक बात तो साफ है कि नियामक संस्था खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण अपने दायित्वों के निर्वहन में नाकाम रही है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा है। जन स्वास्थ्य के लिये नुकसानदायक मात्रा में चीनी, नमक व वसा का मुद्दा सार्वजनिक विमर्श में होने के बावजूद एफएसएसएआई कई अलग-अलग प्रस्तावों के बीच उलझा रहा। इसमें स्टार 'रेटिंग सिस्टम' भी शामिल रहा है। जिसको लेकर विषय विशेषज्ञों की राय थी कि 'स्टार रेटिंग सिस्टम' से उपभोक्ताओं को स्वास्थ्य जोखिम के प्रति सचेत करने के बजाय, उनमें चयन को लेकर भ्रम बढ़ सकता है। सही मायने में ऐसे किसी निर्देश में स्पष्टता होनी बेहद जरूरी है। विडंबना है कि देश में अत्यधिक प्रोसेस्ड यानी अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत में भारी वृद्धि हुई है। इस तथ्य के बावजूद कि देश आज तमाम गैर-संचारी रोगों की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। फलतः भारत में मधुमेह, हाइपरटेंशन और मोटापे से करोड़ों लोग प्रभावित हुए हैं। ये रोग जीवनशैली की विसंगतियों से पैदा हुए हैं। विडंबना है कि सीधे खाने के लिये तैयार खाद्य पदार्थों, मीठे पेय पदार्थों और डिब्बाबंद स्नैक्स के लिये बेहद आक्रामक मार्केटिंग के जरिये बच्चों व युवाओं को लुभाया गया। फलतः जन-स्वास्थ्य के लिये एक बड़ा खतरा पैदा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट का पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में लाल चेतावनी चिन्ह लगाने का निर्देश समय की सख्त जरूरत है। इससे कंपनियां छोटे अक्षरों की आड़ में पोषण संबंधी जोखिमों को छिपा नहीं सकतीं। लाल चेतावनी पर उपभोक्ताओं का सीधा ध्यान जाएगा। रोजमर्रा के खान-पान की चीजों को चुनते समय, लोगों को जटिल पोषण तालिकाओं को समझने के लिये किसी विशेष ज्ञान या अतिरिक्त समय की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। वहीं जन-स्वास्थ्य की कीमत पर उद्योग जगत को मुनाफे की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।

साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

सोना सस्ता होने से गोल्ड लोन लेने वालों पर मुसीबत का पहाड़

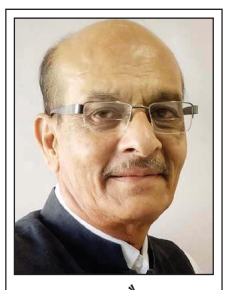

सनत जैन

पिछले 27 दिन में सोने की कीमतों में करीब 13.58 फीसदी की गिरावट आई है। गिरवी रखे सोने और गहनों पर अतिरिक्त रकम जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। भुगतान नहीं करने पर नीलामी का खतरा बढ़ गया है। भारत में सोना केवल आभूषण या निवेश का माध्यम नहीं है, करोड़ों परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का सबसे बड़ा सहारा है। जब परिवार पर अचानक आर्थिक संकट आता है, बच्चों की पढ़ाई की फीस भरनी होती है, इलाज कराना होता है, या पुराने कर्ज की किस्त चुकानी होती है, तब घर में रखा सोना काम आता है। लोग अपनी जरूरत के लिए सोने को गिरवी रखकर जरूरत पूरी करते हैं। अब यही आर्थिक सहारा कई परिवारों के लिए नई परेशानी का कारण बनता जा रहा है। पिछले 26 दिनों में सोने की कीमतों में लगभग 13.58 फीसदी की गिरावट, दूसरी तरफ गोल्ड लोन बढ़कर 8.15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का आंकड़ा वित्तीय व्यवस्था के सामने कई गंभीर सवाल खड़े करता है। सोने की कीमत घटने से बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए गिरवी रखे सोने का मूल्य कम हुआ है। ऐसे में कर्ज देने वाली संस्थाएं ग्राहकों से अतिरिक्त सोना या बकाया राशि जमा करने की मांग कर रही हैं। जिन परिवारों ने अपनी सोने के रूप में रखी पूरी बचत गिरवी रखकर कर्ज लिया है, उनके लिए यह स्थिति बेहद कठिन हो गई है। इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है, गोल्ड लोन का विस्तार केवल निवेश या कारोबार की जरूरतों मे नहीं हो रहा है। बड़ी संख्या में परिवार अपनी रोजमर्रा की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए सोना गिरवी रख रहे हैं। कई लोग पुराने कर्ज की किस्त चुकाने के लिए नया गोल्ड लोन ले रहे हैं। इसके अलावा अस्पतालों का खर्च, बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतें और शादी-विवाह जैसे सामाजिक दायित्व भी इसकी बड़ी वजह हैं। इसका अर्थ यह है, भारतीय परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है। वे अपनी संपत्ति को गिरवी रखकर वर्तमान जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

सीआरआईएफ की नवंबर 2026 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 तक देश में गोल्ड लोन का बकाया पोर्टफोलियो 23.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 60.6 फीसदी अधिक है। सक्रिय गोल्ड लोन खातों की संख्या 10.2 करोड़ हो गई है। जुलाई-सितंबर तिमाही में नए गोल्ड लोन का मूल्य 8.15 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 27.2 फीसदी की वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि इस दौरान लोन खातों की संख्या 4.1 फीसदी घटी है। इसके बावजूद भी औसत लोन की राशि 32.7 फीसदी बढ़कर 2.2 लाख रुपये हो गई। यानी कम खातों के बावजूद लोग पहले की तुलना में बड़ी रकम उधार ले रहे हैं। गोल्ड लोन का विस्तार अब बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रहा। सीआरआईएफ के आंकड़ों के अनुसार, छोटे शहरों और कस्बों में भी गोल्ड लोन की मांग तेजी से बढ़ रही है। महिलाओं के गोल्ड लोन खातों की संख्या बढ़कर 2.4 करोड़ पहुंच गई है। कुल गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में महिलाओं की हिस्सेदारी 42.2 फीसदी पर पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताता है, परिवारों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में महिलाओं के गहने भी बड़ी मात्रा में इस्तेमाल हो रहे हैं।

दक्षिण भारत के पांच राज्यों की हिस्सेदारी कुल बकाया गोल्ड लोन में लगभग 72 फीसदी है। दूसरे राज्यों में भी गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सोने की कीमतों में गिरावट का सीधा असर गिरवी रखे सोने के बदले दिए गए कर्ज पर पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने सोने की ऊंची कीमत के समय 1.50 लाख रुपये का लोन लिया था. अब गिरावट के कारण गिरवी रखे सोने का मूल्य कम हो गया है। इससे कर्जदाता के लिए जोखिम बढ़ जाता है। लोन और गिरवी रखे सोने के वर्तमान मूल्य के बीच का अनुपात बढ़ने से ग्राहक को अतिरिक्त भुगतान या अतिरिक्त सोना जमा करने के नोटिस शुरू हो गए हैं। हर बैंक या एनबीएफसी तत्काल अतिरिक्त भुगतान की मांग नहीं कर सकती है। यह लोन की शर्तों, निर्धारित लोन-टू-वैल्यू अनुपात और संबंधित नियमों पर निर्भर करता है। भुगतान नहीं होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्यवाही के पश्चात गिरवी रखे सोने की नीलामी हो सकती है। हालिया बाजार रिपोर्टों में गोल्ड लोन कंपनियों पर बढ़ते दबाव और नीलामी के अंदेशे का में उल्लेख किया गया है। गोल्ड लोन में लगातार बढ़ोतरी के साथ सबसे बड़ा खतरा यह है, जिन परिवारों की बचत धीरे-धीरे कर्ज के बोझ में बदल रही है। यदि सोने की कीमतें भविष्य में और भी गिरती हैं, जिन्होंने लोन लिया है उनकी आमदनी में सुधार नहीं होता है, तो कर्ज चुकाने की क्षमता प्रभावित होगी। इससे बैंकों और और लोन देने वाली कंपनियों के सामने वसूली तथा खराब कर्ज का जोखिम बढ़ सकता है। सरकार और रिजर्व बैंक के लिए भी यह समझना जरूरी है, गोल्ड लोन का विस्तार आर्थिक गतिविधियों में बदलाव का संकेत है, या घरेलू आर्थिक मजबूरी का परिणाम है। केवल कर्ज वितरण बढ़ने को वित्तीय सफलता नहीं माना जा सकता है। सरकार और रिजर्व बैंक को यह भी देखना होगा, लोग कर्ज लेकर रोजगार, कारोबार और आय बढ़ा रहे हैं, या पुराने कर्ज और घरेलू खर्च को पूरा करने लोन ले रहे हैं। अंततः सोने की कीमतों में गिरावट से सबसे ज्यादा नुकसान उन परिवारों को हो रहा है, जिनके पास संकट के समय गिरवी रखने के लिए यही एक संपत्ति थी। उन्हें अपने पारिवारिक गहने गंवाने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है, बैंक ग्राहकों को पर्याप्त समय और पारदर्शी प्रक्रिया उपलब्ध कराएं। सरकार घरेलू कर्ज की स्थिति पर गंभीरता से निगरानी रखे। सोना परिवारों की आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक रहना चाहिए। गोल्ड लोन के रूप में स्त्रियों ने अपना स्त्री धन भी गिरवी रखा है। आर्थिक संकट में फंसे ऐसे परिवारों के लिए सरकार, बैंक और एनबीएफसी कंपनियां सहानुभूति पूर्वक विचार करें तथा इन्हें पर्याप्त समय दें।

भारतीय संसद का चार दिवसीय विशेष सत्र बना सियासी महासंग्राम!



किशन सनमुखदास

लोकतंत्र का सबसे बड़ा राजनीतिक पुनर्गठन या 2029 के चुनाव का मास्टरस्ट्रोक? संविधान का अनुच्छेद 368,106वां और प्रस्तावित 131वां संविधान संशोधन,1971 व 2011 बनाम 2027 जनगणना और 543 से 850 लोकसभा सीटों का गणित!दक्षिण भारत की हिस्सेदारी पर सवाल?महिला आरक्षण का मुद्दा और विपक्ष की चुनौती! संसद के विशेष सत्र पर पूरी दुनियाँ की नज़र! - समग्र व्यापक महा-विश्लेषण!

भारत की संसद में ऐतिहासिक राजनीतिक महासंग्राम! संभावित 850 सीटों का प्रस्ताव? महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण, उत्तर-दक्षिण प्रतिनिधित्व की जंग और 2029 का चुनावी समीकरण! एनडीए को चाहिए अतिरिक्त समर्थन, विपक्ष के पास भी है सत्ता का गणित बदलने का हथियार!

क्या 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले बदल जाएगा भारत का सत्ता-समीकरण? 543 से 850 सीटें? 33 प्रतिशत महिला आरक्षण, परिसीमन का विवाद और एनडीए के 320 सांसदों की दो-तिहाई बहुमत की परीक्षा! विपक्ष की रणनीति से पलट सकता है पूरा खेल!

वैश्विक स्तरपर वर्तमान वैश्विक प्रौद्योगिकी, डिजिटल क्रांति,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आंकड़ा आधारित नीति निर्धारण के दौर में दुनियाँ के लोकतांत्रिक देश अपनी संसदों में कानून बनाते समय नवीनतम जनसंख्या आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों और भविष्य की आवश्यकताओं को आधार बना रहे हैं। अमेरिका की सीनेट और प्रतिनिधि सभा से लेकर ब्रिटेन तथा यूरोप की संसदीय व्यवस्थाओं तक बदलती परिस्थितियों के अनुरूप नीतिगत निर्णय लेने की परंपरा दिखाई देती है। इसी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की संसद का आगामी विशेष सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण राजनीतिक संवैधानिक और लोकतांत्रिक घटनाक्रम बन गया है।केंद्र सरकार ने लोकसभा को सोमवार 30 नवंबर 2026 और राज्यसभा को बुधवार 2 दिसंबर 2026 से पुनःबैठाने का निर्णय लिया है।दोनों सदनों की बैठकें क्रमशः 30 नवंबर और 1 दिसंबर तथा 2 और 3 दिसंबर तक चल सकती हैं।संसदीय कार्यमंत्री ने 26 नवंबर को आवश्यक सरकारी कामकाज का हवाला दिया था,जबकि 27 नवंबर को उन्होंने यह भी कहा कि इस सत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक और राष्ट्रीय महत्व के विषय सामने आ सकते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि हालांकि शुक्रवार दिनांक 27 नवंबर 2026 तक शाम 6 बजे तक सरकार ने विधायी कार्यसूची में परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण संबंधी प्रस्तावों को औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया है। इसके बावजूद राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में यही दोनों विषय हैं।

साथियों बात अगर हम पहला महत्वपूर्ण पहलू,विशेष सत्र या मानसून सत्र का विस्तार? को समझने की करें तो इस घटनाक्रम की एक संवैधानिक और संसदीय बारीकी समझना जरूरी है।संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त 2026 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ था, लेकिन उसे औपचारिक रूप से सत्रावसान नहीं किया गया था। इसलिए आगामी बैठकें उसी सत्र के दूसरे भाग के रूप में आयोजित होने की बात सामने आई है। इसीलिए इसे राजनीतिक और समाचार विमर्श में विशेष बैठक कहा जा रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से इसे पूरी तरह अलग नया सत्र मानना सही नहीं होगा। सरकार ने सामान्य शीतकालीन सत्र की बजाय यह संक्षिप्त कार्यक्रम क्यों चुना,इसपर विपक्ष सवाल उठा रहाहै।वहीं सत्ता पक्ष आवश्यक सरकारी कामकाज को इसका कारण बता रहा है। सदन की अधिसूचित कार्यसूची और कार्यवाही का कार्यक्रम सटीकता से निर्णायक होगा।

साथियों बात अगर हम दूसरा पहलू,543 से 850 सीटों तक लोकसभा का विस्तार!को समझने की करें तो प्रस्तावित संविधान संशोधन का सबसे बड़ा आकर्षण लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 से बढ़ाकर 850 तक करने की संभावना है।वर्तमान लोकसभा में 543 निर्वाचित सीटें हैं।प्रस्तावित व्यवस्था में सीटों का विस्तार करके राज्यों के प्रतिनिधित्व का पुनर्गठन करने की चर्चा है।तर्क है कि 1952 में जब भारत का पहला आम चुनाव हुआ था,तब मतदाताओं की संख्या लगभग 17 करोड़ थी और लोकसभा में 489 सदस्य थे।आज मतदाताओं की संख्या लगभग 98 करोड़ पहुंच चुकी है,लेकिन निर्वाचित लोकसभा सीटें 543 ही हैं।ऐसे में बढ़ती आबादी और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व आवश्यकताओं को देखते हुए सीटें बढ़ाना समय की मांग बताया जा रहा है।हालांकि 850 सीटों का आंकड़ा प्रस्तावित अधिकतम सीमा है, कोई अंतिम स्वीकृत सीट आवंटन नहीं। प्रत्येक राज्य को कितनी सीटें मिलेंगी, यह विधायी प्रावधानों और परिसीमन प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

साथियों बात अगर हम तीसरा पहलू,1971 की जनगणना बनाम 2027 की जनगणना का सवाल! को समझने की करें तो परिसीमन विधेयक के तहत राज्यों के बीच सीटों के अनुपात को 1971 की जनगणना पर स्थिर रखने(25 वर्षों के लिए और बढ़ाने) और राज्यों के भीतर सीटों के पुनर्गठन के लिए 2011 की जनगणना का उपयोग करने का प्रस्ताव है।इसनिर्णय और 1971 बनाम 2027 की जनगणना के पीछे के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं (अ)1971 की जनगणना को आधार बनाने के प्रमुख कारण,दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का समाधान (संघीय संतुलन)-मीडिया रिपोर्टों के अनुसार आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तमिलनाडु,केरल और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया है।यदि नई जनसंख्या के आधार पर राज्यों को सीटें बांटी जातीं, तो उत्तर भारत के तेजी से बढ़ती आबादी वाले राज्यों की सीटें बढ़ जातीं और दक्षिणी राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो जाता। 50 प्रतिशत समान वृद्धि का फॉर्मूला- इस असंतुलन को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों की सीटों में एकसमान 50प्रतिशत वृद्धि करने और 1971 की जनगणना के अनुपात को अगले 25 वर्षों (2051 तक) के लिए फ्रीज (स्थिर) रखने का फॉर्मूला तैयार किया है। इससे लोकसभा की अधिकतम सीटें 550 से बढ़कर 850 (815 राज्यों से और 35 केंद्र शासित प्रदेशों से) करने का रास्ता साफ होगा और किसी भी राज्य की हिस्सेदारी कम नहीं होगी।अप्रैल 2026 की विफलता से सबक-अप्रैल 2026 में जब सरकार ने बिना इस संवैधानिक गारंटी के परिसीमन विधेयक पेश किया था तब विपक्ष के विरोध के कारण यह लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत (298 पक्ष में, 230 विरोध में) हासिल नहीं कर सका था।(ब)2027 की जनगणना का इंतजार क्यों नहीं किया जा रहा? 2029 के चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना- 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (106वां संविधान संशोधन) के तहत लोकसभा और विधान सभाओं में महिलाओं को 33त्न आरक्षण देने के लिए जनगणना और परिसीमन की शर्त रखी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

ईरान ने कुवैत पर ड्रोन से हमला किया : इटली के 2 लोगों की मौत

कुवैत सिटी, एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को कुवैत पर ड्रोन हमला किया। इस हमले में इटली के 2 नागरिकों की मौत हो गई है। कुवैत के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सेना ने ड्रोन को हवा में ही मार गिराया था, लेकिन चार लोग उसके मलबे की चपेट में आ गए। एक पाकिस्तानी और एक कुवैती नागरिक भी घायल हुए हैं। इटली के विदेश मंत्रालय ने बताया कि मारे गए दोनों नागरिक एयर डिफेंस टेक्नीशियन थे। वे कुवैत में एक डिफेंस कंपनी के लिए काम कर रहे थे और रडार सिस्टम के रखरखाव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। कुवैत में इटली की सैन्य मौजूदगी भी है। कुवैत में इटली के राजदूत लोरेंजो मोरिनी ने 4 नवंबर को बताया था कि वहां करीब 400 इटली के सैनिक तैनात हैं। इनमें से ज्यादातर एक एयरबेस पर तैनात हैं। राजदूत के मुताबिक, ईरान युद्ध के दौरान इटली के सैनिकों को कई हफ्तों तक बंकरों और सुरक्षित ठिकानों में रहना पड़ा था। इसके बावजूद उन्होंने कुवैत में अपनी तैनाती जारी रखी। इजराइल ईरान पर कभी भी हमला कर सकता है। इजराइली सेना ने गुरुवार को कहा कि वह अमेरिका की मदद के बिना भी ईरान पर पूरी ताकत से सैन्य कार्रवाई करने को तैयार है। सेना के प्रवक्ता एफी डिफ्रिन ने सरकारी ब्रॉडकास्टर कान से कहा कि सेना हालात पर नजर रख रही है और किसी भी वक्त हमला कर सकती है।

सदी के अंत तक 140% तक बढ़ सकती हैं बिजली गिरने की घटनाएं

बर्लिन, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि सदी के अंत तक धरती पर बादलों से जमीन पर गिरने वाली बिजली की घटनाएं मौजूदा स्तर के मुकाबले 76 से 140 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका के अलास्का जैसे ठंडे इलाकों में भी बिजली गिरने की घटनाओं में 594 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। यह खुलासा अर्थ्स फ्यूचर जर्नल में प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन में हुआ है। जर्मनी के टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख के शोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग की मदद से भविष्य में बिजली गिरने के संभावित पैटर्न का आकलन किया है। अध्ययन में तापमान, बारिश, नमी, वायुदाब, हवा की गति और सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा जैसे कारकों को शामिल किया गया। बिजली गिरने की एक बड़ी वजह धरती की सतह का गर्म होना और उससे वातावरण में पैदा होने वाली हलचल है। आकाशीय बिजली जंगलों में आग लगने, पेड़ों को नुकसान पहुंचाने और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बाधित करने का भी बड़ा कारण बन सकती है। शोधकर्ताओं की चिंता इस बात को लेकर भी है कि क्या तूफानों के शुरुआती चरण में बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ेंगी। ऐसा हुआ तो खुले मैदानों, खेतों और निर्माण स्थलों पर काम करने वाले लोगों के लिए खतरा और बढ़ सकता है। बदलते मौसमी मिजाज के साथ आसमान का व्यवहार भी बदल सकता है।

पिता ने अंतरिक्ष में सुनी बेटी के जन्म की खुशखबरी : धरती से सैकड़ों किमी दूर मनाया जश्न, आईएसएस पर हैं तैनात

वॉशिंगटन, एजेंसी। धरती से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष में तैनात एक पिता के लिए बेटी के जन्म की खबर किसी अनमोल तोहफे से कम नहीं थी। कनाडाई अंतरिक्ष यात्री जोशुआ कुट्रिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपना पहला अंतरिक्ष मिशन पूरा कर रहे हैं, इसी दौरान उनकी पत्नी हीदर कुट्रिक ने एक बेटी को जन्म दिया। अंतरिक्ष की दूरियों के बीच परिवार में आई इस नई खुशी ने उनके छह महीने के मिशन को एक यादगार व्यक्तिगत अनुभव में बदल दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी ने दंपती के घर बेटी के जन्म की जानकारी साझा की। एजेंसी की ओर से जारी बयान में जोशुआ और हीदर ने कहा, हमारे बीच इतनी दूरी होने के बावजूद अपनी नन्ही परी के परिवार में आने पर हम एक-दूसरे से बेहद जुड़ाव महसूस कर रहे हैं। जोशुआ इतिहास में ऐसे केवल चौथे अंतरिक्ष यात्री हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहते हुए अपने बच्चे के जन्म के मौके से दूर रहना पड़ा है। दंपती ने कहा कि उन्हें अपने परिवार के दोबारा एकजुट होने का बेसब्री से इंतजार है। कुट्रिक का अंतरिक्ष मिशन बचपन से देखा गया उनका सपना था। दंपती ने कहा कि वे अपने बच्चों को यह सिखाना चाहते हैं कि बड़े सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत और दृढ़ संकल्प जरूरी हैं। परिवार और समुदाय का सहयोग मिले।

ट्रंप का बड़ा बयान: रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 'डील' करना चाहेंगे पुतिन

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए 'एक डील करना चाहेंगे' और कहा कि उनकी प्राथमिकता जान के नुकसान को रोकना है. साथ ही उन्होंने रूसी लीडर के साथ रिश्ते बनाए रखने के अपने तरीके के बारे में भी बताया.

गुरुवार (लोकल टाइम) को फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो घर से अमेरिकी मिलिट्री के लोगों के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप के साथ थैंक्सगिविंग कॉल पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह मॉस्को के साथ एक एग्रीमेंट करना चाहते हैं और कहा कि पुतिन के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखना बातचीत के प्रोसेस के लिए जरूरी है. पुतिन को पहले दोस्त बताने और बाद में रूसी मिलिट्री हमले पर अपनी बातों के बारे में एक रिपोर्टर के सवाल का जवाब देते हुए, ट्रंप ने कहा, 'ठीक है, बातें कही जा सकती है, लेकिन देखिए, आपको कुछ समझना होगा. हम एक डील करना चाहते हैं. हम मारना बंद करना चाहते हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'मैं कह सकता हूं कि वह दोस्त नहीं है या इसके साथ नहीं है- ठीक है, मैं एक डील करना चाहता हूं. मुझे एक डील करनी है. वे हर महीने 25,000 लोगों को खो रहे हैं.' अपने तरीके को समझाते हुए, ट्रंप ने कहा कि पुतिन के प्रति दुश्मनी



दिखाने से समझौते की कोशिशें मुश्किल हो सकती हैं. ट्रंप ने कहा, 'आप जानते हैं, उस सेटलमेंट में उनकी सबसे बड़ी प्रॉब्लम यह है कि आपके पास दो लीडर हैं जो सच में एक-दूसरे से नफरत करते हैं, ठीक है?' उन्होंने अमेरिकी पॉलिटिक्स में कथित रूसी दखल की जांच का भी जिक्र किया, जिसे उन्होंने 'फेक' जांच कहा, और फिर दोहराया कि पुतिन के साथ उनकी हालिया बातचीत सकारात्मक रही थी. तो, हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई. बॉटम लाइन यह है कि वह एक डील करना चाहेंगे, ' ट्रंप ने कहा. यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें उम्मीद है कि पुतिन फ्लोरिडा में अपने डोरल रिसॉर्ट में आने वाले जीन20 समिट में शामिल होंगे, ट्रंप ने कहा कि उन्हें पक्का नहीं पता लेकिन वह रूसी लीडर का स्वागत करेंगे. 'मुझे नहीं पता, लेकिन अगर वह आना चाहते हैं, तो वह निश्चित रूप से आ सकते हैं. उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आएगा.' ग्रुप ऑफ एट में रूस की पिछली मेंबरशिप को याद करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पूर्व प्रेसिडेंट बराक ओबामा चाहते थे कि रूस को इस ग्रुप से हटा दिया जाए, और कहा कि इस फैसले से पुतिन की 'बहुत बेइज्जती' हुई. ट्रंप ने आगे कहा, 'जब वह ज8 के मेंबर थे, अगर वह मेंबर बने रहते -- प्रेसिडेंट ओबामा उन्हें बाहर करना चाहते थे, और अगर वह मेंबर बने रहते, तो शायद अभी यह जंग नहीं होती. जब ऐसा हुआ तो उनकी बहुत बेइज्ज़ती हुई. और अब यह जी7 है, और सच कहूँ तो, हम बस रूस के बारे में बात करते हैं. मैंने कहा, 'वह यहाँ क्यों नहीं है?' उन्होंने कहा, 'मेरा मानना ??है कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, तो मुझे सच में पक्का यकीन है कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, तो अभी यह जंग नहीं चल रही होती. फर्स्ट लेडी को लोगों को बाहर निकालने के लिए सीजफ़ायर करवाने की कोशिश नहीं करनी पड़ती. कुछ लोग बहुत बूढ़े हैं, और लोगों को बाहर निकालते हैं.' गुरुवार (लोकल टाइम) को ट्रुथ सोशल पर एक अलग पोस्ट में ट्रंप ने चीन में पुतिन के साथ अपनी हालिया बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने रूसी लीडर से यूक्रेन के साथ एक एग्रीमेंट को आसान बनाने के लिए पूरे यूरोप में मिलिट्री अटैक वापस लेने की अपील की थी. ट्रंप ने लिखा, 'चीन में रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के दौरान, मैंने इस बात पर बहुत समय बिताया कि मैं चाहूंगा कि प्रेसिडेंट पुतिन पूरे यूरोप के इलाकों के खिलाफ सभी मिलिट्री हमले वापस ले लें, इस उम्मीद में कि रूस और यूक्रेन के बीच एक डील हो सकती है, और जल्दी हो सकती है.' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सच में लगता है कि यह एक मजबूत संभावना है. हर महीने हजारों लोग मारे जा रहे हैं, एक पूरा खून-खराबा, और यह सभी के लिए एक बड़ी श्रद्धांजलि होगी!' ट्रंप की यह बात मार-ए-लागो में नाटो (ह्लज़ह्ल) सेक्रेटरी जनरल मार्क रूटे के साथ उनकी मीटिंग के बाद आई. मीटिंग के बाद जारी एक जॉइंट स्टेटमेंट के मुताबिक, दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान में संघर्ष पर चर्चा की, जिसमें रूस को ऐसे कामों से बचने की जरूरत भी शामिल थी जो संघर्ष को बढ़ा सकते हैं और शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत भी शामिल थी. ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्होंने पुतिन के साथ अपनी हाल की बातचीत के बारे में रूटे को जानकारी दी थी. यह डेवलपमेंट 19 नवंबर को ट्रंप, पुतिन और चीन के प्रेसिडेंट शी जिनपिंग के बीच शेनझेन, चीन में एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट के दौरान हुई मीटिंग के बाद हुआ है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिकी नीतियों पर जताई गहरी नाराजगी, कहा– ट्रंप का ध्यान रूस से ज्यादा मध्य-पूर्व पर

कीव / वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका की विदेश नीति और सैन्य सहायता में हो रही देरी को लेकर खुलकर नाराजगी जाहिर की है। कीव स्थित अपने केंद्रीय कार्यालय में बीबीसी की दक्षिणी और पूर्वी यूरोप संवाददाता सारा रेंसफ़ोर्ड को दिए एक विशेष इंटरव्यू में जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि अमेरिका की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों की आपूर्ति में हो रही देरी के कारण यूक्रेन के नागरिकों की जान जा रही है। उन्होंने यह भी शिकायत की कि युद्ध समाप्त करने के लिए जारी शांति वार्ता के दौरान अमेरिकी प्रशासन रूस पर पर्याप्त कूटनीतिक दबाव नहीं बना रहा है।

पुतिन को 'दोस्त' बताने पर भड़के जेलेंस्की; द्वितीय विश्व युद्ध के हिटलर से की तुलनागले मिलने की तस्वीर पर जताया ऐतराजः इंटरव्यू के दौरान जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गले मिलते हुए अपनी तस्वीर साझा करने और उन्हें 'मेरा दोस्त' संबोधित करने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। जेलेंस्की ने कहा, 'बेशक, यह अमेरिकी राष्ट्रपति पर निर्भर करता है, लेकिन यह बेहद अजीब है। वह (पुतिन) हमलावर हैं और हत्यारे हैं... वह दोस्त नहीं हो सकते, बिल्कुल नहीं।' यूक्रेनी राष्ट्रपति ने इस कदम की तुलना द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एडोल्फ हिटलर को अपना मित्र बताने जैसी स्थिति से की। मध्य-पूर्व पर ध्यान केंद्रित करने से यूक्रेन में निराशाः जेलेंस्की ने कहा कि यह बेहद अफ़सोसजनक और दुखद है कि अमेरिका ने अपना मुख्य ध्यान मध्य-पूर्व (मिडिल ईस्ट) पर केंद्रित कर दिया है और वहां के लोगों की अधिक मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर यूक्रेन के पास कई बड़े सवाल हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ हुई तीखी बहस के बाद से ही जेलेंस्की अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर बेहद सतर्क रुख अपना रहे हैं।

शांति वार्ता के बीच रूस अपने पुराने सख्त रुख पर कायम; ट्रंप ने जताई समझौते की उम्मीदअमेरिकी दूतों की भूमिका और रूस का रुखः वर्तमान में ट्रंप के दो विशेष दूत रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने तथा बड़े पैमाने पर हो रही जनहानि को रोकने के लिए शांति समझौते पर मध्यस्थता कर रहे हैं। हालांकि, राजनयिक हलकों में कई बार यह महसूस किया जा रहा है कि अमेरिकी दूत यूक्रेन के बजाय रूस के दृष्टिकोण से अधिक सहमत नजर आते हैं। दूसरी ओर, रूस के ताजा सार्वजनिक बयानों से संकेत मिलता है ट्रुथ सोशल पर ट्रंप का बयानः इसी बीच, गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा कि पिछले सप्ताह चीन में पुतिन के साथ हुई।

बांग्लादेश में शेख हसीना के पूर्व उप प्रेस सचिव समेत तीन गिरफ्तार

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पूर्व उप प्रेस सचिव समेत तीन लोगों को गुरुवार तड़के राजधानी ढाका में गिरफ्तार किया गया. सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी. सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, हसीना के पूर्व उप प्रेस सचिव केएम शखावत मून और दो अन्य लोगों को ढाका के धानमंडी-27 इलाके से हिरासत में लिया गया. गिरफ्तार किए गए अन्य दो लोगों में पूर्व उपायुक्त मोहम्मद इलियास हुसैन और आयकर अधिवक्ता सूफी मोहम्मद अल मामून शामिल हैं. 'द डेली स्टार' अखबार के अनुसार, जातीयतावादी छात्र दल (जेसीडी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तीनों को ढाका के धानमंडी इलाके में पकड़ लिया, जिसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया. जेसीडी सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का छात्र संगठन है. मोहम्मदपुर थाने के ड्यूटी अधिकारी उपनिरीक्षक मसूदुर रहमान ने बताया कि पुलिस तीनों को अदालत में पेश करने की तैयारी कर रही है. इस बीच, हसीना की अगले महीने प्रस्तावित वापसी को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच बीएनपी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई जिलों में सुरक्षा बढ़ा दी है. सीमा सुरक्षा बल के 108 प्लाटून तैनात किए गए हैं, जिनमें से 56 हसीना के गृह जिले गोपालगंज में तैनात हैं. हसीना की संभावित वापसी को लेकर पिछले कुछ सप्ताह में बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा की घटनाएं हुई हैं. इनमें ट्रेन, बस और बैंकों को आग लगाने की घटनाएं भी शामिल हैं. हसीना अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के कारण उनकी सरकार गिरने के बाद ढाका छोड़कर भारत चली गई थीं और तब से भारत में रह रही हैं. पुलिस ने हालिया हिंसक घटनाओं के लिए अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है. सुरक्षा बढ़ाने के पीछे आशंका है कि हसीना के समर्थक आने वाले दिनों में हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं तेज कर सकते हैं. प्रतिबंधित अवामी लीग ऑनलाइन माध्यमों से 29 और 30 नवंबर को लॉकडाउन कार्यक्रम का प्रचार कर रही है।

अमेरिका में तूफान से 9 लाख घरों की बिजली गुल:1800 फ्लाइट्स लेट, 400 रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तूफान से तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण 9 लाख से ज्यादा घरों की बिजली गुल हो गई। वहीं, 1800 फ्लाइट्स लेट हुईं और 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पूर्वी तट पर समुद्र का पानी 14 साल में सबसे ऊंचे लेवल पर पहुंच सकता है। तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। पूर्वी तट पर 'नॉरईस्टर' नाम का तूफान आगे बढ़ रहा है। इसके चलते न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, फिलाडेल्फिया और आसपास के इलाके प्रभावित हुए हैं।

थैंक्सगिविंग के लिए यात्रा कर रहे लोगों की परेशानी बढ़ी : खराब मौसम के कारण लाखों लोगों की यात्रा प्रभावित हो रही है। थैंक्सगिविंग अमेरिका का बड़ा त्योहार है। इस दौरान लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए दूसरे शहरों में जाते



हैं। ऐसे में हवाई सफर में देरी से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

इसका असर सिर्फ हवाई सफर पर ही नहीं, बल्कि त्योहार के कार्यक्रमों पर भी पड़ा है। न्यूयॉर्क में होने वाली मशहूर थैंक्सगिविंग डे परेड को शनिवार तक के लिए टाल दिया गया है। यह परेड का 100वां साल है और इसके इतिहास में पहली बार इसे टालना पड़ा है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने तूफान के खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया है। परेड की आयोजक कंपनी मैसीज ने कहा कि लोगों की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

तेज लहरों से तटीय ढांचों को नुकसान : अमेरिका के पश्चिमी तट पर समुद्र में उठ रही तेज लहरों ने किनारे बने कई ढांचों को नुकसान पहुंचाया है। सैन डिएगो के आसपास समुद्र का पानी पुराने रिकॉर्ड से भी ऊपर पहुंच गया। इससे आसपास के निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बढ़ गया है। वहीं, पूर्वी तट पर 2012 में आए सुपरस्टॉर्म सैंडी के बाद समुद्र का जलस्तर सबसे ज्यादा होने का अनुमान है। डेलावेयर और न्यू जर्सी के कुछ इलाकों में तेज हवाओं के कारण बिजली की लाइनें टूटने और सप्लाई बंद होने का खतरा बना हुआ है। मौसम का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक सीमित नहीं है।

अमेरिका के मध्य हिस्सों में बुधवार से शुक्रवार तक बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान है। इससे कई इलाकों में ठंड और बढ़ सकती है। इसके अलावा पैसिफिक नॉर्थवेस्ट इलाके में बुधवार रात से बारिश और तेज हवाओं का एक और दौर शुरू होने की आशंका है। यानी देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों को अभी खराब मौसम से राहत मिलने की उम्मीद कम है। नॉरईस्टर अमेरिका के पूर्वी तट पर आने वाला तेज तूफान है। इसका नाम इसलिए पड़ा क्योंकि इस दौरान हवाएं उत्तर-पूर्व दिशा से चलती हैं।

बांग्लादेशी मंत्री बोले- दिसंबर में सर्दी आएगी, हसीना नहीं : सरकार ने पूर्व क्रूरक के गृह-जिले का फंड रोका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी को लेकर सियासी तनाव बढ़ गया है। हसीना ने 16 दिसंबर को देश लौटने की बात कही है। इस पर विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने तंज कसते हुए कहा कि दिसंबर में सिर्फ सर्दी आएगी, हसीना नहीं। इस बीच, सरकार ने शेख हसीना के गृह जिले गोपालगंज में विकास के लिए मिलने वाला पैसा रोक दिया है। जिले की कम से कम 5 ट्रेनें बंद हैं और दो पुलिस थानों में भी कामकाज ठप है।

अवामी लीग ने आज से देशभर में लॉकडाउन का ऐलान किया है। पार्टी ने हसीना की वापसी, राजनीतिक गतिविधियों पर लगी रोक हटाने और राजनीतिक बंदियों की रिहाई समेत 8



मांगें रखी हैं। सरकार ने भी हालात को देखते हुए सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी है।

हिंसा के बाद सरकार ने रोकी आर्थिक मदद : गोपालगंज में 15 नवंबर को अवामी लीग के सैकड़ों समर्थकों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों, पुलिस थानों और क्रूरक नेताओं की संपत्तियों में आग लगा दी थी। इसके बाद तारिक रहमान की क्रूरक सरकार ने जिले की स्थानीय निकायों को मिलने वाली आर्थिक मदद रोकने का फैसला किया।

ढाका के अखबार प्रोथोम आलो की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने जिला परिषद, उपजिला परिषद, नगरपालिकाओं और यूनियन परिषदों को मिलने वाली आर्थिक मदद की तीसरी किस्त रोक दी है। यह किस्त जनवरी से मार्च 2027 के बीच मिलनी थी। आमतौर पर इन निकायों को साल में चार किस्तों में पैसा दिया जाता है। बीबीसी के मुताबिक, जिले के विकास कार्यों के लिए पहले से मंजूर करीब 5 अरब टका की रकम भी रोक दी गई है। हसीना की वापसी से बढ़ा तनाव बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कुछ दिन पहले अपनी वतन वापसी की तारीख बताई थी।

उन्होंने इसके लिए तारिक रहमान सरकार से विमान भेजने की मांग की। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने बताया कि हसीना सरकारी एयरलाइन विमान बांग्लादेश की फ्लाइट से दिल्ली से ढाका लौटना चाहती हैं। 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति संग्राम में जीत हासिल की थी। पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने आत्मसमर्पण किया था। मुक्ति वाहिनी बांग्लादेश की आजादी के लिए लड़ने वाले लोगों का संगठन था।

पाकिस्तान में इस साल 84 अल्पसंख्यक लड़कियों और महिलाओं का अपहरण धर्म परिवर्तन कराया गया : रिपोर्ट



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ जारी अत्याचारों को लेकर एक नई रिपोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन 'वॉइस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी' (वीओपीएम) के अनुसार, इस साल के पहले 10 महीनों में कम से कम 84 अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों का अपहरण किया गया, उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया और फिर उनकी शादी कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ितों में 49 ईसाई और 35 हिंदू लड़कियां एवं महिलाएं शामिल हैं। इन 84 पीड़ितों में से 43 नाबालिग थीं, जबकि छह लड़कियों की उम्र 14 साल से भी कम थी। संगठन ने बताया कि सबसे ज्यादा मामले पंजाब प्रांत से सामने आए, जहां 47 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 18 मामले सिर्फ लाहौर के थे। वहीं सिंध में 36 मामले दर्ज हुए, जबकि बलूचिस्तान में एक मामला सामने आया। रिपोर्ट में कहा गया कि 2021 से 2025 के बीच पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के 515 मामले दर्ज किए गए। हालांकि मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। वीओपीएम ने कहा, 'हर आंकड़े के पीछे एक ऐसी बच्ची है, जिसे उसके घर से छीन लिया गया। उससे उसकी मर्जी के बिना धर्म परिवर्तन कराया गया और ऐसे व्यक्ति से शादी कराई गई जिसे उसने कभी नहीं चुना। उसके माता-पिता उसे खोजते रहते हैं और हर गुजरते दिन के साथ उनकी चिंता बढ़ती जाती है।

संगठन के अनुसार, कई परिवार शिकायत तक दर्ज नहीं कराते, क्योंकि उन्हें बदले की कार्रवाई का डर रहता है और उन्हें भरोसा नहीं होता कि व्यवस्था उनकी रक्षा कर पाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि यह खामोशी इस समस्या की वास्तविक गंभीरता को छुपा देती है और यह भी दिखाती है कि पीड़ितों का सरकारी व्यवस्था पर कितना कम भरोसा है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का हवाला देते हुए संगठन ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी अधिकारी इन अपराधों को रोकने और पीड़ित परिवारों की सुरक्षा करने में नाकाम रहे हैं।

ट्रंप की पहल को नजरअंदाज करने के बाद किम ने और परमाणु हथियार बनाने का संकल्प लिया

सियोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने परमाणु सामग्री का उत्पादन करने वाले प्रतिष्ठानों का दौरा किया और अधिक परमाणु हथियार बनाने का आह्वान किया. इससे पहले उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया एशिया यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात करने की पेशकश को नजरअंदाज कर दिया था.

किम के इस बयान से एक बार फिर संकेत मिलता है कि वह अपने लगातार विकसित हो रहे परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं. साथ ही, वह परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में उत्तर कोरिया की स्थिति और मजबूत करना चाहते हैं.

उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने गुरुवार को बताया कि किम ने परमाणु सामग्री का उत्पादन करने वाले दो कारखानों का निरीक्षण किया, जिनमें से एक का हाल ही में उद्घाटन किया गया है, जबकि दूसरे का विस्तार किया जा रहा है. केसीएनए की ओर से जारी तस्वीरों में किम और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ऐसी मशीनों की कतारों के बीच चलते नजर आए, जो परमाणु हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले उच्च संवर्धित यूरेनियम के उत्पादन में प्रयुक्त सेंट्रीफ्यूज प्रतीत हो रही थीं. उन्होंने उन कक्षों का भी दौरा किया, जहां कथित तौर पर परमाणु हथियारों के मुखास्त्र



प्रदर्शित किए गए थे. कुछ तस्वीरों को धुंधला कर दिया गया था.

उत्तर कोरिया ने 2010 में अपने प्रमुख योंगब्योन परमाणु परिसर का दौरा करने आए अमेरिकी विद्वानों को यूरेनियम संवर्धन केंद्र दिखाने के बाद कुछ ही मौकों पर ऐसे केंद्रों का खुलासा किया है. उत्तर कोरिया ने यह नहीं बताया कि किम ने इस सप्ताह जिन परमाणु सामग्री उत्पादन कारखानों का दौरा किया, वे कहां स्थित हैं. केसीएनए के मुताबिक, किम ने कहा कि उनका हालिया निरीक्षण दौरा ''कोरियाई प्रायद्वीप की ओर हर पल बढ़ रहे परमाणु खतरों'' के मद्देनजर उत्तर कोरिया की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा था केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा, ''हमारे पास परमाणु हथियार होने की वैधता और आवश्यकता तथा हमारी परमाणु क्षमता को गुणवत्ता एवं संख्यात्मक रूप से मजबूत करने की दिशा में जारी प्रयास एक ऐसी वास्तविकता हैं, जिन्हें अब बदला नहीं जा सकता.'' किम ने युद्ध के मैदान में इस्तेमाल किए जाने वाले कम मारक क्षमता वाले परमाणु हथियारों को और विकसित करने का भी आह्वान किया. उन्होंने कहा कि विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसे हथियारों की तैनाती बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि उत्तर कोरिया ''सबसे खतरनाक शत्रु देश के साथ सीमा साझा करने की अपरिहार्य वास्तविकता'' का सामना कर रहा है. उनका इशारा दक्षिण कोरिया की ओर था.

इस घटनाक्रम के बीच दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह युद्ध के मैदान में इस्तेमाल किए जाने वाले परमाणु हथियारों के संबंध में किम की टिप्पणियों को गंभीरता से लेता है. मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन के तहत दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों से निपटने के लिए पूरी तरह सैन्य रूप से तैयार है. दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने केसीएनए द्वारा दी गई उत्तर कोरिया के परमाणु प्रतिष्ठानों संबंधी जानकारी का विश्लेषण साझा करने से इनकार करते हुए कहा कि यह दक्षिण कोरिया और अमेरिका की गोपनीय जानकारी है. ट्रंप ने पिछले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा के दौरान किम के साथ कूटनीतिक वार्ता बहाल करने की अपनी इच्छा दोहराई थी. हालांकि, दोनों नेताओं के बीच मुलाकात नहीं हो सकी और उत्तर कोरिया ने ट्रंप की पेशकश पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया भी नहीं दी।

जानकारी

सर्वाइकल के दर्द से छुटकारे के लिए योग बेहतर उपाय

रीढ़ की हड्डी के कमजोर होने के कारण गर्दन और कंधों में दर्द होता है, जिसे सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या कहा जाता है। आम भाषा में लोग इसे सर्वाइकल का दर्द कहते हैं। सर्वाइकल की समस्या महिलाओं में अधिक पाई जाती है, क्योंकि ज्यादातर महिलाओं में कैल्शियम की कमी पाई जाती है, जिसके कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। आमतौर पर ये समस्या उम्र बढ़ने पर हड्डियों में आने वाली कमजोरी सेा होती है।

इन दिनों लोगों में सर्वाइकल की समस्या काफी बढ़ गई है, क्योंकि बैठने वाली जॉब के कारण लोगों की रीढ़ की हड्डी और गर्दन पर दबाव काफी बढ़ गया है। सर्वाइकल के दर्द के कारण व्यक्ति को बैठने, लेटने, सोने और रोजमर्रा के कामों में बहुत परेशानी होती है। भारत की बात करें तो एक मैगजीन में छपी एक खबर के मुताबिक 53 में से 1 भारतीय महिलाएं सर्वाइकल से पीड़ित हैं और लगभग 17 महिलाओं की इससे मौत हो जाती है। सर्वाइकल के दर्द से राहत पाने के लिए योगासन बहुत मददगार हो सकते हैं।

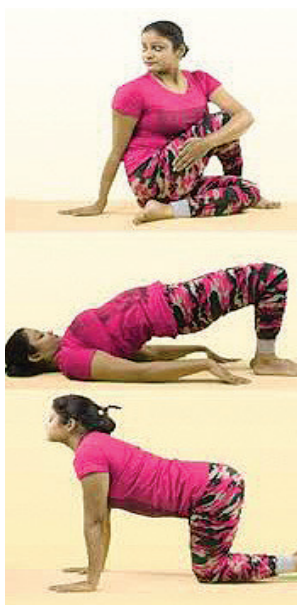

शरीर को फुर्तीला बनाने के लिए योग एक अच्छा विकल्प है। ऐसे ही कई बार जब हमें झुकना पड़ता है, तब हमारी पीठ और गर्दन में दर्द होने लगता है। इस दर्द का सिर्फ एक कारण है, वो है हमारी रीढ़ की हड्डी कमजोर और इसमें लचीलापन न होना। अगर हमारी रीढ़ की हड्डी में लचीलापन होगा तो हमारा शरीर अधिक सक्रिय होने लगेगा। इसलिए रीढ़ की हड्डी में लचीलापन होना आवश्यक है। अगर आप रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाना चाहते हैं तो आपको मर्जरासन करना चाहिए। रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने के लिए मर्जरासन बेहद फायदेमंद है।

मर्जरासन करने का तरीका: मर्जरासन करने के लिए अपने घुटने जमीन पर टिका लें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से नितंब को ऊपर की ओर उठा लें। इस अवस्था में गहरी सांस लें और अपनी क्षमतानुसार इस अवस्था में बने रहें। इस आसन के नियमित अभ्यास से आपकी रीढ़ की हड्डी लचीली हो जाएगी।

मर्जरासन के लाभ: मर्जरासन करने से पाचन क्रिया दुरुस्त होती है। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आने लगता है। मर्जरासन कब्ज की समस्या का रामबाण इलाज है।





रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से होता है एनीमिया

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से होता है एनीमिया, जानें इससे होने वाले नुकसान, लक्षण और बचाव। चूंकि देश में 55 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया यानी रक्ताल्पता की समस्या से ग्रस्त हैं, जो उनकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह है। क्यों होती है ऐसी समस्या और कैसे करें इससे बचाव, आइए जानते हैं।

जानें इससे होने वाले नुकसान, लक्षण और बचाव

अगर किसी महिला के रक्त में हीमोग्लोबिन का लेवल 12 और पुरुष में 13 ग्राम से कम हो, तो उसे एनीमिया से ग्रस्त माना जाता है। वैसे तो पुरुषों में भी एनीमिया के लक्षण पाए जाते हैं पर स्त्रियों को यह समस्या ज्यादा परेशान करती है। दरअसल मासिक चक्र के दौरान अधिक रक्तस्राव इसकी प्रमुख वजह है। इसके अलावा पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण अधिकतर स्त्रियां अपनी सेहत और खानपान पर ध्यान नहीं देतीं, जिसकी वजह से उनके शरीर में खून की कमी हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जागरूकता के अभाव में आज भी कुछ लोग बेटियों के पोषण पर ध्यान नहीं देते, जिससे स्कूली छात्राओं के शरीर में खून की कमी हो जाती है। एनीमिया को अकसर लोग निर्धनता से जोड़कर देखते हैं, जबकि कई बार शहरों में रहने वाली शिक्षित स्त्रियां भी रक्ताल्पता से ग्रस्त होती हैं। एक सर्वे के मुताबिक, अगर बात करें तो भारत में 58.6 प्रतिशत बच्चे, 53.2 प्रतिशत गैर-गर्भवती महिलाएं और 50.4 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिक पाई गईं। भारत 50 वर्षों से एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम होने के बावजूद बीमारी का सबसे अधिक बोझ वहन करता है।

यह समस्या किसी स्त्री के जीवन को किस तरह प्रभावित करती है?

एनीमिया के कारण लड़कियों का शारीरिक और बौद्धिक विकास सही ढंग से नहीं हो पाता। इससे उनमें ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कमजोर हो जाती है, जिसका परीक्षा के रिजल्ट पर बुरा असर पड़ता है। इसी वजह से जरूरतमंद वर्ग की लड़कियां हाई स्कूल में ही पढ़ाई अधूरी छोड़ देती हैं। जागरूकता के अभाव में अभिभावक और शिक्षक समस्या की असली वजह समझे बिना बच्चियों को मंदबुद्धि और पढ़ाई के मामले में लापरवाह समझने लगते हैं। शरीर में खून की कमी होने के कारण स्त्रियों के व्यवहार में चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है।

गर्भावस्था के दौरान शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कितना होना चाहिए?

प्रेग्नेंसी के दौरान स्त्री के यूट्रस और उसके आसपास हिस्सों का तेजी से वॉल्यूम एक्सपेंशन हो रहा होता है। इसके साथ ही गर्भस्थ शिशु को भी मां के शरीर से ही आहार मिलता है। इसीलिए प्रेग्नेंसी के तीसरे चरण में स्त्री के हीमोग्लोबिन के स्तर में 1-2 ग्राम की गिरावट आ जाती है। इसीलिए कंसीव करने से पहले स्त्री के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 ग्राम से अधिक होना चाहिए और सभी स्त्रियों को शादी के बाद हर तीन महीने के अंतराल पर सीबीसी यानी टोटल ब्लड काउंट टेस्ट जरूर करवाना चाहिए।

एनीमिया की वजह से गर्भावस्था में क्या दिक्कतें हो सकती हैं?

इससे मिसकैरेज की आशंका बढ़ जाती है। गर्भस्थ शिशु का ब्रेन सहित पूरे शरीर का विकास सही ढंग से नहीं हो पाता, प्रीमैच्योर डिलीवरी या जन्म के समय शिशु के मौत आशंका बढ़ जाती है।

शरीर को सही ढंग से आयरन का प्रदान करने के लिए क्या खाएं?

शरीर में आयरन का अवशोषण सही हो इसके लिए आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के साथ संतरा, नींबू, चकोतरा और मौसमी जैसे फलों का सेवन करना चाहिए। आयरन के साथ कैल्शियम का इस्तेमाल न करें। इससे ये दोनों ही तत्व शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं दे पाते। आयरनयुक्त फलों या सब्जियों के साथ किसी भी मिल्क प्रोडक्ट का सेवन नहीं करना चाहिए। फल या हरी पत्तेदार सब्जियां खाने के दो घंटे पहले या बाद में दूध-दही जैसे पदार्थों का सेवन किया जाए।

एनीमिया के लक्षणों की पहचान कैसे करें?

अकसर थकान, कमज़ोरी, आंखों के आगे अंधेरा छाना, चक्कर आना, निस्तेज त्वचा, हमेशा नींद आना, आंखों का भीतरी हिस्सा ज्यादा सफेद नज़र आना आदि। सामान्य स्वस्थ व्यक्ति की हथेलियों, तलवों और नाखूनों में हल?का गुलाबीपन होता है लेकिन एनीमिया होने पर इन हिस्सों की रंगत बिलकुल सफेद पड़ जाती है।

एनीमिया से बचाव के लिए क्या करना चाहिए?



अपनी डाइट में केला, सेब, अनार, खजूर, गुड़, मूंगफली, बादाम, चना, गाजर, चुकंदर के अलावा हरी पत्तेदार सब्ज़ियों को प्रमुखता से शामिल करें। हमेशा लोहे की कड़ाही में सब्ज़ियां पकाएं, इससे भोजन में आयरन की मात्रा बढ़ जाती है। हरी सब्ज़ियों को काटने के बाद न धोएं, इससे उससे पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

डायबिटीज में आयरन कैसे प्राप्त करें?

ऐसी स्थिति में सीमित मात्रा में खट्टे फल अपनी डाइट में शामिल करें। खजूर व गुड़ न खाएं, लेकिन चना, राजमा, बादाम, मूंगफली, रागी के अलावा सभी हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन और प्रोटीन से भरपूर होती हैं। इनका सेवन दोनों समस्याओं को नियंत्रित करता है।

इसका उपचार कैसे होता है?

ऐसी स्थिति में आमतौर पर डॉक्टर आयरन सप्लीमेंट लेने की सलाह देते हैं। गंभीर स्थिति में आईवी (इंट्रावेनस) मेडिसिन के जरिए भी आयरन का डोज दिया जाता है, जिससे हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य हो जाता है, लेकिन एक्सपर्ट की सलाह के बगैर आयरन सप्लीमेंट का सेवन न करें।

सेहत

स्ट्रांग दिखाने के चक्कर में डिप्रेशन में आ रहे लड़के

एक आम जुमला है कि मर्द को दर्द नहीं होता। 1985 में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'मर्द' से यह डायलॉग ज्यादा लोकप्रिय हुआ। समाज में पुरुषों की ऐसी छवि गढ़ी गई है कि मर्द रोता नहीं, क्योंकि रोना तो लड़कियों का काम है। अपने आपको 'मर्द' साबित करने के चक्कर में पूरी दुनिया में पुरुष खुद को इस छवि से बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं और भयानक अवसाद के शिकार हैं। शारीरिक रूप से मजबूत दिखने के लिए स्टेरायड लेने की प्रवृत्ति भी युवा लड़कों में बढ़ी है। ऐसे पुरुषों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की दो टूक सलाह है - रो लेंगे तो अच्छे से जी लेंगे।

देश में 26 फीसदी पुरुष खुदकुशी करते हैं, जबकि महिलाएं 16.4 प्रतिशत

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मानसिक स्वास्थ्य पर एक रिपोर्ट जारी की। इसके हिसाब से भारत में हर दस हजार लोगों में से 25.8 प्रतिशत यानी 2580 पुरुष आत्महत्या करते हैं। इनका आयु वर्ग 15 से 29 साल है। प्रति 10 हजार में महिलाओं के खुदकुशी करने का प्रतिशत 16.4 है। इस रिपोर्ट में भारत को ऐसे देशों की श्रेणी में 22वां स्थान दिया गया है, जहां पुरुष अन्य के मुकाबले ज्यादा आत्महत्या करते हैं।

दुनिया में भी जान देने वालों में पुरुष अधिक : विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, हर 40 सेकंड में एक आत्महत्या होती है। पूरी दुनिया में हर साल 8 लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिसमें पुरुषों की संख्या महिलाओं से अधिक है।

भावनाएं जाहिर नहीं करने से कई तरह के मर्ज : भावनाएं साझा न करने से पुरुषों में मानसिक अवसाद, सीजोफ्रेनिया, डिमेंशिया, अति सक्रियता जैसी बीमारियां हो जाती हैं। नई दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एप्लाइड साइंसेज (इहबास) ने अध्ययन में पाया कि सीजोफ्रेनिया के 25 प्रतिशत मरीजों के खुदखुशी कर लेने का खतरा होता है।

बेरोजगारी बढ़ने पर ज्यादा खुदकुशी : ब्रिटेन में पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम कर रही संस्था सीएएलएम का कहना है कि पुरुषों में बेरोजगारी बढ़ने पर आत्महत्या दर बढ़ती है। इस संस्था ने 2015 में किए अध्ययन में पाया कि हर एक प्रतिशत बेरोजगारी दर बढ़ने पर आत्महत्या करने की दर में 0.79 प्रतिशत वृद्धि होती है। अमेरिकी जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ कहता है कि खुदकुशी के लिए पुरुष बंदूक और फांसी जैसे तरीके अपनाते हैं,वहीं महिलाएं जहर खाने, नस काटने या नदी में डूबने जैसे तरीके अपनाती हैं।

क्या कहता है अध्ययन

एक अध्ययन में माना गया है कि दुनियाभर का पितृसत्तात्मक समाज लड़कों या पुरुषों को 'मजबूत' बनाने के लिए अनुकूलित करता है। बचपन से ही लड़कों को यह बताया जाता है कि उन्हें लड़कियों की तरह रोना नहीं है, इतना ही नहीं उन्हें अपने संघर्ष और दुख जाहिर नहीं करने हैं। जेंडर अध्ययन कहता है कि महिला और पुरुष को खास तरीके में ढालने की सामाजिक संरचना के कारण ही पुरुष आज मानसिक अवसाद में हैं।

महिलाएं 64 तो पुरुष मात्र 17 बार रोये

हॉलैंड के टिलबर्ग विश्वविद्यालय ने 37 देशों के पांच हजार लोगों के भावनात्मक रवैए पर अध्ययन किया। पाया गया कि सालभर में महिला 30 से 64 बार रोईं, जबकि पुरुषों के रोने के अवसर 6 से 17 ही थे। इसके साथ ही पुरुषों के रोने की अवधि और आंसुओं की मात्रा भी महिलाओं से कम थी। शोध में निष्कर्ष निकला कि पुरुषों के रोने की आदत देशों के सामाजिक-आर्थिक पालन पोषण के तरीकों पर निर्भर थीं। यह भी पाया गया कि अमीर देशों में पुरुष खुलकर रोते हैं।

भारत, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने उठाए विशेष कदम

- **भारत में 2017 में पहला कानून बना:** मानसिक अवसाद की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 2017 में भारत सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य कानून लागू किया। अभी इस ओर और अधिक जागरूकता लाए जाने की जरूरत है।
- **ऑस्ट्रेलिया में विशेष सहायता केंद्र:** यहां हर दस हजार में 12.6 फीसदी पुरुष आत्महत्या कर रहे थे। इसके समाधान के लिए यहां आर यू ओके प्रोग्राम चलाया गया। इसके लिए अवसाद ग्रस्त पुरुषों की काउंसलिंग के लिए 24 घंटे क्राइसिस सेंटर खुले।
- **ब्रिटेन ने आत्महत्या रोधी मंत्रालय खोला :** 2018 में ब्रिटेन ने आत्महत्या के मामलों की गंभीरता को देखते हुए देश में आत्महत्या रोधी मंत्री नियुक्त किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-3-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। स्वास्थ्य नरम होगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-6-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-1-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें। शुभांक-4-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-4-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2661

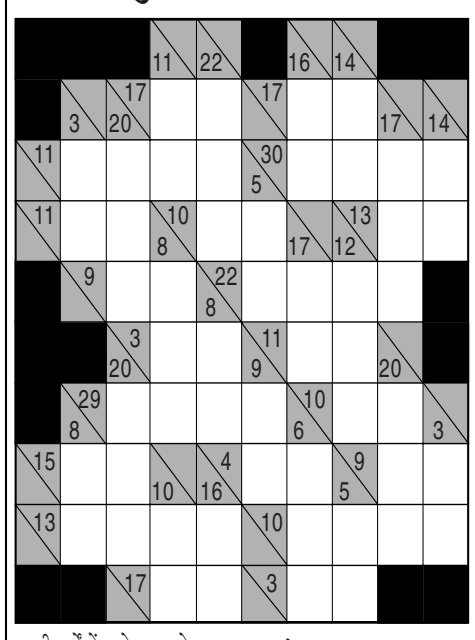

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

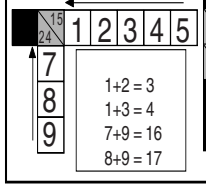

काकुरो - 2660 का हल

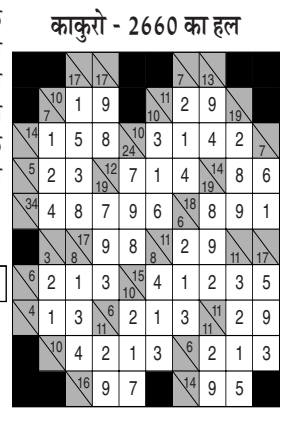

हंसी के फव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई,तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.'दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली,तो पत्नी को जगाते हुए बोली,'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह ! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली,'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई ?'दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

फिल्म वर्ग पहेली- 2661

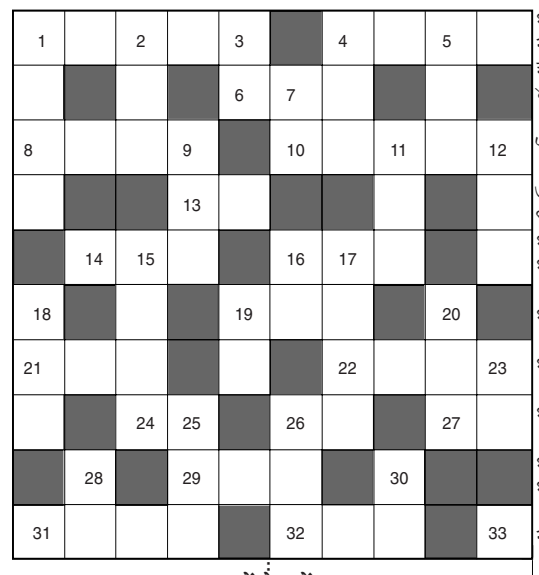

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरे गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2660

क्या	क	ह	ना		ज	ग		मि	
	सू		रा	जा	जी		हे	ल	न
अ	र	बा	ज		र	ह	मा	न	
भि		गी		अ		व			चा
मा	ला		दे	व		स	सु	रा	ल
न		डॉ		ता	ल		हा		बा
	जा	न	व	र		र	ग	बा	ज
दि	ल		र		गैं	ग		जी	
ल		अं	दा	ज			सं	ग	म
गी	त		न		कां	टे		र	

सूडोकु -2661

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2660 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 2661

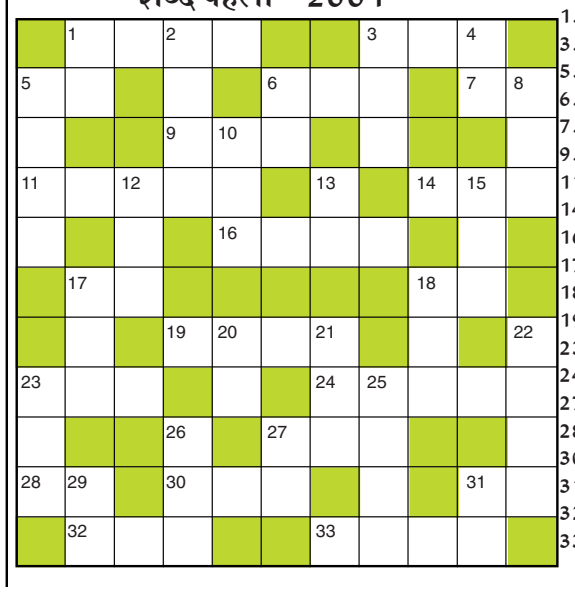

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -2660 का हल

	अ	स	ह	यो	ग		अ	दा	व	त
र	क्स		रा		ग	रु	ड़		न	र
ख		स	ना	त	न		ना	म		क
र	फ्ता	र			चुं	गी		त	म	स
खा		मा		चा	बी		सी		ही	
व	ल	या	का	र		प	रा	या	प	न
	क		या		का	ल		द		क
द	वा	त		भ	ला			गा	य	ब
र		र	ज		बा	जी	ग	र		ज
क	र		ल	ह	जा		र्ज		खा	न
ना	जा	य	ज		र	घु	ना	य	क	

शोपियां में तीन संदिग्ध गिरफ्तार, हथगोले और पोस्टर बरामद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को आतंकवादियों के तीन कथित ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड, तीन मोबाइल फोन, एके राइफल के 20 कारतूस और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के पांच पोस्टर बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सेना और स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने नरवाव और रावलपोरा इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान तीन संदिग्धों को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। सुरक्षा एजेंसियां आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं और मामले में आगे की जांच जारी है।

5 साल में 9.25 लाख भारतीयों ने बदली अपनी नागरिकता

● सबसे ज्यादा कनाडा की नागरिकता ली

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत के नागरिक न केवल देश के भीतर, बल्कि दुनियाभर के तमाम मुल्कों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। इसी बीच नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि बीते पांच वर्षों (2020-2024) के दौरान करीब 9.25 लाख भारतीयों ने आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के सदस्य देशों की नागरिकता हासिल की है। यह चौंकाने वाला आंकड़ा ओईसीडी की इंटरनेशनल माइग्रेशन आउटलुक 2026 रिपोर्ट में सामने आया है, जो कि इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, यह संख्या 2015-2019 की पिछली पांच वर्षीय अवधि की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है, जब 6,54,821 भारतीयों ने इन देशों की नागरिकता ली थी। इस मामले में, भारत पूर्व राष्ट्रीयता के आधार पर सबसे बड़ा देश बन गया है, जिसने मैक्सिको (5,90,248) और सीरिया (5,88,219) जैसे देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। जहाँ एक ओर सीरियाई नागरिकों द्वारा नागरिकता हासिल करने के मामलों में लगभग पांच गुना वृद्धि देखी गई है, वहीं चीनी नागरिकों की संख्या में 11.9 प्रतिशत की कमी आई है।

ओईसीडी समूह में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान और यूरोप के कई देश सहित कुल 38 सदस्य देश शामिल हैं। भारतीयों को नागरिकता प्रदान करने में कनाडा सबसे आगे रहा है, जिसने 2024 में सिर्फ 87,320 भारतीयों को अपनी नागरिकता दी। 2020 से 2024 के बीच की अवधि में लगभग 2.61 लाख भारतीय कनाडा के नागरिक बने हैं, जो सबसे अधिक है। इसके बाद अमेरिका ने 48,820 भारतीयों को नागरिकता देकर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 28,969 भारतीयों को नागरिकता प्रदान कर तीसरा स्थान हासिल किया। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में कुल 2,30,337 भारतीय नागरिकों ने ओईसीडी सदस्य देशों की नागरिकता प्राप्त की, जो 2023 में 2,24,630 थी, जो इस बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाती है।

रैगिंग पड़ी महंगी : केजीएमयू के 38 छात्र निलंबित

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में रैगिंग के आरोप में 38 एमबीबीएस छात्रों को निलंबित किया है। उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित किया गया है, साथ ही 25-25 हजार रुपये का जुर्माना, एक साल की छात्रवृत्ति पर रोक और हॉस्टल से निष्कासन जैसी कठोर सजाएं भी दी गई हैं।

एंटी-रैगिंग सेल की जांच में सामने आया कि ये सीनियर छात्र रात 12 से 2 बजे तक जूनियर छात्रों को वीडियो कॉल पर जगाकर जबरन डांस करते थे। विरोध करने पर उन्हें गाली-गलौज और अभद्रता का सामना करना पड़ता था। जूनियर्स को सीनियर्स के सामने सिर झुकाकर प्रणाम महोदय और प्रणाम मैडम कहने पर मजबूर किया जाता था। यह मामला 16 नवंबर को केजीएमयू कैंपस में रैगिंग का वीडियो सामने आने के बाद उछला था। एंटी-रैगिंग सेल ने जांच शुरू की और 26 नवंबर को कुलपति ने रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई को मंजूरी दी।

परिसीमन बिल: राहुल गांधी ने संभाली कमान, विपक्षी एकता पर जोर

कांग्रेस बोली- मौजूदा सीटों की संख्या बरकरार रहे, महिला आरक्षण भी वर्तमान लोकसभा सीटों के आधार पर लागू हो

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार और कांग्रेस के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। संसद में विधेयक पेश किए जाने से पहले कांग्रेस ने इसके विरोध की रणनीति तेज कर दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी की संसदीय रणनीति बैठक में स्पष्ट किया कि पार्टी परिसीमन विधेयक को रोकने के लिए पूरी ताकत से संघर्ष करेगी और सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने का प्रयास करेगी। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि विपक्षी गठबंधन का कोई दल सामूहिक रूप से तय रुख से अलग जाता है तो उसके साथ राजनीतिक संबंधों की समीक्षा की जा सकती है।

कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक कल कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर हुई। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक हितों के लिए परिसीमन विधेयक को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने डीएमके, समाजवादी पार्टी और शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट को विपक्षी रणनीति के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यदि शरद पवार के नेतृत्व वाला एनसीपी गुट परिसीमन विधेयक के पक्ष में मतदान करता है तो कांग्रेस को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करना पड़ सकता है। पार्टी का कहना है कि गठबंधन के किसी घटक के सामूहिक फैसले से पीछे हटने की स्थिति में उसके साथ पहले की तरह काम करना कठिन होगा।

सांसदों को विधेयक की प्रतियां नहीं मिलने का आरोप

कांग्रेस ने सरकार पर प्रस्तावित विधेयकों को लेकर सांसदों को अंधेरे में रखने का आरोप लगाया है। पार्टी के मुताबिक, 30 नवंबर को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक और इससे जुड़े अन्य विधेयक पेश किए जाने हैं, लेकिन सांसदों को अभी तक उनकी प्रतियां उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार बड़े संवैधानिक बदलाव की तैयारी कर रही है, जबकि विपक्ष को इसकी पूरी जानकारी नहीं दी जा रही। बैठक के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि



कांग्रेस की मांग है कि लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या बरकरार रखी जाए। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण भी वर्तमान लोकसभा सीटों के आधार पर लागू किया जाए। इसके साथ ही राज्यों के बीच लोकसभा सीटों का मौजूदा बंटवारा अगले 25 साल तक नहीं बदला जाना चाहिए।

दिल्ली से लेकर मुंबई तक चर्चा में रही शरद गुट की बहानेबाजी

● इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले सियासत के दिखे कई रंग

नई दिल्ली, एजेंसी। परिसीमन बिल को लेकर विपक्षी गठबंधन ने अपनी रणनीति बनाने के लिए शनिवार सुबह साढ़े 11 बजे बैठक बुलाई। ये बैठक शुरु होती इससे पहले सियासत कई रंगों में रंगी दिखाई दी। शरद पवार गुट की एनसीपी की बहानेबाजी सबसे ज्यादा चर्चा में रही। दिल्ली से लेकर मुंबई तक पूरे दिन कहीं न कहीं इसकी चर्चा होती ही रही। दरअसल, पहले सांसद निलेश लंके को इस बैठक में एनसीपी-एसपी का प्रतिनिधित्व करना था, लेकिन उन्होंने किले की सफाई अभियान के लिए तोरणा किले पर जाने का हवाला दिया है। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को पार्टी प्रमुख शरद पवार के अस्पताल में भर्ती होने का हवाला देते हुए सुप्रिया सुले ने भी बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई थी। सुले ने कहा था कि वह 30 नवंबर को दिल्ली आएंगी और सीधे संसद सत्र में शामिल होंगी। ऐसे में कयास लगाए जाने लगे कि यह इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

यह बिल लोकसभा सीटों की संख्या में सभी राज्यों में समान रूप से 50 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान करता है। सरकार अगले हफ्ते इसे संसद में पेश कर सकती है। परिसीमन किसी देश या विधायी निकाय वाले प्रांत में क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करने की प्रक्रिया है। परिसीमन का काम परिसीमन आयोग या सीमा आयोग नामक उच्चाधिकार प्राप्त निकाय को सौंपा जाता है। भारत में परिसीमन आयोग अधिनियम के तहत अब तक चार परिसीमन आयोग (1952, 1963, 1973 और 2002 में) गठित किए गए हैं। विपक्षी दल परिसीमन बिल का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। उन्होंने असम और जम्मू-कश्मीर में हुए परिसीमन का हवाला देते हुए निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में हेरफेर किए जाने की आशंका जताई है। विपक्षी दलों को संदेह है कि चुनावी लाभ हासिल करने के लिए जानबूझकर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में बदलाव किए जा रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ दल पर 2029 के आम चुनाव से पहले अपने फायदे के लिए देश का चुनावी नक्शा फिर से तैयार करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। हालांकि, सरकार ने इन आशंकाओं को सिरे से खारिज किया है।

पहाड़ी इलाकों में पारा माइनस में पहुंचा, मप्र के करौंदी में पारा 6.1डिग्री गिरा

● भोपाल समेत प्रदेश के कई जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में सर्दी ने अब अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए है। पहाड़ों पर पारा माइनस में पहुंच गया है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ में तापमान -10डिग्री और केदारनाथ में -8डिग्री दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के कटनी स्थित करौंदी में पारा 6.1डिग्री तक गिर गया है। मौसम विभाग ने भोपाल समेत प्रदेश के कई जिलों में शनिवार को शीतलहर का अलर्ट जारी किया। राजस्थान में 30 नवंबर तक शीतलहर चलेगी। इस दौरान पारा 4 से 6 डिग्री रह सकता है। वहीं, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में घने कोहरे का अलर्ट है। कश्मीर में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। श्रीनगर में पारा गिरकर -2डिग्री पर पहुंच गया। घाटी के ज्यादातर इलाकों में तापमान शून्य से नीचे जाने के कारण सरकार ने स्कूलों में फरवरी तक विंटर वेकेशन घोषित कर दिया है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घने कोहरे का अलर्ट है। बाकी राज्यों में मौसम साफ रहेगा। तापमान में बहुत ज्यादा बदलाव के आसार नहीं हैं। दिल्ली की हवा 13वें दिन भी 'खराब' कैटेगरी में रही। 24 घंटे का औसत एक्यूआई 226 दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा 15 नवंबर से लगातार 'खराब' कैटेगरी में बनी हुई है। सुबह के आंकड़ों के मुताबिक पीएम2.5 प्रदूषण में वाहनों से निकलने वाला धुआं सबसे बड़ा कारण रहा।



हमारी दो चिंताओं का समाधान हो जाएगा, यह बिल बुनियादी चिंता का समाधान नहीं करता

परिसीमन को लेकर कांग्रेस नेता चिदंबरम ने केंद्र सरकार से पूछे तीन बड़े सवाल

नई दिल्ली , एजेंसी । देश के पूर्व वित्तमंत्री और राज्य सभा से कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने परिसीमन बिल को लेकर एक्स पर पोस्ट में लिखा- प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक पेश कर दिया गया है। लोकसभा की कुल सीटों में प्रत्येक राज्य के मौजूदा आनुपातिक हिस्से को 25 सालों के लिए फ्रीज करने से हमारी दो चिंताओं का समाधान हो जाएगा। हालांकि, यह विधेयक पहली और सबसे बुनियादी चिंता का समाधान नहीं करता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चिदंबरम ने कहा कि कुल सीटों में प्रत्येक राज्य का आनुपातिक हिस्सा अहम है, लेकिन सीटों की वास्तविक संख्या भी मायने रखती है। इसके अलावा, लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़ने से प्रत्येक राज्य के भीतर निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करना होगा। इससे सरकार को राज्यों के भीतर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में मनमानी फेरबदल करने की खुली छूट मिल जाएगी। जैसा कि सरकार ने असम और जम्मू-कश्मीर में किया था। इस तरह सीटों का मनमाना बंटवारा बड़ा खतरा है।चिदंबरम ने एक्स पोस्ट के आखिर में लिखा- सरकार ने अभी तक हमारे मुख्य सवाल का जवाब नहीं दिया है। उन्होंने ये नहीं बताया कि लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या में ही महिलाओं के लिए 1/3 आरक्षण क्यों लागू नहीं किया जा सकता?

वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज कुमार झा ने संसद के विशेष सत्र को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसे परिसीमन नहीं, बल्कि लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करार दिया। झा ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष पर बाधा डालने के सत्तारूढ़ गठबंधन के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है।



सोमवार को विशेष सत्र की शुरुआत होने वाली है। इसके सवाल पर झा ने कहा कि संसद का मानसून सत्र कभी स्थगित नहीं किया गया था। तकनीकी रूप से यह अब भी मानसून सत्र ही है, जिसे शीतकालीन सत्र तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सवाल उठता है कि सरकार इस तरह के हथकंडों से क्या हासिल करना चाहती है? इसे परिसीमन नहीं कहिए। यह वास्तव में लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश है, जिसे बीजेपी असम में पहले ही आजमा चुकी है।

सीमा को लेकर चीन ने दिया दोहरा बयान, विशेषज्ञों ने बताया 'मीठी छुरी' चलाने जैसा

चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत या 'जंगनान' कहता आया है

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता चेन शी ने भारत-चीन सीमा को लेकर दोहरा बयान दिया, जिसे विशेषज्ञों ने 'मीठी छुरी' चलाने जैसा बताया। एक तरफ बीजिंग ने कहा है कि भारत-चीन सीमा पर हालात सामान्य तौर पर स्थिर हैं और दोनों देश शांति बनाए रखने के लिए सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने अरुणाचल प्रदेश को लेकर अपना पुराना और बेबुनियाद दावा दोहराया। चेन शी ने अपने मनगढ़ंत राज्य 'जंगनान' का नाम लेते हुए कहा कि वे अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं देते। यह बयान चीन की उस विस्तारवादी कहानी का हिस्सा है, जिसमें वह सीमा के हर इलाके को अपना बताता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक तरफ शांति और स्थिरता की बात करना और दूसरी तरफ भारत की संप्रभुता पर चोट करने की कोशिश करना, ड्रैगन की यह दोहरी चाल उसके असली इरादों को बेनकाब करती है। जब चीन कहता है कि सीमा पर हालात स्थिर हैं और बातचीत चल रही है, तो यह सकारात्मक लगता है, लेकिन जैसे ही वह अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताने और उसे न मानने की बात करता है, तो उसकी 'शांति की इच्छा' पर बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक अगर वाकई हालात स्थिर हैं और दोनों देश शांति चाहते हैं, तो फिर बीच-बीच में इस तरह के भड़काऊ और दावेदारी वाले बयान की जरूरत क्यों पड़ती है? अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन का यह रवैया दशकों पुराना है। चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत या 'जंगनान' कहता आया है। यह सब चीन की उस रणनीति का हिस्सा है जिसके जरिए वह सीमा इलाकों में अपना दबदबा दिखाना चाहता है। भारत के लिए अरुणाचल प्रदेश कोई विवादित इलाका नहीं, बल्कि देश का अभिन्न हिस्सा है। भारत सरकार और भारतीय सेना हर मंच पर यह बात साफ और सख्त शब्दों में कहती रही है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का था, है और हमेशा रहेगा, और किसी के कहने या न मानने से जमीनी हकीकत नहीं बदलती।

जानकारों का मानना है कि अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन की यह बेचैनी और बयानबाजी उसकी अपनी असुरक्षा और दबाव बनाने की नीति से जुड़ी है। हिमालयी क्षेत्र में



भारत की बढ़ती ताकत, सीमावर्ती इलाकों में बेहतर होती सड़क और बुनियादी ढांचे की कनेक्टिविटी और दुनिया के मंचों पर भारत की मजबूत होती स्थिति चीन को रास नहीं आती। अरुणाचल प्रदेश रणनीतिक रूप से बेहद अहम है और चीन के लिए हमेशा एक संवेदनशील बिंदु रहा है। जब भी चीन को लगता है कि भारत सीमा पर मजबूत हो रहा है या कूटनीति में आगे निकल रहा है, तब वह इस तरह के बयानों के जरिए अपनी दावेदारी जताकर दबाव बनाने की कोशिश करता है।

सीजेपी ने उठाए सवाल कहा- लो अब ज्ञानेश तय करेंगे चुनावी नक्शा !

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में परिसीमन को लेकर राजनीतिक बहस एक बार फिर तेज हो गई है। केंद्र सरकार संसद के आगामी विशेष सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े नए विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इस बीच, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की संभावित भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि परिसीमन विधेयक पारित हो जाता है, तो ज्ञानेश कुमार पूरे भारत की चुनावी सीमाओं को दोबारा तय करने की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएंगे और सवाल किया, क्या इसे निष्पक्ष परिसीमन कहा जा सकता है?

केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन विधेयक के अनुसार, कानून लागू होने के बाद एक परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश करेंगे। इस आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त या उनके द्वारा नामित चुनाव आयुक्त सदस्य होंगे। इस प्रस्ताव के तहत ज्ञानेश कुमार आयोग में सदस्य के तौर पर शामिल हो सकते हैं, जो निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण सामूहिक रूप से करेगा। यह आयोग लोकसभा और विधानसभा सीटों का पुनर्गठन तथा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करेगा। आयोग की सहायता के लिए राज्यों से लोकसभा सांसदों और विधायकों को सहयोगी सदस्य के तौर पर जोड़े जाने का भी प्रस्ताव है। ज्ञानेश कुमार पिछले कुछ महीनों से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में अन्य चुनाव आयुक्तों द्वारा मतदाता सूची से जुड़े कामकाज और निगरानी व्यवस्था पर आपत्ति दर्ज कराने का दावा किया गया था, जिसके बाद विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उनके इस्तीफे की मांग भी की थी। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज किया है। इस पृष्ठभूमि में परिसीमन प्रक्रिया में उनकी संभावित भूमिका को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

परिसीमन का अर्थ है जनसंख्या और अन्य मानकों के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण करना, जिसका उद्देश्य मतदाताओं के प्रतिनिधित्व में संतुलन कायम करना है। हालांकि, भारत में इसे लेकर राजनीतिक मतभेद रहे हैं। दक्षिण भारत के राज्यों को आशंका है कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने के कारण उनका संसद में प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। वहीं, विपक्षी दल परिसीमन प्रक्रिया में राजनीतिक पक्षपात या जेरीमेंडरिंग की आशंका जताते रहे हैं, जिसके तहत किसी राजनीतिक दल को चुनावी फायदा पहुंचाने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं तय की जाती हैं। इससे पहले, सरकार अप्रैल में परिसीमन और महिला आरक्षण से संबंधित विधायी पैकेज पेश किया था, लेकिन वह लोकसभा में आवश्यक विशेष बहुमत हासिल नहीं कर सका था। अब नए प्रस्ताव में लोकसभा की अधिकतम संख्या 850 और राज्य विधानसभाओं की अधिकतम संख्या 650 तक करने का प्रावधान किया गया है, जिसमें 50 फीसदी तक सीटों की वृद्धि संभव है। साथ ही, राज्यों के बीच लोकसभा सीटों के मौजूदा अनुपात को 2051 तक सुरक्षित रखने का भी प्रस्ताव है, ताकि जनसंख्या को लेकर दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को कुछ हद तक कम किया जा सके। परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करने की बात सामने आई है। संसद का विशेष सत्र 30 नवंबर से शुरू हो रहा है, जिसमें सरकार इन नए विधेयकों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी। ऐसे में परिसीमन आयोग की प्रस्तावित संरचना, मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के निर्धारण की प्रक्रिया आने वाले दिनों में देश की राजनीति का एक प्रमुख मुद्दा बनने वाली है।

महिला आरक्षण: मायावती ने किया स्वागत, एससी/एसटी महिलाओं के लिए अलग कोटे की मांग

लखनऊ , एजेंसी । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि, उन्होंने आरक्षण व्यवस्था के भीतर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिलाओं के लिए अलग से कोटे का प्रावधान करने की जोरदार मांग की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि बसपा शुरू से ही महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और राजनीति में उचित भागीदारी की प्रबल पक्षधर रही है और 33 प्रतिशत आरक्षण को जल्द लागू करने की मांग करती रही है। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम और भी न्यायपूर्ण तथा ऐतिहासिक होता यदि सदियों से शोषित, पीड़ित और उपेक्षित रही, खासकर एससी और एसटी समाज की महिलाओं के लिए, इसी व्यवस्था में अलग से आरक्षण दिया जाता। उनका तर्क था कि ऐसा करने से इन वर्गों की महिलाओं को चुनावी राजनीति में समान मौका और उचित प्रतिनिधित्व मिल पाता।

चीन की मदद से पाकिस्तान बढ़ा रहा अंतरिक्ष निगरानी क्षमता

सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने चेताया और बोले- भारत को 52 सैटेलाइट कार्यक्रम तेज करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत की सुरक्षा चुनौतियां अब जमीन, समुद्र और हवा के साथ-साथ अंतरिक्ष तक फैल चुकी हैं। चीन की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमता और पाकिस्तान को मिल रही संभावित तकनीकी मदद के बीच भारत को अपनी अंतरिक्ष आधारित निगरानी व्यवस्था और मजबूत करने की जरूरत है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा है कि चीन की मदद से पाकिस्तान की खुफिया, निगरानी और लक्ष्य पहचान क्षमता बेहतर हो सकती है। इसके मद्देनजर भारत अपने- 52 निगरानी उपग्रहों वाले स्पेस बेस्ड सर्विलांस (एसबीएस-3) कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है।

नई दिल्ली स्थित विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन में आयोजित 'विमर्श ऑन फ्यूचर ऑफ वारफेयर एंड इंडियाज प्रिपेयर्डनेस टू कंडक्ट मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस' कार्यक्रम में सीडीएस ने अंतरिक्ष आधारित युद्ध की बदलती चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की अंतरिक्ष क्षमता चीन की मदद से बढ़ रही है। पाकिस्तान का अंतरिक्ष संगठन सुपार्को भी अपनी स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने में जुटा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को इस संभावना को ध्यान में रखना चाहिए कि तुर्किये भी पाकिस्तान की मदद कर सकता है। जनरल सुब्रमणि के मुताबिक, चीन की आईएसआर (इंटेलिजेंस, सर्विलांस एंड रिकॉन्सेंस) और पीएनटी (पोजिशनिंग, नेविगेशन एंड टाइमिंग) क्षमताओं का लाभ पाकिस्तान को मिल सकता है। इससे वह भारतीय सैन्य ठिकानों, सीमावर्ती गतिविधियों और सैन्य संसाधनों की निगरानी में बेहतर स्थिति हासिल कर सकता है।

एसबीएस-3 में 52 निगरानी उपग्रह

भारत के एसबीएस-3 कार्यक्रम के तहत 52 निगरानी उपग्रह तैनात करने की योजना है। इनमें इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सेंसर और सिंथेटिक अपर्चर रडार (एसएआर) जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। ऑप्टिकल सेंसर तस्वीरों के जरिए निगरानी करेंगे, जबकि एसएआर आधारित उपग्रह बादल और अंधेरे जैसी परिस्थितियों में भी जमीन की निगरानी करने में सक्षम होंगे। इन्हें लो-अर्थ ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा और कार्यक्रम को मूल रूप से 2029 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सीडीएस ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब थल, जल और वायु तक सीमित नहीं है। अंतरिक्ष, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध भी सैन्य अभियानों के अहम हिस्से बन चुके हैं। भारत इसी बहु-क्षेत्रीय युद्ध क्षमता को मजबूत करने की दिशा में अपनी तैयारियां आगे बढ़ा रहा है।

हार का सिलसिला खत्म.... चर्चिल ब्रदर्स एससी की रोमांचक जीत

पुणे, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 के 35वें मुकाबले में, चर्चिल ब्रदर्स एससी ने इंटर काशी को 1-0 से हराकर अपनी लगातार चार हार के सिलसिले को खत्म किया। एक कड़े मुकाबले में सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी ट्रिजॉय डायस (53वें मिनट) ने विजयी गोल दागा। इस जीत के साथ 'रेड मशीन्स' ने मौजूदा सीजन में अपनी पहली 'अवे' (घर से बाहर) जीत दर्ज की। 'रेड मशीन्स' 6 मैचों में 6 अंकों के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई है, जबकि इंटर काशी 1 अंक के साथ सबसे निचले पायदान पर बनी हुई है। शुक्रवार को पुणे के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मैच के पहले हाफ में चर्चिल ब्रदर्स के पास गेंद पर ज्यादा नियंत्रण (पजेशन) रहा, लेकिन वे मौके बनाने में संघर्ष करते दिखे। वहीं, इंटर काशी के खेल में भी आक्रामक धार की कमी दिखी। मैच की शुरुआत में डिफेंडर जोसेफ ओकोरो ने कुछ अहम बचाव करते हुए आयुष छिकारा और थोई सिंह को गोल करने से रोका। यह मुकाबला



काफी तेज गति और शारीरिक जोर-आजमाइश वाला रहा। एक मौके पर बोगदान मैंडिच से टकराने के बाद वेन वाज को सिर में चोट लग गई, जिसके इलाज में काफी समय लगा।

हाफ-टाइम के करीब खिलाड़ियों के बीच तनाव भी देखने को मिला, जब जितेंद्र सिंह और सेबेस्टियन गुटिरेज के बीच तीखी बहस हो गई। दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद दोनों टीमों ने अधिक आक्रामक रुख अपनाया। अनिल रामा गांवकर ने एक जोरदार शॉट के जरिए इंटर काशी के गोलकीपर एल्बिनो गोम्स की परीक्षा ली, और कुछ ही देर बाद चर्चिल ब्रदर्स को सफलता मिल गई। गांवकर ने अपने हाफ में गेंद हासिल की और एक डायगोनल पास के जरिए ड्रामेन सालू को गेंद पहुंचाई। मिडफील्डर सालू ने गेंद को गुटिरेज की तरफ बढ़ाया, जिन्होंने बाईं ओर खड़े ट्रिजॉय को एक बेहतरीन 'थ्रू बॉल' दी। ट्रिजॉय ने एक लो-शॉट (जमीन के करीब से शॉट) लगाकर गोल किया और अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

फुटबॉल

गोलकीपर इंगवार जोनसन का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। आइसलैंड के पूर्व गोलकीपर इंगवार जोनसन का 37 साल की उम्र में निधन हो गया। वह 2016 यूरोपीय चैंपियनशिप में आइसलैंड की टीम का हिस्सा थे, जिसने प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया था। आइसलैंड फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर इंगवार जोनसन का 37 साल की उम्र में निधन हो गया। वह 2016 में हुए यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2016) में आइसलैंड की टीम का हिस्सा थे। इसी टूर्नामेंट में आइसलैंड ने प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जोनसन के निधन की जानकारी उनके पूर्व क्लब विकिंगुर ने दी।



WWE को लगा बड़ा झटका.... 38 साल के ब्रॉनसन रीड का निधन



नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट यानी डब्ल्यूडब्ल्यूई की दुनिया से एक दुखद खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई रेसलर ब्रॉनसन रीड का 38 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनका असली नाम जर्मेन हेली था। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने शनिवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक, रीड का निधन मेडिकल कॉम्प्लिकेशंस के कारण हुआ। वह कुछ सप्ताह पहले ही क्राउन ज्वेल इवेंट में नजर आए थे। इस दौरान उन्हें गंभीर चोटें लगी थीं। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने अपने बयान में कहा, 'हमें यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई फैंस के बीच ब्रॉनसन रीड के नाम से पहचाने जाने वाले जर्मेन हेली का आज निधन हो गया।' कंपनी ने उन्हें बड़े व्यक्तित्व वाला इंसान, शानदार व्यक्ति, समर्पित पारिवारिक सदस्य और अपने साथियों का चहेता बताया।

क्राउन ज्वेल में चोटिल हुए थे ब्रॉनसन रीड

रीड का निधन क्राउन ज्वेल इवेंट के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। सात नवंबर को सऊदी अरब में हुए इस इवेंट में वह किसी मुकाबले का हिस्सा नहीं थे, लेकिन टैग टीम चैंपियनशिप मैच के दौरान रिंग के बाहर अपने साथियों के साथ वह दिखे थे। यह मुकाबला द विजन के ब्रॉन ब्रेकर और ऑस्टिन थ्योरी और पेंटा और जे'वॉन इवांस के बीच था। रीड ने अपने साथियों की मदद करने की कोशिश की, लेकिन ओबा फेमी ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद फेमी ने रीड को स्टेज से नीचे प्रोडक्शन उपकरणों वाले हिस्से की ओर पटक दिया।इस घटना के बाद रीड को गंभीर चोटें आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी पसलियां टूट गई थीं और किडनी में भी चोट लगी थी। उन्हें इलाज के लिए सऊदी अरब में रुकना पड़ा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डब्ल्यूडब्ल्यूई के मेडिकल स्टाफ के सदस्य भी उनकी देखभाल के लिए वहां मौजूद थे। हालांकि, डब्ल्यूडब्ल्यूई ने अपने आधिकारिक बयान में रीड की मौत को क्राउन ज्वेल में लगी चोटों से नहीं जोड़ा है। कंपनी ने मेडिकल कॉम्प्लिकेशंस को ही निधन की वजह बताया है।

चोट से उबरकर की थी डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी

ब्रॉनसन रीड इस साल फरवरी से सितंबर तक रिंग से दूर रहे थे। उन्हें बाइसेप्स में चोट लगी थी, जिसके कारण वह कई महीनों तक मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सके। इस दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस पर काम किया और सितंबर में वापसी की। उनकी वापसी को करियर का नया अध्याय माना जा रहा था। वह डब्ल्यूडब्ल्यूई की स्टोरीलाइन में सक्रिय थे और द विजन का हिस्सा बनकर नजर आ रहे थे। क्राउन ज्वेल में चोटिल होने से पहले वह लगातार मुकाबलों और शो का हिस्सा बन रहे थे। 38 साल की उम्र में उनका निधन रेसलिंग जगत के लिए बड़ा झटका है। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने उन्हें सिर्फ एक शानदार रेसलर ही नहीं, बल्कि एक अच्छे इंसान और समर्पित पारिवारिक सदस्य के रूप में भी याद किया।

हॉकी इंडिया के चुनाव का रास्ता साफ

5 दिसंबर को होगा मतदान, सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा हाईकोर्ट के आदेश किए रद्द

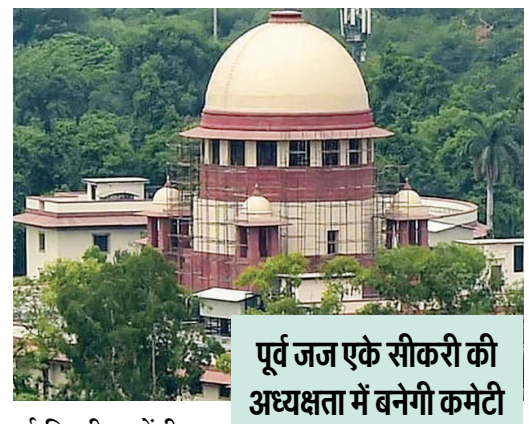

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया का बहुप्रतीक्षित चुनाव अब 5 दिसंबर को ही होगा। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को चुनाव प्रक्रिया पर लगी रोक हटाते हुए ओडिशा हाईकोर्ट के 6 और 18 नवंबर के दोनों आदेशों को रद्द कर दिया। इसके साथ ही देश में हॉकी के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाली संस्था के चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की पीठ ने हॉकी इंडिया की ओर से हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को जारी किए गए दोनों कारण बताओ नोटिस भी वापस ले लिए। इन नोटिस के जरिए ओडिशा की संस्था को स्थायी सदस्य से सहयोगी सदस्य बनाने का प्रस्ताव दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि खिलाड़ियों के हितों को किसी भी सूरत में प्रभावित नहीं होने दिया जा सकता। खिलाड़ी मैदान पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में चुनावी विवाद के कारण उनके भविष्य और देश के हितों को खतरे में नहीं डाला जा सकता।

पूर्व जज एके सीकरी की अध्यक्षता में बनेगी कमेटी

सुप्रीम कोर्ट ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की शिकायतों के समाधान के लिए पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस एके सीकरी की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है। पीठ ने कहा कि ओडिशा की संस्था की ओर से ओडिशा हाईकोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं का निपटारा किया जाएगा। इसके बावजूद यदि कोई शिकायत या आपत्ति बाकी रहती है तो उसका समाधान यह कमेटी करेगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने हॉकी इंडिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को स्पष्ट किया कि कारण बताओ नोटिस वापस लेने होंगे और मुकदमेबाजी को चुनाव के रास्ते में नहीं आने दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय संबद्धता पर पड़ सकता था असर

हॉकी इंडिया की ओर से पेश मुकुल रोहतगी ने अदालत को बताया कि यदि निर्धारित तारीख पर चुनाव नहीं होते हैं तो अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के साथ संस्था की संबद्धता पर असर पड़ सकता है। इस पर पीठ ने कहा कि हॉकी देश का राष्ट्रीय खेल है और इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी शामिल हैं। अदालत किसी भी ऐसी स्थिति की अनुमति नहीं देगी, जिससे चुनाव प्रक्रिया बाधित हो या खिलाड़ियों के हित प्रभावित हों। पीठ ने कहा कि चुनाव समय पर होना जरूरी है, क्योंकि इसमें देरी से देश की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी और हॉकी से जुड़े हितों पर असर पड़ सकता है।

अध्यक्ष और महासचिव के बीच विवाद से अटकी थी चुनाव प्रक्रिया

हॉकी इंडिया में पिछले कुछ समय से अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोला नाथ सिंह के बीच प्रशासनिक फैसलों, कार्यप्रणाली और कार्यकारी समिति की बैठकों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी खींचतान के चलते चुनाव प्रक्रिया भी कानूनी विवाद में उलझ गई थी। विवाद उस समय और बढ़ गया जब अगस्त में एफआईएच विश्व कप से पहले भारतीय टीमों की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर भगवा कर दिया गया था। दिलीप टिर्की ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह निर्णय उनकी जानकारी और कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी के बिना लिया गया। वहीं, भोला नाथ सिंह का कहना था कि अध्यक्ष को इस फैसले की जानकारी थी और निर्धारित प्रक्रिया के तहत मंजूरी ली गई थी। इसके बाद 6 अक्टूबर को हुई हॉकी इंडिया की 120वीं कार्यकारी समिति की बैठक को लेकर भी विवाद सामने आया। टिर्की ने आरोप लगाया था कि महासचिव ने अध्यक्ष की पूर्व अनुमति और परामर्श के बिना बैठक बुलाई थी। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी इंडिया की 120वीं कार्यकारी समिति की बैठक के मिनट्स और 7 अक्टूबर को जारी कारण बताओ नोटिस को चुनौती दी थी। ओडिशा एसोसिएशन का तर्क था कि हॉकी इंडिया की मौजूदा कार्यकारी समिति का कार्यकाल 30 सितंबर को ही समाप्त हो चुका था। ऐसे में उसके द्वारा जारी किया गया कारण बताओ नोटिस कानूनी रूप से उचित नहीं था।

टीम इंडिया के लिए खराब रहा दूसरा दिन

क्राइस्टचर्च में संकट में टीम इंडिया... खराब फील्डिंग के बाद बल्लेबाजी भी हुई पस्त

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 116 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की पहली पारी 356 रन पर समाप्त हुई थी। इस लिहाज से भारत 240 रन पीछे है। फिलहाल ध्रुव जुरेल सात रन बनाकर नाबाद हैं। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने भारत के शीर्ष क्रम और मध्य क्रम को झकझोर कर रख दिया। टीम इंडिया नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। वॉशिंगटन सुंदर (10) के रूप में भारत को छठा झटका लगा और इसी के साथ अंपायर ने दिन के खेल को खत्म करने की घोषणा की।

भारत के लिए दूसरा दिन अच्छा नहीं रहा। पहले भारतीय फील्डर्स ने आकाश दीप की गेंद पर कुछ आसान कैच छोड़े। हालांकि, आकाश दीप ने पांच विकेट जरूर झटके। इसके अलावा कुछ रन आउट के मौके भी गंवाए गए और गेंद के किनारे लेकर कुछ शॉट फील्डरों के सामने गिर गए। इन गलतियों के कारण भारत ने कम से कम 50 अतिरिक्त रन दिए। इसके बाद रही सही कसर भारतीय बल्लेबाजों ने पूरी कर दी। अब भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है। न्यूजीलैंड के सभी तेज गेंदबाजों ने विकेट लिए हैं और उनकी नजर पहली पारी में बड़ी बढ़त हासिल करने पर होगी। अब देखना होगा कि कल मुकाबले में क्या होता है।

भारत की पहली पारी

भारत को पारी के पहले ही ओवर में शून्य पर पहला झटका लगा। मैट हेनरी ने यशस्वी जायसवाल को क्लीन बोल्ड किया। यशस्वी खाता नहीं खोल सके। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने केएल राहुल के साथ मिलकर पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को काइल जेमीसन ने तोड़ा। उन्होंने पडिक्कल को विकेटकीपर ब्लंडेल के हाथों कैच कराया। पडिक्कल 20 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 21 रन बना सके।जेमीसन ने इसके बाद कप्तान शुभमन गिल को टॉम लाथम के हाथों कैच कराया। गिल 29 गेंद में तीन चौके की मदद से 17 रन बना सके। गिल और राहुल के बीच 26 रन की साझेदारी हुई। फिर ऋषभ पंत ने मैदान पर आक्रामक शॉट्स लगाए, लेकिन बड़े शॉट के चक्कर में वह एक बार फिर विकेट गंवा बैठे। पंत ने 39 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए। पंत और राहुल के बीच 37 रन की साझेदारी हुई। उन्हें जैकब डफी ने जेमीसन के हाथों कैच कराया।इसके बाद डफी ने केएल राहुल कॉनवे के हाथों कैच कराया। राहुल 80 गेंद में तीन चौके की मदद से 25 रन बना सके। इसके बाद से सुंदर और जुरेल ने संभल कर बल्लेबाजी की। दोनों ने भले ही 12 रन जोड़े लेकिन इसके लिए 91 गेंदें खेलीं। हालांकि, नाथन स्मिथ ने सुंदर को लाथम के हाथों कैच कराया और पवेलियन भेजा। सुंदर 10 रन बना सके। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भारत के लिए यह टेस्ट जीतना बहुत जरूरी है। हार या ड्रॉ रहने पर भारत फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो जाएगा। साथ ही गिल एंड कंपनी को यह भी ध्यान रखना है कि भारत को चौथी पारी में बल्लेबाजी करनी है।



110 रन बनाने में बाकी के पांच विकेट गंवाए

दूसरे सत्र में आकाश दीप की गेंद पर गुरनूर बराड़ ने हेनरी का आसान कैच छोड़ा। इसके बाद 346 के स्कोर पर न्यूजीलैंड को नौवां झटका लगा। भले ही आकाश दीप की गेंद पर भारतीय फील्डर्स ने कैच छोड़े, लेकिन उन्होंने गुरनूर की गेंद पर टॉम ब्लंडेल का कैच लपक लिया। इसके साथ ही ब्लंडेल की 211 गेंद में 89 रन की जुझारू पारी का अंत हुआ। वह शतक से 11 रन दूर रह गए। उनकी पारी में 10 चौके शामिल रहे। इसके बाद आकाश दीप ने मैट हेनरी को आउट कर पारी को समेट दिया। हेनरी 25 गेंद में 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आज न्यूजीलैंड ने 110 रन बनाने में अपने बाकी के पांच विकेट गंवा दिए। भारत की ओर से आकाश दीप के अलावा अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर को एक विकेट मिला।

न्यूजीलैंड के नाम दूसरा दिन

शनिवार यानी दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 246 रन से आगे खेलना शुरू किया। आज के दूसरे ही ओवर में अंशुल कंबोज ने ग्लेन फिलिप्स को आउट कर झटका दिया। फिलिप्स 67 गेंद में पांच चौके की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने ब्लंडेल के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद ब्लंडेल ने नाथन स्मिथ के साथ सातवें विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को आकाश दीप ने तोड़ा। आकाश ने स्मिथ का कैच अपनी ही गेंद पर लपका। वह 45 गेंद में चार चौके की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद काइल जेमीसन ने ब्लंडेल के साथ 33 रन की साझेदारी निभाई। आकाश ने फिर जेमीसन को यशस्वी के हाथों कैच कराया। जेमीसन ने 19 रन बनाए।

न्यूजीलैंड बनाम ऑस्ट्रेलियाई

नाथन और लाबुशेन को टीम में मौका नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड से 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार (28 नवंबर) को टीम का ऐलान कर दिया। दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन और मार्नस लाबुशेन को बाहर कर दिया गया है। जैक क्लेटन और कोरी रोकिचिओली को 13 सदस्यीय टीम में पहली बार टेस्ट के लिए चुना गया है। क्वींसलैंड के बल्लेबाज क्लेटन को शेफील्ड शील्ड में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का इनाम मिला है, जबकि वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर रोकिचिओली को घरेलू क्रिकेट और ऑस्ट्रेलिया ए के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की बदौलत पैट कमिंस की कप्तानी वाली इस टीम में जगह मिली है। 27 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज क्लेटन ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 40.17 के औसत से 2732 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और 16 अर्धशतक शामिल हैं। शेफील्ड शील्ड के मौजूदा सीजन में, उन्होंने नौ पारियों में 74.83 की औसत से 449 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।



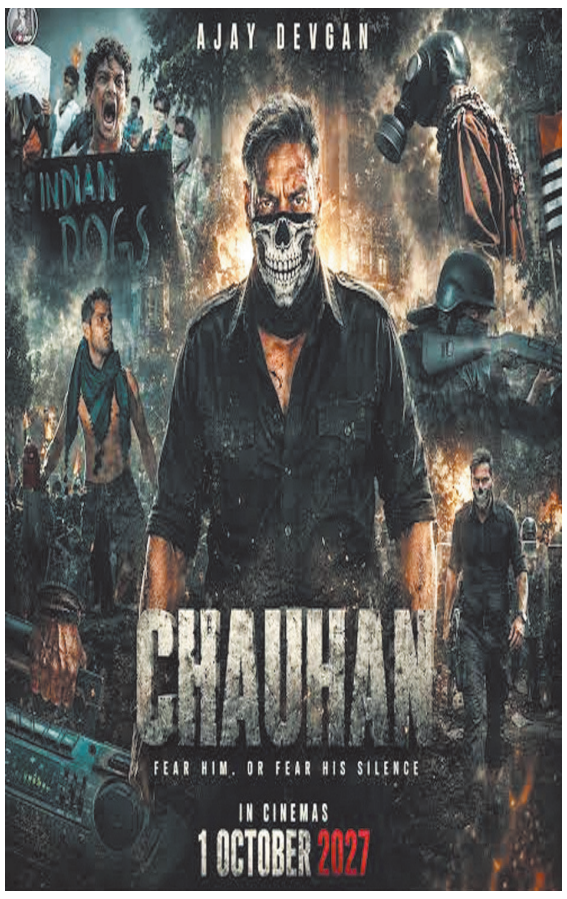

अजय स्टारर 'चौहान' में है रियल मिलिट्री ऑपरेशन जैसा ट्रीटमेंट

अजय देवगन इन दिनों एक साथ कई दिलचस्प प्रोजेक्ट में व्यस्त हैं। एक तरफ 'गोलमाल 5' और 'रेंजर' जैसी फिल्मों को लेकर चर्चा है, वहीं दूसरी तरफ वह एक ऐसी अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं, जिसमें उनका किरदार एक मिलिट्री ऑफिसर का बताया जा रहा है। इस फिल्म की कहानी और पूरी कास्ट को फिलहाल गोपनीय रखा गया है, लेकिन अजय की टीम से जुड़े सूत्र ने शूटिंग और एक्शन डिजाइन को लेकर कुछ अहम जानकारियां साझा की हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का एक शेड्यूल कारगिल में लगभग 20 दिनों तक चला है। खास बात यह है कि इस बार एक्शन को जरूरत से ज्यादा फिल्मी बनाने के बजाय वास्तविक सैन्य परिस्थितियों के करीब रखने की कोशिश की जा रही है।

एक्शन में हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट, फायरिंग और सैन्य अभियानों से जुड़े सीक्वेंस होंगे

चूंकि फिल्म की कहानी का बैकड्रॉप भारतीय सेना से जुड़ा है और इसके एक्शन में हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट, फायरिंग और सैन्य अभियानों से जुड़े सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। हालांकि, मेकर्स इसे सामान्य कमर्शियल एक्शन फिल्म की तरह पेश नहीं करना चाहते। एक्शन को वास्तविक सैन्य परिस्थितियों के करीब रखने पर जोर दिया जा रहा है। सूत्र के मुताबिक, इसमें फिल्मी अंदाज वाला एक्शन नहीं होगा, बल्कि मुकाबले और सैनिकों की गतिविधियों को ज्यादा वास्तविक तरीके से दिखाया जाएगा। इसके लिए प्रॉपर सेना के विशेषज्ञों से मेकर्स ने मदद ली है।

जर्मनी और स्पेन से जुड़े एक दिग्गज एक्शन डायरेक्टर स्टीफन रिक्टर भी कर रहे काम

फिल्म के एक्शन की जिम्मेदारी भारतीय एक्शन डायरेक्टर आरपी यादव संभाल रहे हैं। वहीं उनके साथ जर्मनी और स्पेन से जुड़े एक्शन विशेषज्ञ स्टेफन रिक्टर भी काम कर रहे हैं। उनके पिछले कामों में 'शेरशाह', 'उरी', 'शिवाय' और 'अमरन' जैसी फिल्में शामिल हैं। जैसा कि मिलिट्री बैकग्राउंड की फिल्म में हथियारों के इस्तेमाल, सैनिकों की बॉडी लैंग्वेज और मुकाबले की तकनीक को विश्वसनीय बनाना चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में भारतीय और विदेशी विशेषज्ञों की यह टीम एक्शन को कहानी के परिवेश के अनुरूप तैयार कर रही है।

कारगिल के लाल चौक जैसे इलाकों में हुआ शूट

फिल्म का एक अहम शेड्यूल कारगिल में करीब 20 दिनों तक शूट किया गया है। इस दौरान कारगिल के लाल चौक जैसे इलाकों में भी शूटिंग हुई। पहाड़ी क्षेत्र और वहां की भौगोलिक परिस्थितियां फिल्म के मिलिट्री बैकड्रॉप के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। फिलहाल टीम को दिवाली का ब्रेक दिया गया है। सूत्र के मुताबिक, कलाकार और क्रू मुंबई लौट आए हैं। करीब एक सप्ताह से 10 दिनों के ब्रेक के बाद अगला शेड्यूल शुरू करने की तैयारी है। हालांकि, अगली शूटिंग लोकेशन अभी तय नहीं हुई है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी डीओपी असीम बजाज संभाल रहे हैं।

'रेंजर' का भी काफी हिस्सा शूट हो चुका है, जंगल और एडवेंचर पर बेस्ड है

वहीं सूत्रों के मुताबिक, अजय की 'रेंजर' की रिलीज भी अगले साल हो सकती है। इस फिल्म का काफी हिस्सा शूट हो चुका है और कुछ काम बाकी बताया गया है। ऐसे में मेकर्स की ओर से अंतिम शूटिंग और पोस्ट प्रोडक्शन की योजना तय होने के बाद ही रिलीज को लेकर स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। फिल्म में अजय के लुक को लेकर भी कहा जा रहा है कि एक्टर का लुक पूरी तरह क्लीन शेव नहीं होगा बल्कि हल्की दाढ़ी या अलग तरह की यूमिंग स्टाइल देखने को मिल सकती है।





दिल की बेवफाइयां में मेरा सबसे मुश्किल किरदार है

अभिनेता गौरव खन्ना जल्द ही एकता कपूर के आगामी शो 'दिल की बेवफाइयां' में मानव का मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि यह किरदार उनके अब तक के सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है। अभिनेता ने बातचीत में अपने अभिनय के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि किसी भी एक्टर के लिए उनका नया काम कुछ अलग होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मानव मेरे लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है और मुझे विश्वास है कि जानकी, जिसका किरदार श्रद्धा निभा रही हैं। उनके लिए भी यह किरदार उतना ही चुनौतीपूर्ण है। हम आसानी से कोई भी रोमांटिक कहानी चुन सकते थे, जो हम दोनों पहले कर चुके हैं।, जिसमें हीरो बाइक पर आता है और हीरोइन का दुपट्टा उड़ता है। इसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन एक एक्टर के तौर पर मुझे लगता है कि आपका मौजूदा काम आपके पिछले काम से कुछ अलग होना चाहिए और यही चीज इस सफर को दिलचस्प बनाए रखती है।

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सच में उम्मीद है कि हमारी कहानी सही ऑडियंस तक पहुंचेगी, क्योंकि लोग इसके किरदारों से खुद को जोड़ पाएंगे। आपको इन किरदारों की झलक अपने मोहल्ले, ऑफिस और यहां तक कि अपने परिवार में भी मिल जाएगी।' शो 'दिल की बेवफाइयां' एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा है, जो शादी के 20 साल बाद पति-पत्नी के रिश्ते और उनकी अलग-अलग सोच को दिखाता है। शो में शादीशुदा रिश्ते की भावनाओं और अनकही बातों पर सवाल उठाया गया है, जहां एक के लिए सब 'काफी' है, वहीं दूसरे के दिल में 'काश' की भावना है। कहानी के विषय पर बात करते हुए गौरव ने कहा, 'बचपन में जब हमें 60 प्रतिशत नंबर मिलते थे तो हम अपनी मां से शिकायत करते थे कि 80 क्यों नहीं आए। जब 80 आए तो सोचते हैं कि 100 क्यों नहीं आए। वैसे ही, छोटी गाड़ी चलाने वाला बड़ी गाड़ी चाहता है। इंसान की इच्छाएं कभी खत्म ही नहीं होतीं। कहानी इसी बारे में है कि जिंदगी ने हमें जो 80 प्रतिशत दिया है, उसे 100 प्रतिशत बनाने की कोशिश में हम कभी-कभी वो भी गंवा बैठते हैं, जो हमारे पास पहले से है। ये इंसान की फितरत, महत्वाकांक्षा और रिश्तों पर एक बहुत ही रियलिस्टिक कहानी है।



'पेद्दी' के विवाद पर बोलीं श्रुति हासन

मैं कंफर्टेबल नहीं...

'पेड्डी' की रिलीज के बाद से फिल्म में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के सीन फिल्माये जाने पर काफी विवाद हुआ था। इसी फिल्म के एक डांस नंबर श्रुति हासन, राम चरण और जाह्नवी कपूर थे। अब कमल हासन की बेटी ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म में विशेष भूमिका निभाने के लिए रजामंद क्यों हुई।

एक्ट्रेस ने असहजता पर क्या कहा?

अभिनेत्री श्रुति हासन ने डांस और उसमें खुद को फिल्माये जाने पर गलाटा प्लस से बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यह सवाल पूछा है कि फिल्मों में विशेष डांस सीन्स की क्या जरूरत होती है। मुझे नृत्य करना पसंद है, मैं यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं। मुझे सजने-संवरने में भी आनंद आता है। और यही मेरा नजरिया है। विशेष सीन्स के प्रति मेरा दृष्टिकोण मेरे लिए बहुत ही आसान रहा है। मैं कभी भी किसी भी रूप में किसी की चापलूसी करने वाली नहीं रही हूं। इसलिए, जब मुझे किसी चीज से असहजता होती है, तो मैं कह देती हूं कि मैं इसे नहीं पहनूंगी। अगर मुझे असहजता होती है, तो मैं वह नहीं करूंगी। इस बारे में मेरी बहस भी हुई है। इस वजह से मेरी आलोचना भी हुई है। मगर मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'

एक्ट्रेस महिलाओं के चित्रण पर क्या कहा?

अपनी बातचीत में आगे श्रुति हासन ने कहा, मैं इस विषय पर हो रही चर्चा को समझती हूं। लेकिन सच कहूं तो, मेरा नजरिया यह है। मुझे डांस करने में आता है, मुझे कोरियोग्राफी करने में मजा आता है, मुझे बोल्ड दिखने में मजा आता है। यह किसी तरह की चापलूसी भरी नजर से नहीं है। क्या यह सिर्फ आइटम सॉन्ग में ही होता है? मेरा मतलब है, हम कई तरह से चापलूसी कर सकते हैं। सिर्फ आइटम सॉन्ग में छोटे कपड़े पहनने से ही नहीं। हम आजकल एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां हर तरफ चापलूसी ही है। तो आप अपनी पसंद के अनुसार चापलूसी करें या न करें।'

जान्हवी ने 'पेद्दी' विवाद पर क्या कहा

बीते दिनों अभिनेत्री जान्हवी कपूर 'कॉफी विद करण' में महमान बनकर पहुंची थीं। वहां उन्होंने 'पेद्दी' विवाद पर अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को देखकर मेरी मन को गहरा दुख होता है। यह शर्मिंदगी मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और सतर्क हो सकती थी? बिल्कुल हां। क्या इसने महिलाओं को गलत तरह दिखाया? हां। लेकिन मैं सिर्फ इतना कर सकती हूं कि यह ध्यान रखूंगी कि ऐसा दोबारा न हो।'





वक्त के साथ नहीं बदले तो कोई और आपकी जगह ले लेगा

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी मनोरंजन जगत में पिछले 14 साल से सक्रिय हैं। उन्होंने तमिल फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की और हिंदी सिनेमा, टेलीविजन और अब ओटीटी तक का सफर तय किया है। इस दौरान उन्होंने खुद को वक्त के साथ ढाला और नए मौकों के अनुसार अपने काम करने का तरीका भी बेहतर किया। अभिनेत्री का कहना है कि इंडस्ट्री में लंबे समय तक अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार मेहनत करने के साथ बदलाव को अपनाना भी जरूरी है। अगर कोई कलाकार समय के साथ खुद को अपडेट नहीं करता, तो उसकी जगह कोई दूसरा ले सकता है। टीसीईएल 2027 के मौके पर आईएएनएस से खास बातचीत में आकांक्षा ने इंडस्ट्री में बने रहने का अपना मंत्र साझा किया। उन्होंने बताया कि उनके लिए कंसिस्टेंसी सबसे ज्यादा मायने रखती है। एक कलाकार को लगातार खुद पर काम करते रहना चाहिए, क्योंकि समय के साथ अभिनय से लेकर मेकअप और हेयरस्टाइल तक बहुत कुछ बदल जाता है। आकांक्षा ने कहा, ''मुझे लगता है कि कंसिस्टेंसी ही सबसे जरूरी है। आपको लगातार खुद पर काम करते रहना चाहिए। मैं पिछले 14 साल से इंडस्ट्री में हूं, लेकिन 13-14 साल पहले जिस तरह का मेकअप और हेयरस्टाइल होता था या जिस तरह की एक्टिंग होती थी, वह आज काम नहीं करती। आज सोशल मीडिया है। आपको हर चीज के लिए तैयार रहना होगा और हर बदलाव को खुले दिल से अपनाना होगा, वरना आप पीछे रह जाएंगे। हमने भी यही किया। खुद को अपडेट किया, अपने ऊपर काम जारी रखा और हर बदलाव को स्वीकार किया।''

अभिनेत्री ने बातचीत में अपने करियर के अलग-अलग पड़ावों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनका सफर किसी एक इंडस्ट्री या प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने साउथ फिल्मों से शुरुआत की, फिर हिंदी सिनेमा और टेलीविजन में काम किया और अब ओटीटी पर भी अपनी पहचान बना रही हैं। उन्होंने कहा, ''आज मैं ओटीटी पर काम कर रही हूं। इससे पहले मैं टेलीविजन पर काम कर रही थी और उससे पहले साउथ में काम कर रही थी। इसलिए आपको यह स्वीकार करना होगा कि समय बदल रहा है। अगर आप वक्त के साथ नहीं बदलेंगे, तो आपकी जगह कोई दूसरा ले लेगा। मैं लगातार खुद पर काम करती हूं और बदलाव को स्वीकार करती हूं। यही चीज मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।'' आकांक्षा के फिल्मी सफर की बात करें, तो उन्होंने साल 2013 में तमिल फिल्म 'एलेक्स पांडियन' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके दो साल बाद 2015 में उन्होंने मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इस फिल्म में उनके काम ने उन्हें हिंदी दर्शकों के बीच पहचान दिलाई। हालांकि, आकांक्षा को घर-घर में पहचान टीवी शो 'विघ्नहर्ता गणेश' में माता पार्वती के किरदार से मिली। इस पौराणिक शो में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद वह रियलिटी शो 'मीका दी वोटी' और 'बिग बॉस ओटीटी' में भी नजर आईं। हिंदी के अलावा, आकांक्षा तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

हुमा स्टारर 'बयान' सीधे ओटीटी पर होगी स्ट्रीम

हुमा कुरैशी की फिल्म 'बयान' अब सिनेमाघरों के बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। प्लेटफॉर्म ने फिल्म के डिजिटल राइट्स हासिल कर लिए हैं। फिल्म दिसंबर 2026 या जनवरी 2027 में स्ट्रीम हो सकती है। हालांकि, मेकर्स ने अभी रिलीज की आधिकारिक डेट घोषित नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, जी5 को फिल्म की कहानी और कलाकारों का अभिनय पसंद आया है। प्लेटफॉर्म को उम्मीद है कि यह फिल्म बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित कर सकती है। फिल्म में हुमा राजस्थान की एक नई पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं। वह एक ऐसे पंथ प्रमुख के खिलाफ जांच करती हैं, जिस पर अपने आश्रम में कई लड़कियों के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। फिल्म की कहानी महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को उठाती है।



पोस्टपोन हुई रश्मिका की फिल्म 'मैसा'

साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मैसा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह था और रश्मिका ने इसकी प्रमोशन भी शुरू कर दी थी। फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन रिलीज से पहले मेकर्स ने इसकी रिलीज टालने का एलान कर दिया है। हैरानी की बात यह है कि खुद रश्मिका मंदाना को भी फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट की जानकारी नहीं है। मेकर्स के मुताबिक, 'मैसा' को भी एक खास और तकनीकी रूप से शानदार एक्शन फिल्म के तौर पर तैयार किया गया है, जिसे दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक अलग अनुभव देने के मकसद से बनाया गया है।



घर के लिए खुद तैयार करें स्पैशल कर्टेन

घर छोटा हो या बड़ा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन यह स्टाइलिश और अच्छे तरीके से सजा-संवरा होना चाहिए ताकि घर का कोना-कोना आपको आकर्षित करें। बढ़िया पेंट, दरवाजे-खिड़कियां और मॉडर्न जमाने का फर्नीचर घर की शोभा बढ़ाते हैं। एक और चीज जो घर की सजावट में अहम रोल निभाती है, वह है कर्टेन यानी की पर्दे। इसके बिना घर खाली खाली सा लगता है। यह डैकोरेशन के साथ-साथ कमरों के पार्टिशन और प्राइवेसी को भी बनाए रखने में मदद करते हैं।

वैसे तो आपको मार्किट में बहुत सारे डिजाइन्स और स्टफ में हर क्लर का पर्दा आसानी से मिल जाएगा आप ऑनलाइन साइट्स से भी अपने मनपसंद पर्दे चूज कर सकती है और मंगवा सकती है लेकिन अगर आपको लगता है कि यह आपके बजट में फिट नहीं बैठ रहे और काफी महंगे पड़ रहे हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप घर पर ही पर्दे बना सकती हैं जो काफी सस्ते भी पड़ेंगे। वैसे यह काम आसान नहीं है इसके लिए आपको मेहनत तो करनी ही पड़ेगी। चलिए आज हम आपको ईजी वे बताते हैं, जिसकी मदद से आप आसानी से कर्टेन तैयार कर सकते हैं। चलिए, जानते हैं पर्दे बनाने के तरीके- सबसे पहले आपको कर्टेन का सहीं नाप और सिलाई करनी आनी चाहिए। आजकल तो फ्रिल वाले और डबल कर्टेन काफी ट्रैंड में चल रहे हैं। इसी के साथ कर्टन का चुनाव पेंट के हिसाब से करें। अगर कर्टेन किसी और रंग का और पेंट किसी और रंग का होगा तो पूरा कमरा अटपटा सा लगेगा लेकिन हां आप कंट्रास्ट मैंचिग कर सकते हैं जैसे- ग्रे लाइट दीवारों के साथ ग्रे डार्क कर्टेन। -अगर आपके घर में पुरानी साड़ियां पड़ी हैं तो आप उनका इस्तेमाल कर्टेन के तौर पर कर सकते हैं। सिल्क की साड़ियों से बने पर्दे बहुत ही ग्रैसफुल लगते हैं। सिंगल टोंड शिफॉन की साड़ी पर्दों के लिए सबसे बेस्ट मानी जाती हैं क्योंकि यह घर के फर्नीचर से मिक्स एंड मैच हो जाएंगी। -वैसे आजकल तो सर्दी के मौसम में शनील (Shannile Applique) के कर्टेन भी खूब ट्रैंड में हैं। यह देखने में तो आकर्षक लगते ही हैं साथ ही हवा से बचाव करते हैं, जिससे कमरा गर्म रहता है। अगर आप शनील के कर्टेन नहीं लगाना चाहते तो इसकी जगह पर आप किसी मोटे स्टफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। आजकल लोग इस तरह के कर्टेन को ज्यादा प्रेफर करने लग गए हैं क्योंकि यह सिंपल सॉबर और डिसेंट सी लुक देते हैं।

- आपके पास ऐसे बहुत सारे दुपट्टे होंगे, जिसके सूट आप पहनकर खराब कर चुके हैं। इन्हें बेकार मत जाने दें। 3-4 दुपट्टों को आपस में मिलाकर पर्दों के रूप में इस्तेमाल करें। - स्टॉल्स या पुरानी चादरों से भी आप घर के लिए सस्ते पर्दे बना सकते हैं। आप 2 से 3 चादरों या स्टॉल्स को आपस में मिक्स करके भी पर्दे तैयार कर सकते हैं। इन्हें आप चैक या स्ट्रैप्स स्टाइल में भी तैयार करें जो देखने में भी बहुत ही क्लरफुल लगेंगे। दूसरा इन पुरानी चीजों का किसी अच्छी जगह पर इस्तेमाल होता है। - अगर आप चाहते हैं कि कमरों में पर्दे भी लगें हो और रोशनी भी पूरी रहे तो पतले कपड़े में कर्टेन लगाएं और लाइट क्लर को प्रैफर करें। -पहले लोग मेजपोश और सोफों को कवर करने के लिए क्रोशिए से बने छाड़ से सजाते थे लेकिन अब तो क्रोशियों के पर्दे भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। ये आपके घर को आर्टिस्टिक लुक देते हैं।

इस तरह के केमिकल को घर में कभी न रखें, नही तों...

घर की साफ-सफाई के लिए हम सभी बाजार से बहुत से ऐसे प्रोडक्ट्स लाते हैं जिनसे सफाई आसानी से हो सके। पर हम सब यह नहीं जानते कि इन प्रोडक्ट्स को घर पर रखना हमारी सेहत के लिए अच्छा नही होता क्योंकि इन उत्पादों में बहुत से ऐसे रसायन विषाक्त छुपे होते है जिनके कारण घर प्रदूषित होता है। आज हम आपको कुछ ऐसे प्रोडक्ट्स के बारे में बताएगे जिनहे आप घर पर कभी न रखें।

खतरनाक केमिकल प्रोडक्ट

1. बाथरूम में टाइल क्लीनर हम सभी जानते है कि घर में सबसे ज्यादा साफ-सफाई की जरुरत बाथरूम में होती है। बाथरूम को साफ करने के लिए हम सभी बहुत से हाईड्रोक?लोरिक, एसिड और केमिकल आदि का उपयोग करते है। पर आपके बता दें कि इन सब के उपयोग से आपको अस्थमा की दिकत हो सकती है और आपको लीवर भी डैमेज कर सकते हैं। इस लिए आप इसे साफ करने के लिए सिरका, वॉशिंग सोडा या बोरॉक्स का प्रयोग कर सकते है।

2. क्लीनर और सोप

क्लीनर में ऐसे बहुत से रसायन पाए जाते है जो कि प्रतिरक्षा प्रणाली, प्रजनन शक्ति को कमजोर करता है। उसकी जगह पर आप साधारण साबुन या एंटीबैक्टीरियल सोप से ही हाथ धो सकते है।

3. एयर फ्रेशनर

हम सभी घर को महकाने के लिए जिस रूम फ्रेशनर का इस्तमाल करते हैं वह हमारे लिए अच्छे नही होते है। इसका उपयोग करने से हमें एलर्जी, त्वचा रोग, म्यूकस मेंबरेन में जलन, जोड़ो और सीने मे दर्द पैदा हो सकता है। ऐसे मे आप घर में फ्रेश हवा को अंदर लाने के लिए दरवाजों व खिड़कियां खोल कर रखें। अगर आप घर को महकाना चाहती है तो आप फूलों का इस्तमाल भी कर सकती है।

4. डिशवॉशर

घर में बर्तनों को साफ करने के लिए जिस डिशवॉशर का हम उपयोग करते है अगर वह सूखा है तो उसका प्रयोग न करें क्योंकि इसे हमारी आंखों में तकलीफ, त्वचा में जलन और खुजली होनी शूरु हो जाती है। इसलिए हमेशा बाजार से अच्छी क्वालिटी के डिटर्जन्ट डिशवॉशर लाकर ही प्रयोग करें।

5. कार्पेट को साफ करने के लिए क्लीनर कार्पेट या गलीचे को साफ करने के लिए जिस क्लीनर का हम उपयोग करते है उनमें ड्राय क्लीनिंग के लिए प्रयोग होने वाला केमिकल इस्तमाल होता है जो कि इंसान के लीवर, किडनी और नर्वस सिस्टम पर काफी बुरा असर डालता है। ऐसे में आप कार्पेट या गलीचे को साफ करने के लिए नमक, फ्रूट जूस या वाइन का इस्तेमाल कर सकते है।



एक बार पहने हुए कपड़ों की इस तरह से करें संभाल...

अकसर हम सभी कपड़ों को पहनने के बाद उतार कर ऐसे ही अलमारी में रख देते हैं, पर हमें ऐसे नही करना चाहिए क्योंकि उतारे हुए कपड़ों में बहुत से संक्रमण होते हैँ। अगर आपके कपड़ों में पसीने की गंध नही आ रही तो इसका मतलब यह नहीं है कि अपके कपड़ें दुबारा पहनने के लायक है। अगर आप इन कपड़ों को ऐसे ही पहन लेंगे तो आप बीमार भी हो सकते है। तो आइए जानते है इन कपड़ो की संभाल करने के बारे में।



1. अगर आप पहने हुए कपड़े को उतारने के बाद में अल्मारी में रखते है तो ऐसा न करें क्योंकि उन कपड़ों को पहनने से ऐसे संक्रमण आ जाते हैं जो दुसरे कपड़ो में भी फैल सकते है। इसलिए पहने हुए कपड़ो को उतार कर अलमारी में रखने की जगह धूप में टांग कर सूखाएं।

2. अगर मौसम ठीक न हो और सूरज की रौशनी न मिल रही हो तो उतारे हुए कपड़ो को हैंगर में टांग कर पखे की हवा से सूखा सकते है। ऐसे में आपके कपड़ों में बदबू नहीं रहेंगी।

3. कपड़ो को सुखाने के लिए धूप में सिर्फ एक घंटे तक ही रखें क्योंकि ज्यादा समय तक धूप में रखने से कपड़ों का रंग खराब हो सकता है। कपड़े के सूख जाने पर अलग अलमारी में ही रखें।

4. अगर कपड़ो को ऐसे ही उतार कर छोड देगे तो आपके कपड़े दुबारा पहनने के लायक नहीं रहते।

5. अपने घर में कोई ऐसी जगह जैसे कि कोई खूंटी या फिर दरवाजे के पीछे लगी खूंटी हो तो उस पर उतारे हुए कपड़ो को लटका सकती है। ऐसा करने से गंदे कपड़े साफ कपड़ों के साथ नहीं मिल पाएंगे।

लकड़ी के बर्तनों का चिपचिपापन हटाने के लिए अपनाएं ये आसान से टिप्स

अकसर देखा गया है कि किचेन में जब लकड़ी के बर्तनों पर दाग लग जाते है तो वह आसानी से नहीं निकलते हैं। ऐसे में बर्तनों का नया पन खो जाता है। कभी-कभी ऐसे बर्तनों में से सब्जियों की गंध बहुत ज्यादा आती है जिससे बनाई जाने वाली दुसरी सब्ज़ी में से भी उसकी महक आती है। आज हम आपको कुछ स्पेशल टिप्स देंगे जिससे अपनाकर आप घर पर आसानी से लकड़ी के बर्तनों की गंध को दूर करके उनहें चमका सकते है।

1. लकड़ी के बर्तनों को नींबू से साफ करें

अगर लकड़ी के बर्तनों में से बहुत ज्यादा गंद आती है तो आप नींबू लेकर उसके रस को निकाल लें। अब इसें गर्म पानी को मिला कर इसकें घोल में बर्तन को डुबों कर 15 मिनट कर रख दें। धोने के बाद में इसे सूखाने के लिए सूती कपड़ा लेकर इसे पोंछ दें।

2. सिरका और शहद

कभी-कभी बर्तन इतने ज्यादा गंदे हो जाते है कि साफ करने में बहुत दिकत आती है। ऐसे में आप थोड़ा सा सिरका लेकर उसमें शहद मिला कर दोनों का मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण में सूती कपड़े को भिगो कर बर्तनों को अच्छे से रगड़ें।ऐसे करने से आपके बर्तनों में चमक भी आ जाएगी। धोने के बाद में आप इन बर्तनों को धूप में भी सुखा सकते है।

3. पानी में नमक डालकर

आप पानी उबले हुए पानी में नमक डालकर इन बर्तनों को 5 मिनट के लिए भिगो कर रख दें। बाद मे उनहे निकाल कर आप किसी कपड़े से पोंछ कर सूखने के लिए धूप में रख दें।

4. साइट्रस फ्रूट

साइट्रस फ्रूट में साइट्रस की मात्रा ज्यादा होती है, जिसके कारण वह खट्टे होते हैं। इसके खट्टे से भी आप लकड़ी के बर्तनों को साफ कर सकती है।

5. बेकिंग सोडा में नींबू का रस इन लकड़ी के बर्तनों में से गंध और चिपचिपापन हटाने के लिए आप एक कटोरी में बेकिंग सोडा और नींबू का रस लोकर बर्तनों को इस मिश्रण से साफ करें। साफ करने के बाद इसकी शाइन नए जैसे बनाए रखने के लिए इन बर्तनों को धूप में सूखाएं।

6. पानी

आप जब भी लकड़ी के बर्तनों को साफ करे तो ध्यान दे कि पानी गुनगुना होना चाहिए। ऐसा करने से गंध और चिकनाई वाले बर्तन आसानी से साफ हो जाते है और समय भी कम लगता है।

